

46 साल की श्वेता तिवारी के हुस्न ने हिला डाला इंटरनेट, 'गुलाबी स्विमसूट' पहन पानी में लगाई आग

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31.4
न्यूनतम - 16.2

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 298 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 17 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी शाह मानहानि केस में 8 साल बाद बरी

● जज ने 16 मिनट में फैसला सुनाया, याचिकाकर्ता को डांटा

सुल्तानपुर (एजेंसी)। 'जो पार्टी ईमानदारी की बात करती है, उसके अध्यक्ष पर हत्या का आरोप है।' राहुल गांधी ने करीब साढ़े सात साल पहले यह बयान दिया था। उन पर मानहानि का केस हुआ। हालांकि, यूपी के सुल्तानपुर कोर्ट ने इसे अपमानजनक नहीं माना और 26 अक्टूबर को उन्हें बरी कर दिया। राहुल 11.16 बजे कोर्ट में पेश हुए और 11.32 बजे फैसला आ गया, यानी



16 मिनट में। राहुल ने पूरे बयान की जो सीडी कोर्ट में दाखिल की थी, उसे मजबूत सबूत माना। राहुल ने कहा था कि उनका मकसद किसी की मानहानि करना नहीं था। मानहानि का केस करने वाले विजय मिश्रा को कोर्ट ने पीड़ित व्यक्ति नहीं माना। यानी, राहुल ने शाह पर जो बयान दिया उससे विजय मिश्रा का कोई सीधा मतलब नहीं था। कोर्ट ने विजय मिश्रा के आरोपों को मानहानि की श्रेणी में नहीं रखा। यानी राहुल का इरादा किसी की मानहानि करना नहीं था। 8 मई 2018 को बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने यह बयान दिया था। अगस्त 2018 में भाजपा नेता विजय मिश्रा ने केस किया था।

जामिया में 20 साल बाद छात्रसंघ चुनाव का आदेश

● संविधान मंजूर होने के 15 दिन के भीतर वोटिंग, दो हफ्ते से भूख हड़ताल पर छात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में करीब 20 साल बाद छात्रसंघ चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सोमवार को कहा कि छात्रसंघ के संविधान को मंजूरी मिलने के 15 दिन के भीतर चुनाव



कराए जाएंगे। प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान छात्रों को जारी सस्पेंशन और कारण बताओ नोटिस रद्द करने का फैसला लिया है। साथ ही, आंदोलन के दौरान सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार की जांच के लिए कमेटी बनाने का भी आश्वासन दिया। हालांकि, 12 अक्टूबर से प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आदेश को अस्पष्ट बताते हुए कहा है कि लिखित भरोसा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। 5 छात्र पिछले 14 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। इनमें से तीन छात्रों ने भूख हड़ताल खत्म कर दी है जबकि मांगें पूरी होने तक दो छात्रों का अनशन जारी रहेगा। यूनिवर्सिटी कैंपस बंद कर क्लासेस ऑनलाइन कर दी गई थीं।

100 फीसदी एथेनॉल वाले ईंधन को सरकार की मंजूरी

केवल फ्लेक्स फ्यूल गाड़ियों में यूज होगा, बन गया प्लान



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी एथेनॉल से चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल्स (ई 100) के लिए नए नियम जारी कर दिए हैं। सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में संशोधन यानी बदलाव करते हुए सरकार ने ई 100 फ्यूल को मंजूरी दे दी है। नए नोटिफिकेशन के तहत एमिशन प्रोविजन में ई 85 फ्यूल के साथ अब ई 100 को भी शामिल कर लिया गया है।

देश में हरित ईंधन और प्रदूषण मुक्त परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सोमवार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन की अधिसूचना जारी कर दी है, जिससे अब 100 फीसदी इथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल (ई 100) पर चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के निर्माण और संचालन का रास्ता साफ हो गया है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई प्रमुख कार निर्माता कंपनियां जल्द ही अपने ई 100 मॉडल्स भारत में लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नियमों में किए गए इस नए संशोधन के तहत उत्सर्जन प्रावधानों को अपडेट किया गया है।

नियमों में ई-100 को शामिल करना

अब एमिशन मानकों में ई 85 ईंधन के साथ-साथ ई 100 को भी आधिकारिक तौर पर शामिल कर लिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ई 85 और ई 100 ईंधन केवल उन्हीं वाहनों के लिए हैं जो विशेष रूप से इस उच्च-इथेनॉल मिश्रण पर चलने के लिए डिजाइन और प्रमाणित किए गए हैं। क्या मौजूदा कार मालिकों को अपनी गाड़ियों में कोई बदलाव करना होगा। इस फैसले के बाद आम कार चालकों और मौजूदा वाहन मालिकों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। मौजूदा वाहनों पर लागू नहीं: सामान्य पेट्रोल या ई 20 ईंधन पर चलने वाली वर्तमान गाड़ियां ई 85 या ई 100 ईंधन का उपयोग नहीं कर सकती हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस अधिसूचना के तहत मौजूदा वाहन मालिकों को न तो ई 85 पर स्विच करने की जरूरत है और न ही उन्हें वर्तमान या भविष्य में अपने वाहनों में।

दिल्ली-पटना से बेंगलुरु तक बीजेपी का 'हल्लाबोल'

खरगे के 'बाप' वाले बयान पर बवाल, माफी की मांग

राजनाथ सिंह ने बयान को अशोभनीय और दुखद बताया



नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणी के विरोध में बीजेपी ने सोमवार को सभी राज्यों में पार्टी मुख्यालयों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी ने खरगे के बयान को अशोभनीय और अपमानजनक बताते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है। यह विवाद रविवार को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शुरू हुआ, जब भीड़ में से किसी ने कहा कि मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर पलटवार करते हुए खरगे ने मंच से कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा। इस बयान का वीडियो सामने आते ही दोनों दलों के बीच सियासी घमासान तेज हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए एक विवादित बयान के विरोध में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने देश के विभिन्न राज्यों और महानगरों में सड़कों पर उतरकर व्यापक प्रदर्शन किया। बिहार की राजधानी पटना में बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला और कांग्रेस अध्यक्ष का पुतला फूंका। वहीं जम्मू में कार्यकर्ताओं ने खरगे के पोस्टरों को आग के हवाले कर कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आक्रोश जताया। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में भी बीजेपी ने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन कर खरगे से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

● सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष का बयान स्तब्ध करने वाला- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खरगे के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को लेकर की गई टिप्पणी से स्तब्ध और आहत हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है... सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह टिप्पणी किसी साधारण कार्यकर्ता या युवा नेता ने नहीं, बल्कि खुद को देश की सबसे पुरानी पार्टी बताने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि गलती मानने और खेद जताने के बजाय कांग्रेस नेता इस बयान का बचाव करने और इसे सही ठहराने में लगे हैं, जिससे लोगों की भावनाएं और ज्यादा आहत हो रही हैं।

'दिमागी नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से दूर रहें

● बंगाल सीएम शुभेंन्दु बोले-कॉकरोचों को पनपने न दें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को पनपने न दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



के साथ खड़े हों। सुवेंदु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। दो दिन में यह दूसरी बार है जब सुवेंदु ने कॉकरोच पार्टी पर निशाना साधा। रविवार को भी रामनगर में एक कार्यक्रम में सुवेंदु ने कहा था कॉकरोच, खटमल जैसी बुराइयां कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं।

ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा

राहुल गांधी ने दिल्ली के व्यापारियों से कह दी है बड़ी बात



नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली विपक्षी दलों की रैली पर कमेंट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने व्यापारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहिए कि वो आरोपी नंबर 4 ज्ञानेश कुमार को हटाएं तो विपक्ष का आंदोलन 30 सेकंड में रुक जाएगा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर करते हुए पोस्ट में दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनकी बात सुन रही है और उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि कांग्रेस दिल्ली के हर व्यापारी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम आपसे प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुरक्षित नहीं- न आपकी दुकान, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य।

सीटीआई से जुड़े व्यापारियों ने राहुल गांधी को भेजा था लेटर

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' आगामी एक नवंबर को वोट चोरी के खिलाफ रामलीला मैदान में रैली करने वाला है। इसी को लेकर पिछले दिनों 'चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री' (सीटीआई) के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर कहा था कि यह रैली ऐसे समय में हो रही जब त्योहारी सीजन है। जब धनतेरस और दिवाली से पहले व्यापारियों को बड़ी संख्या में ग्राहकों के आने की उम्मीद है। इस दौरान रामलीला मैदान के आसपास रैली से थोक और खुदरा बाजारों पर खरीदारी प्रभावित हो सकती है।

'फाइटर एसेट्स' का नहीं होगा कोई स्थाई बंटवारा

● विदेशी मॉडल की नकल नहीं करेंगे आईएएफ चीफ का बड़ा बयान



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एपी सिंह ने एक बार फिर से थिएटराइजेशन योजना पर राय दी है। रविवार को एक साक्षात्कार में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना लड़ाकू संपत्तियों को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने विदेशी मॉडलों की नकल करने के बजाय, भारत की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप एक ढांचा तैयार करने की वकालत की। सामाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि थिएटराइजेशन का मुख्य सिद्धांत यह होना चाहिए कि जहां जरूरी हो वहां सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल हो और जहां उचित हो वहां डिसेंट्रलाइज्ड एग्जीक्यूशन हो।

अरुणाचल प्रदेश में 40-50 किमी अंदर घुसे चीनी सैनिक

कांग्रेस का दावा, सेना बोली-घुसपैठ के दावे वाला वीडियो फर्जी



ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोसिराम सिरम ने दावा किया है कि अपर सुबनसिरी जिले में चीनी सैनिक भारतीय सीमा के 40-50 किलोमीटर अंदर तक घुस आए हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर कई जगह भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने हैं, जिससे सैनिकों की गश्त और स्थानीय लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए सिरम ने जुलाई के आखिरी हफ्ते में सैनिकों के बीच हाथापाई और लाठी चलने की घटनाएं होने का दावा किया। दूसरी ओर, भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी कब्जे के दावे को लेकर वायरल एक वीडियो को फर्जी बताया।

सीमावर्ती इलाकों का दौरा करने के बाद कांग्रेस ने लगाए आरोप

बोसिराम सिरम के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने 26 से 29 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। इसमें कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व गृह मंत्री तांगा बयालिंग और अपर सुबनसिरी के सांसद जारोडुम क्री भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ईटानगर से नाचो होते हुए लाइमकिंग और तक्षिंग तक पहुंचा। यहां सदस्यों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। सिरम ने दौरे के बाद कहा कि सीमा पर चीनी सैनिकों की गतिविधियों की जांच होनी चाहिए।

मुंबई की लाइफलाइन 'लोकल' में आई तकनीकी खराबी

● संचालन गड़बड़ाया, इंतजार के बाद यात्री ट्रैक पर चलने को हुए मजबूर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में मुलुंड और ठाणे स्टेशनों के बीच ओवरहेड केबल पर तार लटके मिलने के कारण सेंट्रल रेलवे की लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। यात्रियों को मुलुंड और नाहुर के बीच पटरियों पर चलते देखा गया। सेंट्रल रेलवे के स्वप्निल नीला ने कांजुरमार्ग में सिग्नल फेल होने की घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि इसके कारण विक्रोली और भांडुप के बीच सेंट्रल रेलवे का परिचालन बाधित हो गया था। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मुंबई की सेंट्रल लाइन में प्रॉब्लम आने से लोकल ट्रेनों का संचालन रुका।



कुंभ से पहले नासिक में बना शंखनाद का वर्ल्ड रिकॉर्ड

● 517 लोग शामिल हुए, पिछला रिकॉर्ड 303 लोगों का था



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में रविवार को 517 श्रद्धालुओं ने एक साथ शंख बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाया। यह कार्यक्रम गोदावरी नदी के किनारे हुआ। यह आयोजन सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह से पहले किया गया। प्रतिभागियों ने पांच मिनट 30 सेकंड तक शंख बजाए। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम के लिए चेन्नई से खास तौर पर प्रमाणित शंख मंगाए गए थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सीनियर जज ऋषि नाथ ने देवमामलेदार यशवंत महाराज पटांगण में रिकॉर्ड की घोषणा की। इससे पहले एक साथ शंख बजाने का रिकॉर्ड 2019 में अमेरिका के न्यू जर्सी में 303 लोगों के नाम था। नासिक-त्रम्बकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला दोनों पवित्र शहरों में हर 12 साल में होने वाला बड़ा आयोजन है। यह मेला 31 अक्टूबर से 24 जुलाई तक चलेगा।

ध्वजारोहण में शामिल होंगी राष्ट्रपति मुर्मू

कमिश्नर शेखर सिंह ने कहा कि इस पहल से परंपरा को कुंभ मेले की शुभ शुरुआत से जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को ध्वजारोहण समारोह के समय 251 प्रतिभागी शंख बजाएंगे। कुंभ मेले का ध्वजारोहण समारोह 31 अक्टूबर को दोपहर 12.02 बजे रामकुंड में होगा। इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। इसी कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाणपत्र भी सौंपा जाएगा। 20 महीने तक चलने वाले कुंभ मेले के 44 मुहूर्त नासिक में और 53 मुहूर्त त्रम्बकेश्वर में स्नान के हैं। सरकार का अनुमान है कि नासिक में 8-10 करोड़ और त्रम्बकेश्वर में 4 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। नासिक कुंभ की खास बात है कि यहां वैष्णव और शैव अखाड़ों के स्नान अलग-अलग तीर्थस्थलों पर होते हैं। नासिक और त्रम्बकेश्वर को एक ही आयोजन के दो प्रमुख केंद्रों के रूप में देखा जाता है।

भगवान वाल्मीकि ने हमें दुनिया का पहला महाकाव्य दिया: योगी

सीएम ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर सपा-कांग्रेस को घेरा



कानपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिठूर में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाना बनाया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर अयोध्या का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अयोध्या का विकास नहीं किया। अयोध्या को गंदा बनाकर रखा। उन्होंने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। उन्होंने कहा कि, भगवान राम और निषाद राज की मित्रता जब तक रहेगी, कांग्रेस और सपा के राज का स्वाहा होना तय है। सीएम योगी ने कहा कि, हम अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हैं। हम यह मानकर चलते हैं कि इस धरती के प्रति, सनातन धर्म के प्रति, भारत भूमि के प्रति यदि किसी का योगदान है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व बनता है। उस दायित्व का निर्वहन करने के लिए हम लोग निरंतर कार्य करते हैं। भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया।

अनमोल वचन

हम सांसारिक विषयों का भोग नहीं करते प्रत्युत सांसारिक भोगों की प्राप्ति की चिंता है। हमें भोग लिप्सा है। हमने तप नहीं किया, संयम भी नहीं किया इसलिए आध्यात्मिक, आधिदैविक और आधिभौतिक ताप हमें ही जीवन भर तपाते हैं। भोगों को भोगते-भोगते हम काल को काट नहीं पाये प्रत्युत काल ने ही हमें नष्ट कर दिया। हमारे भीतर भोगों को प्राप्त करने की तृष्णा तो बूढ़ी नहीं हुई हम ही बूढ़े हो गये। याद रहे संसार के समस्त भोग, भौतिक पदार्थ, धन-धान्य के अम्बार, महल-दुमहले केवल कल तक ही रहने वाले हैं। ये सभी किसी की तृप्ति का कारण नहीं बने, ये सभी अनित्य हैं। किन्तु तत्वदर्शी तथा विवेकी मनुष्य इन सब की चिंता नहीं करता, केवल आवश्यकता भर का उपयोग करता है। वह नित्य की खोज में लगा रहता है तथा अमरत्व की प्राप्ति से पहले किसी भी स्थिति से समझौता नहीं करता तथा आई बाधाओं को परास्त कर आगे बढ़ता जाता है।

गाजियाबाद में ऑपरेशन प्रहार के तहत दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, 3 किलो से ज्यादा गांजा बरामद

दिल्ली से गांजा लाकर डासना में बेचने का आरोप, दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की ओर से अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत वेवसिटी थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 3 किलो 60 ग्राम अवैध गांजा बरामद करने का दावा किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर 2026 को वेवसिटी थाना पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मैनुअल इनपुट के आधार पर मकतूम शाह की ओर जाने वाले रास्ते के पास डासना से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान इरशाद पुत्र यासीन और मुमतियाज उर्फ बोडो पुत्र प्यारमोहम्मद के रूप में हुई है। दोनों ईदगाह कॉलोनी, डासना के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में जीजा-साले हैं और दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ियों के आसपास रहने वाले लोगों से गांजा खरीदकर लाते थे। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में उसकी बिक्री करते थे। आरोपियों ने पूछताछ में अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए गांजा बेचने की बात कही है। हालांकि, पुलिस उनके बताए गए स्रोत और अन्य संभावित संपर्कों की जांच कर रही है।



दोनों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया

पुलिस के अनुसार, आरोपी इरशाद के खिलाफ वेवसिटी थाने में इस मामले सहित गांजा बरामदगी से जुड़े दो मुकदमे तथा बलवा, हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने से संबंधित एक अन्य मुकदमा दर्ज है। वहीं, मुमतियाज उर्फ बोडो के खिलाफ इस मामले सहित कुल दो मुकदमे दर्ज होने की जानकारी दी गई है। इनमें एक मामला बलवा, हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने से संबंधित बताया गया है। पुलिस के अनुसार, मुमतियाज के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत कार्रवाई की है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर गाजावाली पुलिया पर विशाल भंडारा

महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि, ज्ञान, सदाचार और मानवता के मार्ग पर चलने का दिया संदेश

मुजफ्फरनगर। महर्षि भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस के अवसर पर शहर की कच्ची सड़क स्थित गाजावाली पुलिया पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा और पुष्पेंद्र त्यागी उर्फ बॉबी सहित समाज के गणमान्य लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद फीता काटकर भंडारे का शुभारंभ किया गया। आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया तथा महर्षि वाल्मीकि के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। कार्यक्रम के दौरान महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनके आदर्शों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को ज्ञान, नैतिकता, सदाचार और मानवता का मार्ग दिखाती हैं। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

ज्ञान और मानवता का संदेश देते हैं महर्षि वाल्मीकि के विचारः राकेश शर्मा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव



राकेश शर्मा ने कहा कि महर्षि भगवान वाल्मीकि का जीवन और उनकी रचनाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने ज्ञान, नैतिकता और मानवता के मूल्यों को महत्व देते हुए समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य किया। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में आपसी सद्भाव, समानता और भाईचारे को मजबूत किया जा सकता है। महर्षि वाल्मीकि का प्रकट दिवस उनके विचारों को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर है।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाएंः पुष्पेंद्र त्यागी उर्फ बॉबी

सपा नेता पुष्पेंद्र त्यागी उर्फ बॉबी ने कहा कि महर्षि भगवान वाल्मीकि ने अपनी रचनाओं और विचारों के माध्यम से समाज को ज्ञान, सदाचार और नैतिकता का संदेश दिया। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन लोगों को एकजुट करने के साथ ही महापुरुषों की शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने लोगों से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाने और आपसी प्रेम तथा भाईचारे को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

श्रद्धालुओं ने भंडारे में लिया भाग

गाजावाली पुलिया पर आयोजित विशाल भंडारे में लोगों ने सहभागिता कर महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। आयोजकों ने कहा कि संसार में ज्ञान का विशेष महत्व है और महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं मानवता तथा नैतिक मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देती हैं। कार्यक्रम के माध्यम से उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

मोरना चीनी मिल विस्तारीकरण का शिलान्यास जल्दः सीएम योगी और जयंत चौधरी के आगमन की चर्चा, डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

चीनी मिल विस्तारीकरण के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियाँ शुरू

मोरना (मुजफ्फरनगर)। दी गंगा किसान सहकारी चीनी मिल, मोरना के विस्तारीकरण के बहुप्रतीक्षित शिलान्यास समारोह को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के संभावित आगमन के मद्देनजर सोमवार को जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने चीनी मिल फार्म का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व अन्य आवश्यक तैयारियों का बारीक जायजा लिया।

किसानों की वर्षों पुरानी मांग को मिला पंख

गौरतलब है कि मोरना क्षेत्र के गन्ना किसान पिछले काफी लंबे समय से

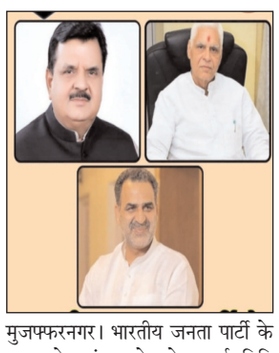


चीनी मिल के विस्तारीकरण और क्षमता वृद्धि की मांग करते आ रहे थे। प्रदेश सरकार द्वारा विस्तारीकरण परियोजना के लिए बजट मंजूर कर धनराशि जारी किए जाने के बाद अब शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच रही हैं। वीआईपी आगमन और विशाल जनसभा की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। डीएम-एसएसपी ने मौके पर परखीं तैयारियाँ

सोमवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सूरज कुमार राय दलबल के साथ मोरना चीनी मिल फार्म पहुँचे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हेलीपैड निर्माण, मंच व्यवस्था, जनसभा स्थल, पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिलान्यास समारोह से जुड़ी सभी तैयारियाँ समय से पूरी कर ली जाएँ ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अमला रहा मौजूद

स्थल निरीक्षण के दौरान चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक वी.पी. पांडेय, एसपी देहात अक्षय संजय महाडिक, क्षेत्राधिकारी (सीओ) भोपा राधा रमण सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार, उपनिरीक्षक पिंटू चौधरी, उपनिरीक्षक विवेक चौधरी तथा ऋषिपाल सिंह सहित कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डा. संजीव बालियान, रामकुमार सहरावत और सुभाष चंद्र शर्मा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बने



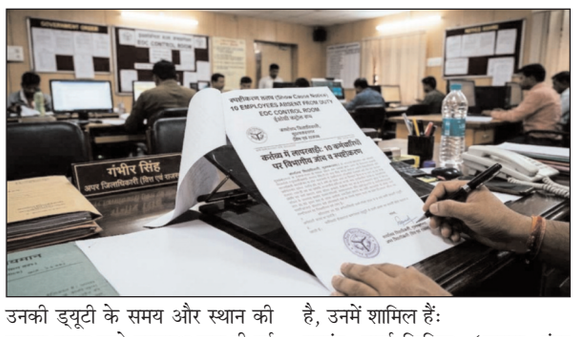
मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश संगठन ने प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों की घोषणा कर दी है। प्रदेश कार्यालय, लखनऊ से जारी सूची में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के 31 नेताओं को प्रदेश कार्यसमिति में शामिल किया गया है। नई कार्यसमिति में मुजफ्फरनगर जिले को भी प्रतिनिधित्व मिला है, जिससे जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। जारी सूची के अनुसार, मुजफ्फरनगर से पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, रामकुमार सहरावत और डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। इन नेताओं को संगठन में जिम्मेदारी मिलने से जिले में भाजपा की राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पश्चिम क्षेत्र की सूची में बागपत, बुलंदशहर, मुरादाबाद, मेरठ, बिजनौर, हापुड़ और रामपुर सहित विभिन्न जिलों के नेताओं को शामिल किया गया है। बागपत से डॉ. सत्यपाल सिंह और सरिता चौधरी, बुलंदशहर से मुंशीलाल गौतम, रविंद्र राजौरा, सतीश शर्मा, अमित वाल्मीकि, अशोक प्रधान, नेपाल लोधी और अमित बंसल को स्थान मिला है। वहीं, मुरादाबाद से राजपाल सिंह चौहान, मेरठ से अरुण वशिष्ठ, अश्वनी मचरा त्यागी, विजय पाल तोमर, रविंद्र भड़ाना, जयकरण गुप्ता, राधा त्यागी, अंजू वारियर, डॉ. चरण सिंह लिसाड़ी और नरेश कुमार गुर्जर को प्रदेश कार्यसमिति में शामिल किया गया है। बिजनौर से यशवंत सिंह, भारतेंद्र सिंह, कविता चौधरी और अरविंद गहलोत को जिम्मेदारी मिली है। हापुड़ से मीना सिंह और गौरव रुड़कीवाल तथा रामपुर से मोहन लाल सैनी, भारत भूषण गुप्ता और सुरेश गांधी को शामिल किया गया है।

मुजफ्फरनगर कलेक्ट्रेट में ड्यूटी में लापरवाही पर जिला प्रशासन सख्तः 10 सरकारी कर्मचारियों पर गिरी गाज

कलेक्ट्रेट स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर कंट्रोल रूम से नदारद रहने पर विभागीय जांच शुरू, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने तीन दिन में मांगा स्पष्टीकरण

मुजफ्फरनगर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एडउ) कंट्रोल रूम में तैनाती के बावजूद गैरहाजिर रहने वाले 10 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शासकीय कार्यों एवं ड्यूटी में गंभीर लापरवाही बरतने के इस मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह ने सभी संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उनसे तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। पत्र, फोन और व्हाट्सएप से दी गई थी सूचना

जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी अधिकृत आदेश के तहत जिले के विभिन्न शासकीय व शैक्षणिक विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की शिफ्टवाइज ड्यूटी कलेक्ट्रेट स्थित ईओसी/कंट्रोल रूम में लगाई गई थी। प्रशासनिक स्तर पर पत्र, टेलीफोन तथा व्हाट्सएप जैसे माध्यमों से सभी संबंधित कर्मचारियों को



उनकी ड्यूटी के समय और स्थान की सूचना समय रहते उपलब्ध करा दी गई थी। इसके बावजूद निर्धारित तिथियों व समय पर ये कर्मचारी अपनी ड्यूटी से गायब पाए गए। जिला प्रशासन ने इसे शासकीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ी कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

लापरवाही बरतने वाले 10 कर्मचारियों की सूची

कंट्रोल रूम ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले जिन 10 कर्मचारियों पर गाज गिरी है, उनमें शामिल हैंः

प्रशांत शर्मा-लिपिक (जनता इंटर कॉलेज, कुटेसरा)

रवि कुमार-कनिष्ठ सहायक (गंग नहर)

रविंद्र सिंह-लिपिक (एसडी डिग्री कॉलेज)

अंकुर जैन-वरिष्ठ सहायक (जल निगम)

विजय वर्मा-सहायक लेखाकार (जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय)

विवेक चौधरी-अवर अभियंता (गंग नहर)

अतुलेश चंद्र शर्माझवरिष्ठ सहायक (लोक निर्माण विभाग, प्रांतीय खंड)

रणजीत सिंह-कनिष्ठ सहायक (एसडी इंटर कॉलेज, मीरापुर)

ललित कुमार-गन्ना पर्यवेक्षक (जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय)

नीतीश गोयल-लिपिक (एसडी डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर)

3 दिनों में मांगी विस्तृत रिपोर्ट, कर्मचारियों में हड़कंप

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह ने संबंधित सभी विभागीय अध्यक्षों व अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी अनुपस्थित कर्मचारियों से ड्यूटी में ढिलाई का कारण पूछते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए और विभागाध्यक्ष अपनी स्पष्ट संस्तुति के साथ तीन दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें। जिला प्रशासन की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से लापरवाह व अनधिकृत रूप से गायब रहने वाले कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।

मुजफ्फरनगर में राशन विक्रेता कल्याण समिति का सम्मेलनः कमीशन बढ़ने पर जताया हर्ष, नई कार्यकारिणी घोषित

सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रम में नगर व तहसीलों से पहुंचे डीलर, राजकुमार सिद्धार्थ बने जिला संयोजक और संदीप कुमार पाल चुने गए नगर अध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश राशन विक्रेता कल्याण समिति के तत्वावधान में शहर स्थित एक होटल में जिला स्तरीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में मुजफ्फरनगर नगर क्षेत्र सहित विभिन्न तहसीलों के राशन विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार द्वारा राशन डीलरों का लाभांश (कमीशन) बढ़ाए जाने के निर्णय पर सभी विक्रेताओं ने खुशी का इजहार किया। इसके साथ ही संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से नए जिलाध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष सहित नई कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की गई।

परिचय सत्र के साथ हुई सम्मेलन की शुरूआत

कार्यक्रम का शुभारंभ राशन विक्रेताओं के परस्पर परिचय सत्र के साथ संयुक्त रूप से हुआ। इसके



पश्चात संगठन के पुनर्गठन और भावी रणनीतियों पर गहन मंथन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मुजफ्फरनगर की नई कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से लागू करते हुए शीघ्र ही जिले की संपूर्ण कार्यकारिणी का गठन पूरा कर लिया जाए।

नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की घोषणा

सम्मेलन के दौरान सर्वसम्मति से राजकुमार सिद्धार्थ को संगठन का जिला संयोजक तथा संदीप कुमार पाल को नगर अध्यक्ष घोषित किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का सभी सदस्यों ने फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया। अमित कसाना (खतौली), गौतम, अंकुश गर्ग और फरमान सहित नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों को सभी उपस्थित लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं दीं।

भाजपा नेताओं और डीलरों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेताओं एवं बड़ी संख्या में राशन डीलरों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता राहुल गोयल, नीरज शर्मा, नत्थीराम पाल, दीपक वर्मा, प्रदीप कुमार गुप्ता, श्रवण मोंगा, हरदीप सिंघल (मीरापुर), साजिद अली, उदय लक्ष्मी, संजय जानिया, कपिल कुमार, सावेज, कलीम, हरदीप, अमित कसाना (खतौली), सुरेन्द्र, संदीप कुमार पाल, नकुल कुमार, अनमोल गर्ग, विपिन कुमार, मीनाक्षी, कृष्ण कुमार पाल और आसिफ खान सहित अनेक राशन विक्रेता मौजूद रहे।

नावल्टी चौक के नामकरण पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल और सपा नेता राकेश शर्मा में तीखी नोकझोंक, माइक छीनने का वीडियो वायरल

महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रम में पिछले वर्ष के आश्वासन को लेकर उठा सवाल; नावल्टी चौक के बजाय ओमेगा होटल वाले मार्ग का नाम रखने की बात पर विरोध, राकेश शर्मा ने मंत्री के हाथ से माइक छीना, कपिल देव अग्रवाल बोले—सवाल पूछने वाला कौन है और माइक छीनने वाला कौन

मुजफ्फरनगर। महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नावल्टी चौक का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने की मांग को लेकर राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सामने आए घटनाक्रम के अनुसार, बहस के दौरान राकेश शर्मा ने मंत्री कपिल देव अग्रवाल के हाथ से माइक छीन लिया। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। विवाद की मुख्य वजह नावल्टी चौक के नामकरण को लेकर पिछले वर्ष किए गए आश्वासन और अब ओमेगा होटल वाले मार्ग का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने की बात है। सपा नेता राकेश शर्मा का कहना है कि पिछले वर्ष वाल्मीकि समाज ने नावल्टी चौक का नाम बदलने की मांग उठाई थी और उस समय मंत्री की ओर से आश्वासन दिया गया था। इस बार कार्यक्रम में जब समाज के लोगों ने उसी घोषणा के संबंध में सवाल किया, तो मंत्री ने ओमेगा होटल वाले मार्ग का नाम रखने की बात कही। इसी बात पर समाज के



लोगों ने विरोध जताया और मामला बहस तक पहुंच गया।

पिछले वर्ष नावल्टी चौक के नामकरण की उठी थी मांग

सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा के अनुसार, पिछले वर्ष महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल से नावल्टी चौक का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने की मांग की थी। राकेश शर्मा का कहना है कि उस समय मंत्री ने इस मांग पर आश्वासन दिया था। उन्होंने स्वयं भी महर्षि भगवान वाल्मीकि की मूर्ति स्थापित कराने की घोषणा की थी। राकेश शर्मा के मुताबिक, इस वर्ष जयंती कार्यक्रम में समाज के लोगों ने पिछले वर्ष की गई घोषणा के बारे में जानकारी मांगी। लोगों का सवाल था कि जब नावल्टी चौक का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने की बात हुई थी, तो उस दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं। यह सवाल कार्यक्रम में नामकरण के मुद्दे को लेकर चर्चा का कारण बना।

नावल्टी चौक के बजाय दूसरे मार्ग का नाम रखने की बात पर विरोध

राकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने नावल्टी चौक के बजाय ओमेगा होटल वाले मार्ग का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने की बात कही। इस पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने कड़ा विरोध जताया। समाज के लोगों की मांग नावल्टी चौक के नामकरण को लेकर थी, जबकि मंत्री की ओर से दूसरे मार्ग का नाम प्रस्तावित किए जाने की बात सामने आई। राकेश शर्मा ने कहा कि वह अपनी बात पर आज भी कायम हैं। उनके अनुसार, पिछले वर्ष जो मांग उठाई गई थी, समाज के लोग उसी के बारे में जवाब चाहते थे। नामकरण के स्थान को लेकर मतभेद के बीच बातचीत गरमा गई और मंत्री तथा सपा नेता के बीच नोकझोंक हो गई।

मंत्री ने उठाए सवाल, प्रस्ताव जल्द पास होने का दावा

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस घटनाक्रम पर अपनी बात रखते हुए सवाल किया कि सवाल पूछने वाला कौन है और यह तय कौन करेगा। उन्होंने माइक छीनने को लेकर भी सवाल उठाया। मंत्री के अनुसार, वाल्मीकि समाज की ओर से ओमेगा होटल वाले मार्ग का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने की बात कही गई है।

कपिल देव अग्रवाल ने दावा किया कि इस संबंध में जल्द ही प्रस्ताव पास हो जाएगा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्ताव किस निकाय या विभाग में किस प्रक्रिया के तहत रखा जाएगा और उसे कब तक औपचारिक मंजूरी मिलेगी। कार्यक्रम में हुई नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो को लेकर चर्चा है कि नामकरण के मुद्दे पर बहस के दौरान राकेश शर्मा ने मंत्री के हाथ से माइक छीन लिया। मंत्री ने भी सार्वजनिक रूप से सवाल उठाया कि माइक छीनने वाला कौन है।

बाल विवाह के खिलाफ महिलाओं की बुलंद आवाज, बोलीं—बेटियों की शादी 24-25 साल की उम्र में होनी चाहिए

मुजफ्फरनगर में जनपद स्तरीय रक्षक कार्यशाला में महिलाओं ने साझा किए बाल विवाह के अनुभव, शिक्षा और महिला सशक्तीकरण को बताया बदलाव का आधार

मुजफ्फरनगर। ग्रामीण समाज विकास केंद्र (ग्रूश्ड) की ओर से आयोजित जनपद स्तरीय ह्यरक्षक कार्यशालाह्ल में बाल विवाह, बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं के अधिकार और सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में कविता सहित गीता, इमलेश और मेहर जहां ने बाल विवाह से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने कम उम्र में विवाह के दुष्प्रभावों को सामने रखते हुए बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सुरक्षित भविष्य पर जोर दिया। कार्यशाला के दौरान महिलाओं ने बताया कि कम उम्र में शादी होने से लड़कियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है और उन्हें समय से पहले पारिवारिक जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं। वक्ताओं ने समाज से अपील की कि बेटियों को शिक्षा पूरी करने, अपने अधिकारों को समझने और अपने पैरों पर खड़े होने के लिए पर्याप्त अवसर दिए जाएं। 17 साल की उम्र में हुई शादी, कविता ने साझा किया संघर्ष कविता ने अपने जीवन के शुरूआती संघर्षों का जिक्र करते हुए बताया कि वर्ष 2003 में महज 17 साल की उम्र में उनकी शादी हो गई थी। कम उम्र में विवाह होने के कारण उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट



गई और उन्हें जल्द ही पारिवारिक जिम्मेदारियां संभालनी पड़ीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें जीवन की जिम्मेदारियों और अपने अधिकारों की पर्याप्त जानकारी नहीं थी। शादी के बाद शुरूआती दौर में लोगों के बीच अपनी बात रखने में भी झिझक होती थी। बाद में महिला समाज और अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव आया। कविता ने बताया कि संस्थाओं के सहयोग से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू की, प्रशिक्षण प्राप्त किया और विभिन्न बैठकों तथा कार्यशालाओं में भाग लेना शुरू किया। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और वे सामाजिक मुद्दों पर अपनी बात रखने लगीं। बोलीं कविता, बेटियों की शादी 24-25 साल की उम्र में होनी चाहिए बाल विवाह के खिलाफ संदेश देते हुए कविता ने कहा कि लड़कियों की शादी 24-25 साल की उम्र में होनी चाहिए, ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें, मानसिक रूप से परिपक्व हो सकें और जीवन के महत्वपूर्ण फैसले समझदारी से ले सकें।

उन्होंने बाल विवाह को गंभीर सामाजिक समस्या बताते हुए कहा कि कम उम्र में शादी के कारण कई लड़कियों के सपने अधूरे रह जाते हैं। शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रभावित होते हैं तथा उन्हें कम उम्र में ही बड़ी जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं। उन्होंने परिवारों से बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर उपलब्ध कराने की अपील की।

सहर नंगली की गीता ने भी वीडियो के माध्यम से अपने अनुभव साझा करते हुए कम उम्र में शादी और बाल विवाह के दुष्प्रभावों पर बात रखी। उन्होंने अपने जीवन से जुड़े अनुभवों के जरिए बताया कि बाल विवाह लड़कियों के भविष्य और उनके विकास को प्रभावित कर सकता है। कार्यशाला में उनके अनुभव को बाल विवाह के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना गया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



मकान के पुराने विवाद में 3.50 लाख रुपये मांगने और धमकाने के आरोप, पिता की आत्महत्या के मामले में मुकदमा दर्ज

बेटे की तहरीर पर सन्नी वर्मा, उसकी पत्नी, कथित पत्रकार निखिल रुस्तम सहित अन्य लोगों पर गंभीर आरोप, मानसिक प्रताड़ना और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाकर पुलिस से कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के खांजापुर निवासी एक व्यक्ति की आत्महत्या के मामले में बेटे की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। तहरीर में मकान को लेकर चले आ रहे पुराने विवाद के निपटारे के बावजूद रुपये मांगने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, ब्लैकमेल करने और दुकान बंद कराने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि लगातार मिल रही धमकियों और कथित रूप से रुपये की मांग से परेशान होकर उसके पिता ने आत्महत्या कर ली। मामले में नामजद लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

पुराने मकान विवाद में रुपये मांगने का आरोप

खांजापुर निवासी करण कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता बादल कुमार का सन्नी वर्मा और उसकी पत्नी के साथ मकान को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस विवाद का पूरा भुगतान 14 नवंबर 2023 को कर दिया गया था। तहरीर में यह भी दावा किया गया है कि सन्नी वर्मा ने न्यायालय में शपथपत्र दिया था, लेकिन वह बयान देने के लिए उपस्थित नहीं हुआ। करण कुमार का आरोप है कि इसके बावजूद विवाद को लेकर उन्हें और उनके पिता को परेशान किया जाता रहा। तहरीर के मुताबिक, 20 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में तारीख के दौरान कथित तौर पर 3.50 लाख रुपये की मांग की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस तरह की गतिविधियों के कारण उसके पिता लगातार मानसिक तनाव में थे।

दुकान पर पहुंचकर रुपये मांगने और



ब्लैकमेल करने के आरोप

शिकायतकर्ता ने अपनी तहरीर में कथित पत्रकार निखिल रुस्तम का भी नाम लिया है। आरोप है कि वह उसकी दुकान अनन्या कन्फेक्शनरी पर पहुंचकर अवैध रूप से रुपये की मांग करता था। इसके अलावा सन्नी वर्मा और उसकी पत्नी पर भी मानसिक रूप से प्रताड़ित करने तथा ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए गए हैं। तहरीर में महावीर चौक पर शराब के ठेके के बराबर में कैंटीन चलाने वाले सागर और निशांत पर भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, दोनों उसकी दुकान पर पहुंचे थे और उसे तथा उसके पिता को दुकान बंद कराने की धमकी दी थी। आरोप है कि उन्हें झूठे मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी भी दी गई थी। करण कुमार ने दावा किया कि इन घटनाओं से उसके पिता काफी परेशान रहने लगे थे।

23 अक्टूबर को छत पर फंदे से लटके मिले बादल कुमार

करण कुमार के अनुसार, 23 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11:20 बजे उसके पिता बादल कुमार ने घर की छत पर जाकर गले में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शिकायतकर्ता ने अपनी तहरीर में पिता की मौत के लिए नामजद लोगों और अन्य आरोपित व्यक्तियों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही घटना से जुड़े तथ्यों और जिम्मेदारी का निर्धारण हो सकेगा। आत्महत्या जैसे गंभीर मामले में तहरीर में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण है।

शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज, जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

मामले में करण कुमार की शिकायत पर शहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिकायत में सन्नी वर्मा, उसकी पत्नी, निखिल रुस्तम, सागर और निशांत समेत अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

राजकीय संप्रेक्षण गृह का सचिव डॉ. सत्येंद्र चौधरी ने किया औचक निरीक्षण, किशोरों से व्यवस्थाओं का लिया फीडबैक

भोजन की गुणवत्ता और संबंधित प्रकरणों की जानकारी ली, निरुद्ध किशोरों से समस्याओं के बारे में की बातचीत

मुजफ्फरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येंद्र चौधरी ने राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर संस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था में निरुद्ध किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही भोजन व्यवस्था, उनके संबंधित प्रकरणों तथा संस्था में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही किशोरों से बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है।निरीक्षण के दौरान सचिव डॉ. सत्येंद्र चौधरी ने संस्था में निरुद्ध किशोरों की स्थिति और उनकी आवश्यकताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किशोरों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। निरीक्षण का उद्देश्य संस्था में रह रहे किशोरों की स्थिति, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त करना रहा।



भोजन व्यवस्था और संबंधित प्रकरणों की ली जानकारी

राजकीय संप्रेक्षण गृह के निरीक्षण के दौरान भोजन व्यवस्था पर जानकारी ली गई। इसके साथ ही संस्था में निरुद्ध किशोरों के संबंधित प्रकरणों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। किशोरों से बातचीत के दौरान यह जानने का प्रयास किया गया कि उन्हें रहने, भोजन अथवा अन्य व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की समस्या का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव का यह निरीक्षण किशोरों को उपलब्ध सुविधाओं और उनकी समस्याओं की जानकारी लेने के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। संस्था में निरुद्ध किशोरों के साथ संवेदनशीलता से व्यवहार करने और उनकी आवश्यकताओं पर ध्यान देने की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की गई।

संस्था के कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी रहे मौजूद

औचक निरीक्षण के दौरान संस्था के कर्मचारी प्रदीप कुमार और सुरजीत कुमार सहित सभी सुरक्षाकर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान संस्था से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किए गए इस निरीक्षण के माध्यम से राजकीय संप्रेक्षण गृह में निरुद्ध किशोरों की स्थिति, भोजन व्यवस्था और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन राजनीति में नई गोलबंदी की तैयारी, नेशनल भीम आर्मी का आजाद समाज पार्टी को समर्थन देने का ऐलान

लोकेश कटारिया बोले-26 नवंबर को लखनऊ की संकल्प महारैली में संगठन के विलय की घोषणा को देंगे मूर्त रूप, चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व को मजबूत करने का संकल्प; बहुजन संगठनों से मतभेद भुलाकर एक मंच पर आने की अपील

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन राजनीति में नए समीकरण बनाने की कवायद तेज होती नजर आ रही है। नेशनल भीम आर्मी (बहुजन एकता मिशन) ने आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने और एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में राजनीतिक संघर्ष को आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। संगठन के चीफ लोकेश कटारिया ने घोषणा की कि आगामी 26 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर पार्क में आयोजित होने वाली संकल्प महारैली के दौरान नेशनल भीम आर्मी का भीम आर्मी भारत एकता मिशन में विलय करने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। उन्होंने बहुजन समाज के विभिन्न संगठनों से आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले समय में संगठन की देशभर की टीम आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। सोमवार को मुजफ्फरनगर के मीडिया सेंटर पर नेशनल भीम आर्मी के चीफ लोकेश कटारिया ने दर्जनों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ



प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने संगठन की आगामी रणनीति, बहुजन एकता की जरूरत और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक भागीदारी मजबूत करने के उद्देश्य पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने 26 नवंबर को लखनऊ में होने वाली संकल्प महारैली को बहुजन समाज की एकजुटता प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया और कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

26 नवंबर की संकल्प महारैली में विलय का ऐलान

लोकेश कटारिया ने कहा कि नेशनल भीम आर्मी का उद्देश्य बहुजन समाज की राजनीतिक और सामाजिक ताकत को मजबूत करना है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न संगठनों के बीच मौजूद मतभेदों को पीछे छोड़कर साझा उद्देश्यों के लिए मिलकर काम किया जाए। उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर पार्क में आयोजित संकल्प महारैली के दौरान संगठन के विलय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन अब व्यापक स्तर पर आजाद समाज पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए काम करेगा। उनके मुताबिक, बहुजन समाज के लोगों को अपने अधिकारों, प्रतिनिधित्व और राजनीतिक भागीदारी के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में राजनीतिक संघर्ष को मजबूत करने की बात कही।

कटारिया ने कार्यकताओं से अपील की कि वे संकल्प महारैली में भाग लेकर बहुजन एकता का संदेश दें। उन्होंने कहा कि संगठन की ताकत केवल पदाधिकारियों और सदस्यों की संख्या से नहीं, बल्कि साझा विचारधारा, आपसी विश्वास और समाज के हित में किए जाने वाले प्रयासों से बढ़ती है। प्रेस वार्ता में लोकेश कटारिया ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने आजाद समाज पार्टी को चुनाव में मजबूत स्थिति में लाने और सत्ता तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बेहतर नेतृत्व, बदलाव और आम लोगों की समस्याओं को समझने वाली राजनीति की अपेक्षा करती है। उनके अनुसार, जनता के बीच रहकर उनके दुख-दर्द को समझने और उनकी समस्याओं को उठाने वाला नेतृत्व ही लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर सकता है। कटारिया ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियों में भी बदलाव आता है। उन्होंने बहुजन समाज के विभिन्न संगठनों से अपील की कि वे व्यक्तिगत मतभेदों और आपसी खींचतान से ऊपर उठकर साझा राजनीतिक उद्देश्य के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा कि संगठन आने वाले समय में प्रदेश के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों में भी आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने के लिए अपनी भूमिका निभाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान लोकेश कटारिया ने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के राजनीतिक सफर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मायावती ने संघर्ष के दम पर चार बार उत्तर प्रदेश की सत्ता तक पहुंचकर बहुजन समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाया। कटारिया ने उम्मीद जताई कि बहुजन समाज के विभिन्न राजनीतिक संगठन सम्मानजनक तरीके से एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय और साझा रणनीति के माध्यम से समाज की राजनीतिक भागीदारी को और मजबूत किया जा सकता है।

मुज़फ़्फ़रनगर में मनी महर्षि वाल्मीकि जयंती: गाजावली मंदिर पहुँचे मंत्री कपिल देव, महर्षि के चरणों में किया नमन

गाजावली स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

मुज़फ़्फ़रनगर। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गाजावली स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पहुँचकर भगवान वाल्मीकि के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आरती के उपरांत प्रसाद ग्रहण किया।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों और शिक्षाओं का स्मरण

मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन, उनके उच्च विचारों तथा पावन शिक्षाओं को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी द्वारा दिखाए गए मार्ग



पर चलकर ही समाज में समरसता, आपसी सद्भाव एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

सत्य, सदाचार और मानवता के पथ पर चलने का संदेश

मंत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी की अमर शिक्षाएँ हम सभी को सदैव सत्य, सदाचार और मानवता के मार्ग पर अग्रसर होने की निरंतर प्रेरणा देती रहेंगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से महर्षि वाल्मीकि के बताए आदर्शों को अपने जीवन में उतारने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने मंत्री जी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुजफ्फरनगर लेडीज क्लब के दीपावली मेले में उमड़ा उत्साह, आकर्षक उपहारों और लकी ड्रॉ ने बांधा समां

महिला सदस्यों ने दीपोत्सव को बनाया खास, मेले में जमकर हुई खरीदारी; हर घंटे लकी ड्रॉ और बंपर पुरस्कार रहे आकर्षण का केंद्र

मुजफ्फरनगर। दीपावली के उल्लास, खुशियों और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर लेडीज क्लब की ओर से भव्य दीपावली सेलिब्रेशन एवं मेले का आयोजन किया गया। महिला लेडीज क्लब लॉन में आयोजित इस मेले में उत्सव का रंग देखने को मिला। आकर्षक स्टॉल, खरीदारी, उपहारों और मनोरंजक गतिविधियों ने कार्यक्रम को खास बना दिया। मेले में शामिल सदस्यों और आगंतुकों ने दीपावली के त्योहार का भरपूर आनंद लिया और उत्साह के साथ खरीदारी की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ममता अग्रवाल एवं डॉ. वैशाली विशाल सिंघल रहीं। आयोजकों की ओर से मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर रेखा अरोरा की ओर से बेक स्टूडियो तथा करिश्मा की ओर से ब्राइड्स ऑफ करिश्मा के माध्यम से मुख्य अतिथियों को उपहार भेंट किए



गए। दोनों की ओर से क्लब की अन्य सदस्यों को भी उपहार प्रदान किए गए। उपहार वितरण ने कार्यक्रम में उत्साह और खुशियों का माहौल बना दिया। दीपावली मेले का प्रमुख आकर्षण हर घंटे आयोजित होने वाले लकी ड्रॉ रहे। लकी ड्रॉ में शामिल होने को लेकर सदस्यों और आगंतुकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। प्रत्येक ड्रॉ के साथ कार्यक्रम में रोमांच बना रहा। मेले के समापन पर बंपर पुरस्कार भी निकाले गए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब पसंद किया। पुरस्कारों और उपहारों की इस श्रृंखला ने दीपावली के जश्न को और भी यादगार बना दिया। मेले में लोगों को खरीदारी के साथ मनोरंजन और आपसी मेलजोल का अवसर मिला। दीपावली के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्सवपूर्ण माहौल रहा। आगंतुकों ने मेले में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं को देखा और अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी की। महिलाओं की भागीदारी और लोगों के उत्साह से आयोजन जीवंत नजर आया। मेले को लेकर उपस्थित लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की और आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुजफ्फरनगर लेडीज क्लब की पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। क्लब की अध्यक्ष रीना अग्रवाल, सचिव डॉ. रिंकू एस. गोयल, कोषाध्यक्ष मोनिका गोयल, उपाध्यक्ष मंजरी कुमार तथा सह-सचिव रेनू अग्रवाल ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों, अतिथियों, सदस्यों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। क्लब की ओर से आयोजित इस दीपावली मेले ने त्योहार की खुशियों को साझा करने, महिलाओं को एक साथ आने और आपसी संबंधों को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। उत्साह, खरीदारी, लकी ड्रॉ और आकर्षक पुरस्कारों के साथ यह आयोजन दीपावली के उल्लास से सराबोर रहा।

चरथावल पुलिस ने 12 घंटे में किया बाइक चोरी की घटना का खुलासा, हिस्ट्रीशीटर समेत दो गिरफ्तार

दधेडू पुल बाईपास के पास से पकड़े गए दोनों आरोपी, चोरी की स्प्लेंडर बाइक, दो तमंचे और दो जिंदा कारतूस बरामद; चोरी की बाइक बेचने की फिराक में थे आरोपी

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना पुलिस ने बाइक चोरी की एक घटना का महज 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ दो तमंचे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है, जिसके खिलाफ चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत भी मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, चरथावल थाना क्षेत्र के गांव दधेडू कलां निवासी शादाब पुत्र शेरअली ने 24 अक्टूबर को अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर यूपी-



12-एएस-8905 है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और चोरी की गई मोटरसाइकिल की तलाश में जुट गई।

मुखबिर की सूचना पर बाईपास के पास दबिश, दोनों आरोपी गिरफ्तार

मोटरसाइकिल चोरी की घटना के खुलासे के लिए जुटी चरथावल पुलिस को मुखबिर के माध्यम से आरोपियों के संबंध में सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस टीम ने दधेडू पुल बाईपास के पास घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनिश और समीर उर्फ ओसामा निवासी खालापार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शादाब की चोरी हुई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर ली। तलाशी के दौरान उनके पास से दो तमंचे और दो जिंदा कारतूस भी मिले। बाइक बरामद होने और दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले में आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

पूछताछ में बाइक चोरी कर बेचने की बात कबूली

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने मोटरसाइकिल चोरी करने और उसे बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस अब उनके आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दोनों आरोपी किसी अन्य वाहन चोरी की घटना में भी शामिल रहे हैं या नहीं।

समीर उर्फ ओसामा हिस्ट्रीशीटर, कई मुकदमे दर्ज

गिरफ्तार आरोपियों में शामिल समीर उर्फ ओसामा को पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर बताया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरे आरोपी मोनिश के खिलाफ भी आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं।

मोरना के चौरावाला में प्लॉट विवाद: महिलाओं के दो गुटों में मारपीट, आधा दर्जन महिलाओं का शांति भंग में चालान

ककरौली थाना क्षेत्र के गाँव में दो पक्षों के बीच जमकर गाली-गलौज और मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस

मोरना (मुजफ्फरनगर)। ककरौली थाना क्षेत्र के गाँव चौरावाला में सोमवार को प्लॉट के मालिकाना हक को लेकर दो पक्षों की महिलाएँ आमने-सामने आ गईं। देखते ही देखते दोनों पक्षों में तीखी बहस के बाद जमकर गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए आधा दर्जन महिलाओं का शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया। प्लॉट को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

जानकारी के अनुसार, चौरावाला गाँव में एक प्लॉट के विवाद को लेकर काफी समय से तनाव चल रहा था। सोमवार को इसी मुद्दे पर दोनों पक्षों की महिलाएँ एकत्र हो गईं और कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से महिलाएँ आपस में भिड़



गईं और जमकर लात-घूँसे व गाली-गलौज चले। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ मारपीट का वीडियो

घटना के दौरान मौके पर मौजूद किसी ग्रामीण ने इस पूरी झड़प का अपने मोबाइल में वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो देखते ही देखते क्षेत्र में तेजी से प्रसारित हो गया, जिससे गाँव में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर हड़कंप मच गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 6 महिलाएँ नामजद

मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी (सीओ) राधा रमण सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो का तुरंत संज्ञान लिया गया और पुलिस टीम को मौके पर भेजकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अंजलि, रितु, सुंदरी, नीतू, ज्योति और गुड्डी का शांति भंग (धारा 151/107/116) में चालान कर न्यायालय भेजा है। क्षेत्राधिकारी ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुजफ्फरनगर में जिला होम्योपैथिक अधिकारी पर 15 हजार रुपये वसूली का आरोप, कथित रिश्वत का फुटेज आने से मामला गरमाया

निकुंज मेडिसिन हब के संचालक सुधीर यादव ने लगाए डराने-धमकाने के आरोप, केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान ने निष्पक्ष जांच, एफआईआर और संपत्ति की जांच कराने की मांग उठाई

मुजफ्फरनगर। जिले में जिला होम्योपैथिक अधिकारी अक्षय कात्यान को लेकर कथित रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। निकुंज मेडिसिन हब के संचालक सुधीर यादव ने अधिकारी पर मेडिकल स्टोर पर पहुंचकर डराने-धमकाने और जेल भेजने की धमकी देकर 15 हजार रुपये जबरन वसूलने का आरोप लगाया है। वहीं, जिला होम्योपैथिक अधिकारी से जुड़ा रुपये लेने का कथित फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। हालांकि, फुटेज की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रही घटना की परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। मामले को लेकर मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने प्रशासन और प्रदेश सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष



जांच कराने, आरोप सही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने तथा उनकी संपत्ति की जांच कराने की मांग उठाई है। निकुंज मेडिसिन हब के स्वामी सुधीर यादव के अनुसार, जिला होम्योपैथिक अधिकारी अक्षय कात्यान उनके मेडिकल स्टोर पर पहुंचे थे। सुधीर यादव का आरोप है कि इस दौरान उन्हें डराया-धमकाया गया और जेल भेजने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि दबाव बनाकर उनसे 15 हजार रुपये ले लिए गए। सुधीर यादव ने इस मामले को गंभीर बताते हुए संबंधित पक्ष के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अपनी शिकायत को लेकर मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से भी संपर्क किया। शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस संबंध में अधिकारी का पक्ष और घटना से जुड़े अन्य तथ्य सामने आना भी महत्वपूर्ण होगा। जिला होम्योपैथिक अधिकारी से संबंधित रुपये लेने का कथित फुटेज सामने आने के बाद प्रकरण चर्चा में है। इस फुटेज को लेकर रिश्वत लेने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, केवल फुटेज सामने आने से यह साबित नहीं होता कि रकम रिश्वत के रूप में ही ली गई थी। इसकी सत्यता, घटनास्थल, समय और रुपये के लेन-देन की परिस्थितियों की जांच आवश्यक है। यदि जांच में किसी अधिकारी द्वारा पद का दुरुपयोग कर अवैध रूप से धन लेने की पुष्टि होती है, तो संबंधित नियमों और कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोपों और कथित फुटेज की निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग की जा रही है। मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने प्रकरण को गंभीर बताते हुए प्रशासन और प्रदेश सरकार से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और यदि संबंधित अधिकारी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

संपादकीय

सैटेलाइट इंटरनेट की राह में मंजूरी की बाधा, कब दूर होगी नीतिगत असंगति?

भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं को मंजूरी पर हाल ही में विभिन्न पक्षों के बीच हुई खुलेआम तकरार एक व्यवस्थागत समस्या की ओर इशारा करती है। इस विवाद की शुरुआत टेक्सस की कंपनी स्पेसएक्स और टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ईलॉन मस्क के बयान से हुई। उन्होंने भारत में अपने संभावित प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए उन्हें 'एकाधिकारवादी कारोबारी' कहा और प्रतिस्पर्द्धा को दबाने का आरोप लगाया।

मस्क ने विशेष रूप से संकेत दिया कि स्टारलिंक को सुरक्षा मंजूरी में देरी कराने में रिलायंस इंडस्ट्रीज की भूमिका हो सकती है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी है, जिसे स्पेसएक्स चलाती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रतिस्पर्द्धा का स्वागत करती है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसकी अपनी सेवा जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस भी सुरक्षा मंजूरी का इंतजार कर रही है।

भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल भी इस जुबानी जंग में शामिल हो गए और कहा कि भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा शुरू करने के लिए उनकी कंपनी सबसे लंबे समय से कतार में है। केंद्र सरकार की ओर से संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार नहीं होने देता।

भारती एंटरप्राइजेज के समर्थन वाली यूटेलसैट वनवेब, स्टारलिंक और जियो सैटेलाइट में से हर किसी को भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा चलाने का लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन सरकार से सुरक्षा मंजूरी मिले बिना वे व्यावसायिक रूप से अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर सकतीं। बताया जाता है कि यूटेलसैट वनवेब को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) का लाइसेंस 2021 में ही मिल गया था।

जियो सैटेलाइट को 2022 में यह लाइसेंस मिला और स्टारलिंक को 2025 में यह लाइसेंस हासिल हुआ। जरूरी लाइसेंस मिलने के बाद भी यदि कंपनियां व्यावसायिक कामकाज शुरू नहीं कर सकतीं तो यह चिंता की और उन्हें कुंठा में डालने वाली बात है। लाइसेंस देने और फिर सुरक्षा मंजूरी के लिए वर्षों इंतजार कराने से पता चलता है कि नियामकीय व्यवस्था कितनी प्रतिकूल है। तब यह ज्यादा चिंताजनक है, जब सरकार सुधार की गति तेज करना, कारोबार को सुगम बनाना और विदेशी निवेश की आवक बढ़ाना चाहती हो। सैटेलाइट संचार के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी है कि सरकारी विभाग और एजेंसियां अलग-अलग काम

नई परम्परा जिसकी भीड़ उसकी भैंस

(रघु ठाकुर)

इन दिनों समाचार पत्रों को पढ़ना एक पीड़ादायक काम हो गया है। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता है कि प्रदेश व देश में मुख्य पृष्ठ पर ऐसी घटनायें न छपती हों, जो मन को व्यथित और शासन प्रशासन की अक्षमता को सिद्ध न करती हो। अभी कुछ दिनों पूर्व आरटीओ के छोटे से सिपाही या कर्मचारी की कार से लाखों रुपये का सोना और नगदी पकड़ी गई। बाद में खबर यह आई कि उसके पास अपार संपदा है, उन्हें गिरफ्तार किया गया, परंतु वे जेल में उन सब सुविधाओं के साथ रहेंगे जैसे वे कोई शासकीय मेहमान हों। इस प्रकार भ्रष्टाचार से कमाये करोड़ों रुपये की संपत्ति के जब्त होने की खबरें आये दिन मीडिया में पढ़ने और सुनने को मिल जाती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज इतना सहनशील और सहभागी बन चुका है कि ये खबरें किसी को उत्तेजित नहीं करती, बल्कि ऐसा लगता है कि अब भारी भ्रष्टाचार के समाचार लोगों को अपवाद छोड़कर उत्साहित और प्रेरित करते है। न केवल मप्र में बल्कि देश में सड़कों की स्थिति के पीछे भ्रष्टाचार की कहानी नजर आती है। यहां तक कि बड़े-बड़े नेशनल हाईवे जो खरबों रुपये से बने हैं, उनके बनने के कुछ ही माह में वे उखड़ गये। दिल्ली से उत्तराखंड जाने वाले राजमार्ग में तो पहली ही बारिश में बड़े-बड़े गडढे हो गये। क्या उखड़ते राजमार्ग भ्रष्टाचार की कहानी नहीं कहते? पिछले वर्षों में देश में अनेकों पुलों के गिरने के समाचार आये, जो अरबों रुपयों से बने थे और बनने के कुछ ही समय बाद गिर गये या बह गये तो देश में भ्रष्टाचार की असलियत सामने आयेगी।

6 अक्टूबर 2026 के भास्कर अखबार में खबर छपी है कि राजधानी के पास बच्चियों के स्कूल में टॉयलेट नहीं है, जबकि कई करोड़ रुपया स्वीकृति हो गया है। ग्वालियर में कुत्तों के परिवार नियोजन के नाम पर पैसा निकाल लिया गया। उनके ऑपरेशन के नाम पर जिन पशु चिकित्सकों का नाम दिया गया था वे न वहां पदस्थ थे, न उन्होंने एक भी कुत्ते का नियोजन किया था। परंतु ये सब भ्रष्टाचार की खबरें लोगों के मनों को नहीं हिलाती। ऐसा लगने लगा है कि लगभग हर व्यक्ति भ्रष्टाचार की तलाश में है और नये-नये मार्ग खोज रहा है।

अपराधों की स्थिति भी ऐसी है कि प्रतिदिन देश के हर कोने में हत्या, डकैती, बलात्कार की खबरें छपती हैं। दो चार दिन मीडिया में यह खबरें रहती हैं, तब तक कोई नई घटना घट जाती है तो पुरानी घटना लोग भूल जाते हैं। मप्र के धार में एक पटाखा फैक्ट्री जो घर के अंदर चल रही थी, विस्फोट हुआ, मजदूर मारे गये। फैक्ट्री को चलाने वाले सत्तापक्ष के नेता थे और इसलिये कुछ दिनों बाद सब शांत हो गया। ऐसी ही घटना उसके बाद हरदा में हुई तथा भोपाल-इंदौर मार्ग पर हुई परंतु भ्रष्टाचार का पेट सुरक्षा के मुख से भी बड़ा है, जो हर अपराध को निगल लेता और पचा लेता है। कितने ही स्कूलों की छतें गिरती हैं, छोटे-छोटे बच्चे दबकर मर जाते हैं। कुछ दिन राजनैतिक विलाप चलता है। सत्ता पक्ष कमेटी या आयोग गठित कर देता है। सख्त कार्यवाही की जायेगी, किसी को बख्शा नहीं जायेगा, ऐसे जुमलों के साथ समय निकल जाता है। प्रतिपक्ष के नेता घटनास्थल पर जाने की तीर्थ यात्रा करते हैं। मृतकों या परिजनों के साथ फोटो खिंचवाते हैं और एक जुमला कहकर कि हम और हमारी पार्टी पीड़ितों के साथ है, अपनी इतिश्री मान लेते हैं। अगर इस पर कोई शोध हो कि देशभर में आजादी के बाद से कितनी ऐसी घटना घटित हुई और है जो कमेटियां बनाई गई है, उनकी रपट, उनकी सिफारिशें आज कहां दबी है, कितने अपराधी गिरफ्तार हुये हैं, तो इससे भयावह त्रासदी की असलियत को जाना जा सकता है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की सड़कों पर और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये, परंतु स्थिति जस की तस है। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि की सीमा बांधने का उपदेश दिया, इसके बावजूद स्पीकरों की आवाज और बढ़ गयी। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के दिन पटाखों पर रोक लगाई, अन्य वर्षों की तुलना में अधिक पटाखे चले। पिछले दिनों रहवासी इलाकों में यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले रहवासियों ने दस्तावेज पेश किये परंतु सुप्रीम कोर्ट मौन रहा।

देश के न्याय पालिका की भूमिका ऐसा लगता है कि सरकार को बचाने और आम लोगों में एक झूठा विश्वास जगाने का जरिया बन गई। जब कोई बड़ी घटना घटती है जो मीडिया में चर्चित होती है तो उसके बाद कोई न्यायपालिका में याचिका दायर हो जाती है। कभी न्यायपालिका संज्ञान लेती है। कुछ माह सुनवाई होती है। उनकी गैर हाजिरी पर नोटिस वारंट जारी होते हैं, उन्हें कुछ कहकर यथावत बहाल कर दिया जाता है और फैसले के नाम पर लंबी चौड़ी गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसके बाद शायद ही कोई अफसर उसे पढ़ता हो, वकील पढ़ते हो, पत्रकार पढ़ते हो और जनता भी कभी याद नहीं करती। गाइडलाइन भविष्य के लिये बनती है और घटना के अपराधी छूट जाते हैं। न्यायपालिका की इन गाइडलाइनों पर शायद ही कभी कोई अमल हुआ हो। इतना अवश्य होता है कि जब फिर कोई वैसी ही दूसरी घटना घटती है, तो न्यायपालिका को याद आती है। नौकरशाही उस गाइडलाइन की चर्चा करने लगती है।

बड़े-बड़े मगरमच्छ जो समूची व्यवस्था को निगल रहे हैं, दोष मुक्त हो जाते हैं और तंत्र की कोई छोटी मोटी मछली को गुनाहगार बताकर कुछ दंड या चेतावनी देकर कथा समाप्त हो जाती है। एक महत्वपूर्ण सवाल है कि न्यायपालिका, गाइडलाइन, आयोग, कमेटी या फिर मीडिया के माध्यम से मीडिया में छपने वाली टिप्पणियां क्यों करती है, क्या न्यायपालिका नहीं जानती कि टिप्पणियों का कोई वैधानिक अर्थ नहीं है। जो अधिकारी सरकार के इशारे पर अपराध करते हैं और कराते हैं वे सरकार की नैय्या के खेबनहार और आँख के बाल बन जाते हैं। अपराध करने और कराने के लिये और फिर सरकार और तंत्र को बचाने के लिये उन्हें पदोन्नति मिलती है मलाईदार पद स्थान मिलता है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पुनः नियुक्ति मिलती है, उनके बच्चों को बड़े-बड़े स्थान मिलते हैं। अब तो हालात यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के एक पद पाने के लिये न्यायिक और न्याय संस्था के दायित्व के सम्मान को भुलाकर सत्ता पक्ष के बचाव के लिये वह कवच बन जाते हैं।

कितनी ही बड़ी घटना हो, प्रशासनिक असफलता हो, अब उसका दायित्व और जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। आजादी के बाद दो तीन दशकों तक कम से कम इतनी शर्म तो थी कि केन्द्रीय मंत्री अपनी असफलता के लिये जिम्मेदारी स्वीकार करते थे और अपने मंत्री पद से त्याग पत्र दे देते थे, हालांकि यह त्याग पत्र देने की परंपरा एक प्रकार से नाटकीय राजनीति है । एक रेल दुर्घटना को लेकर स्व. लालबहादुर शास्त्री ने रेलमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, वीपी सिंह ने उप्र के मुख्यमंत्री रहते डाकूओं के द्वारा उनके भाई की हत्या के बाद यह कहकर इस्तीफा दिया कि मैं अपना दायित्व पूरा नहीं कर सका, परंतु कुछ दिन बाद स्व. लालबहादुर शास्त्री, प्रधानमंत्री बने और वीपी सिंह केंद्रीय मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बने। अब यह प्रश्न तो उठता ही है कि यह कैसी नैतिकता है। आपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया तो आपका प्रधानमंत्री बनना कैसे उचित सिद्ध होगा? परंतु भारत का मीडिया तो और भी महान है, उन्होंने स्व. शास्त्री जी और वीपी सिंह के इस्तीफा देने की नैतिकता को आदर्श बताकर प्रचारित किया। परंतु छोटे पद की असफलता के बाद बड़े पद की योग्यता कैसे हासिल की जाती है, यह समझ के परे है। और अब यह नैतिक परंपरा तो पिछले लगभग चार पांच दशकों से समाप्त हो चुकी है। स्व. अटल जी के प्रधानमंत्री काल में संसद पर हमला हुआ था परंतु उन्होंने उस हमले को पद त्यागने का नैतिक आधार नहीं माना। श्री जॉर्ज फर्नांडीज रक्षामंत्री थे, उन पर आरोप लगे, उन्होंने इस्तीफा दिया था और रपट आने के पहले ही पुनः रक्षामंत्री बने गये। यानि नैतिकता को एक नये ढंग से परिभाषित कर दिया कि अगर रपट देर से आयेगी तो पुनः मंत्री बन सकते हैं। जिस प्रकार आजकल सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के बाद यह परंपरा बनी कि अगर 3 माह में अपराधी के खिलाफ जांच पूरी कर चालान पेश नहीं होता है तो उसे जमानत दे दी जायेगी। अगर एक निर्धारित अवधि के बाद किसी अधिकारी को चार्जशीट नहीं दी जाती है तो उसका निलंबन स्वयं समाप्त हो जायेगा। अब किसी मंत्री, राजनेता, अधिकारी को कोई सफाई नहीं देना है, बस केवल इतना ही प्रबंधन करना है कि जांच की रपट या चार्जशीट या चालान निलंबित हो जाये। और फिर बहाली के बाद कौन याद रखता है, कौन पूछता है।

संविधान की मूल भावना है उत्तरदायी व्यवस्था की उत्तरदायी शासन की जो जनता के प्रति उत्तरदायी हो, उत्तरदायी शासन जो संसद और विधानसभा के लिये उत्तरदायी हो। परंतु विधायिका न्यायपालिका ने आपको संवैधानिक उत्तरदायित्व से मुक्त कर लिया है, एक प्रकार की अराजकता की स्थिति बन चुकी है। अपराधों के लिये जाति आधार पर देखा जा रहा है। अगर एक अपराधी आदिवासी के ऊपर शराब पीकर पेशाब करता है, तो सरकार उसे अपराध कहती है और सारे देश की उसकी बिरादरी उसे जाति अन्याय बताती है। उसके मकान को बनाने देशभर से लोग समर्थन देने पहुंचते हैं। गरीब या अशिक्षित आदिवासी न तो प्रतिकार कर पाता है, न बोल पाता है। ऐसी कितनी ही जाति श्रेष्ठता की अपराधिक घटनायें देश में रोज घट रही हैं। बहुत सारी घटनाओं को स्थान अभाव की वजह से मैं नहीं लिख रहा हूँ, मैं उनमें लिप्त अपराधियों को दण्ड मिले ऐसा चाहता हूँ।

आमजन के मन में कानून के प्रति और उसे पालन करने के लिये कोई भाव नहीं बचा। अगर बलात्कार होता है तो उसे बचाने के बजाय मेरा बेटा अपराधी है, उसे दंड दिया जाये, यह कहने वाले कोई माता-पिता नहीं मिलते। सड़कों पर दिनदहाड़े वाहनों से लोग मार दिये जा रहे हैं न घर में सुरक्षा है, न सड़क पर, न अपराध से सुरक्षा है, न जानवर से। देश एक व्यवस्थाहीन अराजक हालात में तब्दील हो चुका है। मेरी राय में अब देश में उत्तरदायित्व का कानून बनना चाहिये।

1. जितने भी उच्च अधिकारियों व केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकारियों के लिये जो संवैधानिक सुरक्षा दी गयी, उसका उद्देश्य समाप्त हो चुका है। संविधान बनाते समय, सच्चाई से काम करने वाले अधिकारियों पर कोई झूठे आरोप न लगे, इनसे बचाने के लिये संविधान में सुरक्षा का प्रावधान किया गया था। यह सुरक्षा अपराधियों, अपराध और कर्तव्यहीनता को बचाने का माध्यम बन गयी है। इसलिये इसे समाप्त करना चाहिये।
2. हर अधिकारी को कामकाज करने के लिये वैधानिक अवधि और दायित्व कानून से निश्चित हो तथा उसमें चूक होने पर उन्हें बर्खास्त किया जाये। अधिकारियों और कर्मचारियों की चयन प्रक्रिया के समय ही कुल पदों का कुछ प्रतिशत पद चयन कर प्रतीक्षा सूची में रखे जाये ताकि आकस्मिक स्थिति होने पर उनसे काम लिया जा सके।
3. अब एक ऐसा समाज और व्यवस्था बन रही है कि उसमें भीड़ ही पुलिस है और भीड़ ही न्यायपालिका। अगर समूह है, भीड़ ज्यादा है तो सरकारें उसके समक्ष उनकी गलत बातें मानने को तैयार है। अगर भीड़ नहीं है तो सच बात भी मानने को तैयार नहीं है। इससे देश में एक भीड़ तंत्र की मानसिकता तैयार हो गयी है।

पहले कहा जाता था कि जिसकी (लाठी उसकी भैंस्य, अब कहावत है जिसकी भीड़-उसकी भैंस।) सरकारों और प्रशासन को अपनी इस परंपरा को बदलना चाहिये तथा सत्य को सुने, असत्य को नकारें, की पद्धति अपनानी चाहिये। मतदाताओं को भी विचार करना चाहिये कि बजाय छोटी-मोटी सुविधाओं पर वोट देने के न्याय आधारित शासन को वोट देना चाहिए। ऐसे प्रतिनिधि चुने जो निर्भय हो, निर्विवाद हो।

मैं अंत में देश को सावधान करना चाहूंगा कि जनमत ने अपने दायित्व को समझकर उसका निर्वहन नहीं किया तो देश का यह लोकतांत्रिक ढांचा भर-भराकर ढह जायेगा, और तानाशाही आयेगी।

कोई जन्म से महान नहीं होता, कर्म उसे महान बनाते हैं



वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

मनुष्य के जन्म पर उसका कोई अधिकार नहीं होता। वह किस परिवार में जन्म लेगा, उसका सामाजिक परिवेश कैसा होगा और जीवन की शुरुआत किन परिस्थितियों में होगी, यह उसके हाथ में नहीं होता। लेकिन वह अपने जीवन को किस दिशा में ले जाएगा, अपने विचारों को कितना ऊँचा उठाएगा और अपने कर्मों से समाज को क्या देगा, यह बहुत हद तक उसके प्रयासों पर निर्भर करता है। शायद यही कारण है कि इतिहास में कुछ लोग अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से पहचाने जाते हैं। महर्षि वाल्मीकि का जीवन इसी विचार का एक प्रेरक उदाहरण है। महर्षि वाल्मीकि का स्मरण करते समय हमारे सामने केवल रामायण के रचयिता की छवि नहीं आती, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व की छवि भी उभरती है, जो भारतीय परंपरा में आत्मपरिवर्तन, तपस्या और सृजन का प्रतीक बन गया। उनकी जीवनकथा से जुड़ी प्रचलित मान्यता में रत्नाकर के डाकू से महर्षि बनने का प्रसंग मिलता है। इस कथा का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि मनुष्य का अतीत चाहे जैसा रहा हो, उसके भीतर परिवर्तन की संभावना समाप्त नहीं होती। जब व्यक्ति अपने जीवन पर विचार करता है, अपनी गलतियों को पहचानता है और सही दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लेता है, तो उसका भविष्य बदल सकता है। आज के समाज में इस संदेश की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। हम अक्सर किसी व्यक्ति को उसके नाम, परिवार, जाति, आर्थिक स्थिति, पेशे या पुराने परिचय के आधार पर परख लेते हैं। किसी की गरीबी देखकर उसकी क्षमताओं को कम आँकते हैं, किसी की सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण उसके गुणों को अनदेखा कर देते हैं और किसी की पुरानी गलती को उसकी स्थायी पहचान बना देते हैं। हम भूल जाते हैं कि मनुष्य केवल वह नहीं है, जो वह कल था; वह वह भी है, जो आज बनने का प्रयास कर रहा है।

किसी मजदूर के हाथों में मेहनत की लकीरें हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसके सपने छोटे हैं। किसी गरीब परिवार में जन्म लेने वाला बच्चा भी बड़ा वैज्ञानिक, शिक्षक, साहित्यकार या समाजसेवी बन सकता है। किसी व्यक्ति से अतीत में गलती हुई है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसे सुधरने का अवसर ही न दिया जाए। समाज यदि हर व्यक्ति को उसके अतीत के आधार पर ही निर्णय सुनाता रहेगा, तो परिवर्तन के रास्ते बंद हो जाएंगे। सुधार का अवसर देना कमजोरी नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और सभ्य समाज की पहचान है।

महर्षि वाल्मीकि की साहित्यिक विरासत भी हमें यही समझने का अवसर देती है कि शब्द केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते। वे समाज की सोच को दिशा दे सकते हैं, मनुष्य के भीतर करुणा जगा सकते हैं और जीवन के कठिन प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। रामायण के माध्यम से उन्होंने भारतीय साहित्य और संस्कृति को ऐसी विरासत दी, जिसका प्रभाव पीढ़ियों तक बना रहा। यह सृजन किसी व्यक्ति को उसकी सामाजिक पहचान से आगे ले जाकर उसके विचारों और योगदान की महत्ता को सामने रखता है। हालाँकि, कर्म की महानता का अर्थ केवल प्रसिद्धि प्राप्त करना या इतिहास में नाम दर्ज कराना नहीं है। हर व्यक्ति के पास महान कार्य करने का अवसर अपने तरीके से होता है। भूखे को भोजन देना, निराश व्यक्ति को हिम्मत देना, किसी जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा में सहायता करना, अपने काम को ईमानदारी से करना और किसी कमजोर व्यक्ति के सम्मान की रक्षा करना भी ऐसे कर्म हैं, जो समाज को बेहतर बनाते हैं। महानता हमेशा मंचों और पुरस्कारों पर दिखाई नहीं देती; कई बार वह किसी अनजान व्यक्ति की निस्वार्थ सहायता में छिपी होती है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ केवल उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करना या उनके जीवन की प्रशंसा करना नहीं है। इसका अर्थ उनके जीवन से मिलने वाली प्रेरणा को अपने व्यवहार में उतारना भी है। यदि हम किसी व्यक्ति को उसके जन्म के कारण छोटा समझते हैं, उसकी गलतियों के कारण उसे हमेशा के लिए नकार देते हैं या किसी जरूरतमंद को आगे बढ़ने का अवसर नहीं देते, तो हमें अपने विचारों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

सऊदी अरब में हूतियों के हमले और इस्लामिक नाटो की स्वार्थपूर्ण नीति

एमबीएस ने सोचा था कि सऊदी अरब को सिर्फ तेल से नहीं बल्कि टूरिज्म, मनोरंजन, नए शहरों और विदेशी निवेश से आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए उन्होंने देश को सुरक्षित, आधुनिक और खुला दिखाने पर पूरा ज़ोर लगाया था। एयरपोर्ट्स को दुनिया से जोड़ने वाले गेटवे बनाया, बड़े सम्मेलन बुलाए, निवेशकों को बुलाया लेकिन अब रियाद और दम्माम जैसे एयरपोर्ट बार-बार निशाने पर आ रहे हैं, फ्लाइटें रद्द हो रही हैं, लोग डरे हुए हैं। जब राजधानी में मिसाइलें गिरें और विदेशियों की जान जाए तो निवेशक और टूरिस्ट कैसे आएंगे? वो चमक जो उन्होंने बनाई थी, अब धुंधली पड़ रही है।

रामस्वरूप रावतसरे

सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के ग्रह नक्षत्र ख़राब ही चल रहे हैं। इजरायल ने बुलाया अमेरिका को कि ईरान पर हमला करना है। जंग अमेरिका और ईरान की और क्रॉसफायर में आ गया सऊदी अरब, वो सऊदी अरब जिसके पास तेल की ताकत है। वो सऊदी अरब जो ट्रंप के भरोसे बैठा था कि उसकी रक्षा अमेरिका करेगा और जब लगा कि नहीं कर पा रहा तो तुर्की और पाकिस्तान को ले आया था इस्लामी नाटो जैसे समझौते के नीचे लेकिन यह नाटो भी कुछ काम नहीं आ रहा। यमन के हूती लड़ाकों ने नाकों चने चबवा रखे हैं और वो एक-एक करके प्रिंस के सारे सपने तोड़ते जा रहे हैं।

अब दम्माम के एयरपोर्ट पर हमला हो गया। पहले रियाद के एयरपोर्ट पर हमला हो गया था। उसके तेल के कुओं पर हमले हो रहे हैं। उसकी तेल की रिफाइनरियों पर हमले हो रहे हैं। उसकी तेल की पाइपलाइन पर हमला हो चुका है। पाकिस्तान, तुर्की, अमेरिका कह रहे है हम संभाल लेंगे, लेकिन संभाल कोई नहीं रहा। मोहम्मद बिन सलमान चोट पर चोट खाए जा रहा है। बहुत जतन किए थे प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपनी ताकत मजबूत करने के लिए। 2015 में जब उनके पिता किंग सलमान राजा बने तो उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया। तब से उन्होंने धीरे-धीरे सत्ता अपने हाथ में ली। 2017 में उन्होंने अपने



चचेरे भाई मोहम्मद बिन नायेफ को हटाकर खुद को क्राउन प्रिंस बना लिया। उसी साल रिट्ज-कार्लटन होटल में बड़े-बड़े राजकुमारों और व्यापारियों को गिरफ्तार करके ऐंटी-करप्शन अभियान चलाया। इससे विरोधियों को साफ संदेश गया कि अब उन्हें कोई चुनौती नहीं दे सकता।

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने तेल पर निर्भरता कम करने के लिए बड़े-बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए थे। नीओम नाम का दुनिया का सबसे आधुनिक शहर बनाने जा रहे थे। लाल सागर पर टूरिज्म प्रॉजेक्ट लॉन्च किए ताकि टूरिज्म सिर्फ हज और उमराह वाला ही ना हो। सिनेमाघर खोले, कॉन्सर्ट शुरू किए, महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी और वहां की धार्मिक पुलिस की सख़्ती कम की। जानकारों के अनुसार विदेश नीति में भी उन्होंने कई दांव खेले। पहले तो सारे दांव सही पड़ते गए। 2015 में यमन में हूती लड़ाकों के ख़िलाफ अभियान शुरू किया। कतर के खिलाफ नाकाबंदी लगाई। अमेरिका के साथ, खासकर ट्रंप के समय में, बहुत करीबी रिश्ते बनाए और भारी हथियार खरीदे। 2023 में चीन की मदद से ईरान के साथ भी समझौता कर लिया। इस्लामी देशों का लीडर कौन होगा शिया ईरान या सुन्नी सऊदी अरब, पहले यही तनाव चलता रहता था। वो तनाव कम करने के लिए ईरान के साथ भी समझौता कर लिया था क्योंकि उनको स्थिरता चाहिए थी ताकि उनका विजन 2030 साकार हो। दुनिया भर में बड़े-बड़े निवेश किए। फुटबॉल क्लब खरीदे, गॉल्फ लीग शुरू की और खेलों के ज़रिए देश की छवि बदली।

यही नहीं, मोहम्मद बिन सलमान ने सऊदी अरब को सुरक्षित करने के लिए तुर्की और पाकिस्तान के साथ सिक्योरिटी पैक्ट किया। हूतियों के प्रचंड प्रहार के सामने कथित इस्लामिक नाटो की भी धज्जियां उड़ चुकी हैं। एमबीएस के नाम से प्रिंस दुनिया भर के चहेते होते जा रहे थे लेकिन 2026 में किसी की ऐसी नजर लगी कि सब दांव उल्टे पड़ते चले गए। ईरान अमेरिका युद्ध ने सब बदल दिया है। एमबीएस ने सोचा था कि सऊदी अरब को सिर्फ तेल से नहीं बल्कि टूरिज्म, मनोरंजन, नए शहरों और विदेशी निवेश से आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए उन्होंने देश को सुरक्षित, आधुनिक और खुला दिखाने पर पूरा ज़ोर लगाया था। एयरपोर्ट्स को दुनिया से जोड़ने वाले गेटवे बनाया, बड़े सम्मेलन बुलाए, निवेशकों को बुलाया लेकिन अब रियाद और दम्माम जैसे एयरपोर्ट बार-बार निशाने पर आ रहे हैं, फ्लाइटें रद्द हो रही हैं, लोग डरे हुए हैं। जब राजधानी में मिसाइलें गिरें और विदेशियों की जान जाए तो निवेशक और टूरिस्ट कैसे आएंगे? वो चमक जो उन्होंने बनाई थी, अब धुंधली पड़ रही है।

एमबीएस को उम्मीद थी कि ट्रंप के साथ रिश्ते और हथियारों की खरीद से सऊदी अरब को ईरान और उसके समर्थन वाले गुटों से पूरी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने सोचा था कि अमेरिका आगे खड़ा रहेगा लेकिन जब हूती विद्रोहियों के हमले बढ़े तो अमेरिका ने अपने स्टाफ और उनके परिवारों को सबसे पहले वहां से निकाल लिया। तीसरा दांव यमन में चला था प्रिंस ने कि हूतियों के खिलाफ लंबे समय से चल रही लड़ाई से उनका दक्षिणी बॉर्डर सुरक्षित रहेगा लेकिन सऊदी अरब के ट्रंप के साथ होने से ईरान ने हूती लड़ाकों को मदद और बढ़ा दी। जो बैलेंस एमबीएस बनाने की कोशिश कर रहे थे कि एक तरफ अमेरिका के साथ खड़े रहना और दूसरी तरफ ईरान के साथ शांति बनाए रखना, जब मुख्य लड़ाई छिड़ी तो ये संतुलन टूट गया। अमेरका से हथियार ख़रीदने का दांव भी फ़ेल हो गया। बताया जा रहा है जो सैकड़ों करोड़ों खर्च करके पेट्रियट जैसे एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे अमेरिका से, वो काम नहीं आ पा रहे। ट्रंप अपने चुनावों में बिज़ी हैं। वो इस वक्त सिर्फ जुबानी मदद पहुंचा रहे हैं।

जानकारों की माने तो मोहम्मद बिन सलमान का रक्षा समझौता था तुर्की और पाकिस्तान के साथ लेकिन वो भी काम नहीं आ रहा। पाकिस्तान और तुर्की दोनों सीधे लड़ाई में नहीं उतर रहे। कहने को तो पाकिस्तान समझौते को इस्लामिक नाटो बोल रहा था लेकिन जब लड़ने की बारी आई तो दोनों अपने हित देख रहे हैं। तुर्की ने साफ कह दिया है कि वो आक्रामक लड़ाई में नहीं उतरेगा। उसके विदेश मंत्री ने कह दिया कि तुर्की किसी दूसरे देश की जमीन पर जाकर हमला करने के लिए फौज नहीं भेजेगा। समझौता रक्षा के लिए है, हमले के लिए नहीं।

बाल्मीकि जयंती पर थानाभवन में निकली भव्य शोभायात्रा, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने किया शुभारंभ



थानाभवन। बाल्मीकि जयंती के पावन पर्व पर थानाभवन नगर में भगवान महर्षि बाल्मीकि के सम्मान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने फीता काटकर किया। इस दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला और भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि एक महान महापुरुष और आदिकवि थे। उन्होंने संसार को रामायण जैसा महान ग्रंथ प्रदान किया, जो हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग, सत्य, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और मानवीय मूल्यों का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ भी है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के विचार और आदर्श आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। उनके जीवन से हमें शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति अपने विचारों और कर्मों से महान बन सकता है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में प्रेम, भाईचारा, समानता और सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए।

सुरेश राणा ने भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन और शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों को धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेंगी। कार्यक्रम में वाल्मीकि समाज की ओर से पूर्व मंत्री सुरेश राणा को चित्र भेंट कर सम्मानित किया समाज की ओर से समाज की ओर से पटका भेंट कर सम्मानित किया।

बैंड बाजो,ढोल ढमाकों एवं डीजे से सुसज्जित शोभा यात्रा में भगवान वाल्मीकि, लव कुश ,राम लक्ष्मण, नरसिंह भगवान आदि झांकियों ने नगर वासियों का मन मोह लिया। नगर के मोहल्लो में अनेक स्थानों पर शोभायात्रा का पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया ।

कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री बृजेश वाल्मीकि, पूर्व सभासद रामस्वरूप वाल्मीकि, राजकुमार एडवोकेट, संजय वाल्मीकि ,संदीप वाल्मीकि दिनेश सभासद ,राजू वाल्मीकि, भूरा वाल्मीकि ,राजेंद्र वाल्मीकि, महावीर सभासद, दिनेश सभासद ,अनिल सभासद ,भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन गौतम ,राकेश कंबोज, जगमाल सैनी विनोदसैनी, सभासद संजय कश्यप, देवेंद्र पंडित ,सभासद भूमेश नारंग,प्रेमजी आदि अनेक लोग उपस्थित रहे

शोभायात्रा के आयोजन को लेकर नगर में उत्साह का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उनके आदर्शों को अपनाने और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

10वीं ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में मुजफ्फरनगर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर बढ़ाया जिले का गौरव, शिहान राजेश कौशिक ने निभाई टेक्निकल डायरेक्टर की जिम्मेदारी



मुजफ्फरनगर। गाजियाबाद में 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित 10वीं सुकाई कप ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में मुजफ्फरनगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया। देशभर के लगभग 350 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। मुजफ्फरनगर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पधाओं में पदक हासिल किए।

प्रतियोगिता का आयोजन गाजियाबाद के सेक्टर-15 स्थित वीआर ऑ-डिटोरियम में शोतोरियू यूनिक कराटे एसोसिएशन द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के आयोजक शिहान पुष्पेंद्र सिंह रावत रहे। चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें मुजफ्फरनगर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

इन खिलाड़ियों ने जीते पदक

प्रतियोगिता में काव्य वत्स ने काता एवं कुमिते दोनों स्पधाओं में गोल्ड मेडल जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। अनाया देलवाल ने कुमिते यानी फाइट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। शगुन त्यागी ने काता में गोल्ड मेडल तथा कुमिते में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।

वहीं, अंकिता सिंह और अथर्वा ने कुमिते स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। कार्तिकेय ने काता एवं कुमिते दोनों स्पधाओं में ब्रॉन्ज मेडल जीते। अभिनव सिंह मलिक ने काता में ब्रॉन्ज मेडल और कुमिते में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दर्श पंवार ने भी कुमिते स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जिले का मान बढ़ाया।

जिला परिषद मार्केट में संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन व विस्तार को बैठक आयोजित



मुजफ्फरनगर । जिला परिषद स्थित मैक्स एंटरप्राइजेज पर संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन एवं विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने आपसी विचार-विमर्श किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने एवं सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अपने-अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एलोपैथी मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा एक गंभीर विषय उठाया गया जिसमे जिला होम्योपैथिक अधिकारी द्वारा उनका शोषण करने का मामला सामने आया। इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान द्वारा आश्वस्त किया गया की मेडिकल संचालक साथी इस विषय में विस्तृत जानकारी एवं संबंधित सबूत उन्हें उपलब्ध करवाये जिसके उपरांत शासन एवं प्रशासन के समक्ष ये विषय रख कर ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। सभी पदाधिकारियों ने संगठन की एकता, मजबूती और निरंतर प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

संगठन की एकता, हमारी ताकत। संगठन की मजबूती, हमारा संकल्प।

मुजफ्फरनगर में कोटेदारों की हुंकार, लाभांश बढ़ाओ और मानदेय तय करो!

मुजफ्फरनगर में राशन डीलरों की प्रदेश स्तरीय बैठक, प्रदेश अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा ने उठाई लाभांश बढ़ाने और मानदेय तय करने की मांग



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के तत्वावधान में सोमवार को मुजफ्फरनगर में राशन विक्रेताओं की समस्याओं को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा सहित प्रदेश, मंडल और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में राशन विक्रेताओं के लाभांश का समय पर भुगतान, मानदेय में वृद्धि, निश्चित भाड़ा और वितरण व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि राशन विक्रेता सार्वजनिक वितरण प्रणाली को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी आर्थिक समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।संगठन के संचालक भुवनेश्वर दीक्षित सहित प्रदेश, मंडल और अन्य स्तरों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा ने उठाया लाभांश और भुगतान का मुद्दा प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार मल्होत्रा ने कहा कि राशन विक्रेताओं की सबसे बड़ी समस्या लाभांश और मानदेय से जुड़ी हुई है। राशन वितरण का कार्य करने के बावजूद भुगतान समय पर नहीं होने से कोटेदारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परिवार का भरण-पोषण करने, बच्चों की फीस जमा करने और रोजमर्रा के खर्च पूरे करने में भी कठिनाई आती है। उन्होंने मांग की कि राशन विक्रेताओं को हर महीने निश्चित भाड़ा दिया जाए और उनके लाभांश का भुगतान समय से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से 17 जुलाई को लाभांश में 125 रुपये की वृद्धि की घोषणा का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन के अनुसार, जुलाई से लागू बताई गई वृद्धि के बावजूद अगस्त और सितंबर का बढ़ा हुआ लाभांश अभी तक विक्रेताओं को नहीं मिला है। उन्होंने लंबित राशि का जल्द भुगतान कराने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी बताया कि अधिकारियों के साथ वार्ता के बाद लाभांश का पूरा सीजरा तीन दिन के भीतर तैयार कर एसआरओ कार्यालय भेजने के निर्देश दिए जाने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज दूबे ने प्रदेश स्तरीय बैठक में राशन विक-ताओं की समस्याओं को एक मंच पर लाने और उनके समाधान के लिए सामू-हक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। संगठन की ओर से लाभांश, मानदेय और राशन वितरण से संबंधित समस्याओं को शासन तथा विभागीय अधिकारियों के समक्ष उठाने पर चर्चा की गई। प्रदेश प्रभारी एवं मंडल अध्यक्ष राजपाल ने समस्याओं के समाधान पर की चर्चा प्रदेश प्रभारी एवं मंडल अध्यक्ष राजपाल ने कहा कि राशन विक्रेताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए। बैठक में मंडल और विभिन्न क्षेत्रों के विक्रेताओं की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया, ताकि संगठन के माध्यम से उनकी मांगों को आगे बढ़ाया जा सके। प्रदेश सचिव राजेंद्र भगत ने संगठनात्मक समन्वय पर दिया बल प्रदेश सचिव राजेंद्र भगत ने राशन विक्रेताओं की मांगों को प्रभावी ढंग से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने और संगठन के पदाधिकारियों के बीच समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक में लंबित लाभांश के भुगतान और विक्रेताओं की आर्थिक कठिनाइयों को लेकर आगे की कार्रवाई पर चर्चा की गई। प्रदेश मीडिया प्रभारी मुस्तकीम मलिक ने समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की बात कही प्रदेश मीडिया प्रभारी मुस्तकीम मलिक ने राशन विक्रेताओं की समस्याओं और संगठन की मांगों को उचित मंच तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में लाभांश भुगतान, मानदेय और राशन वितरण व्यवस्था से जुड़ी कठिनाइयों को प्रमुखता से सामने लाने पर चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के नगर अध्यक्ष ठाकुर सुंदर सिंह सोम ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राशन विक्रेताओं को अक्सर गलत नजर से देखा जाता है,

देश में आलू, प्याज और टमाटर के मॉडल रेट निर्धारित हों: अशोक बालियान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर उठाई मांग, किसानों को सीधे मिले भावांतर की राशि



मुजफ्फरनगर। पीजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन अशोक बालियान ने केंद्रीय कृषि मंत्री शि-ावराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर देश में आलू, प्याज और टमाटर जैसी जल्दी खराब होने वाली सब्जियों के लिए पारदर्शी ह्यमॉडल रेटह्व निर्धारित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन फसलों के बाजार मूल्य और किसानों को मिलने वाले दामों के बीच भारी अंतर को समाप्त करने के लिए प्रभावी नीति लागू करना बेहद जरूरी है। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा और आम उपभोक्ताओं को भी अनावश्यक महंगाई से राहत मिलेगी।

अशोक बालियान ने पत्र में कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवंबर 2024 में महाराष्ट्र और नई दिल्ली में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आ-ईसीएआर) के कार्यक्रमों में स्पष्ट किया था कि केंद्र सरकार आलू, प्याज और टमाटर जैसी जल्दी खराब होने वाली सब्जियों के लिए मॉडल रेट तय करने की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री ने भी यह गंभीर सवाल उठाया था कि जब किसान पांच से छह रुपये प्रति किलो की दर से प्याज बेचकर चला जाता है, तो बाद में खुदरा बाजार में उसकी कीमत अचानक क्यों बढ़ जाती है। यह सवाल कृषि विपणन व्यवस्था की एक बड़ी समस्या को उजागर करता है। खेत से उपभोक्ता तक पहुंचने के बीच कीमतों में होने वाली भारी वृद्धि का लाभ अक्सर किसानों को नहीं मिल पाता, जबकि उपभोक्ताओं को महंगी सब्जियां खरीदनी पड़ती हैं।

सतगुरु के दिव्य संदेश से आलोकित हुई चेतना

79वें निरंकारी संत समागम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



समालखा। हर परिस्थिति में परमात्मा के प्रेम में स्थिर रहना ही सच्ची जागृति है। उक्त दिव्य उद्गार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के तीसरे दिन अपने प्रेरणादायी प्रवचनों के माध्यम से व्यक्त किए। समालखा की पावन धरा पर देश-विदेश से सम्मिलित लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने प्रेम, श्रद्धा और एकत्व का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया। सतगुरु के पावन दर्शनों से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और समूचा वातावरण भक्ति, समर्पण एवं आत्मिक आनंद से आलोकित हो गया। गुरु और गुरसिख का यह पावन मिलन प्रेम, मानवता और विश्वबंधुत्व की भावना को साकार करता दिखाई दिया। सतगुरु माता जी ने श्रद्धालु भक्तों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आत्मा का परमात्मा से मिलन और हर पल निराकार प्रभु का अनुभव ही आध्यात्मिक जीवन का सार है। परमात्मा अटल सत्य है, किन्तु हमारी इच्छाएँ और परिस्थितियाँ निरंतर बदलती रहती हैं। अनुकूल परिस्थितियों में आस्था बनाए रखना सरल होता है, परंतु सच्ची भक्ति वही है जो हर परिस्थिति में अडिग रहे। माता जी ने आगे फरमाया कि ब्रह्मज्ञान से प्राप्त जागृति जीवनभर सजग और सचेत रहने की प्रेरणा देती है। यह जागृति हमारे व्यवहार, निर्णयों और सामाजिक जीवन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। अन्याय के विरुद्ध खड़े होते समय हमें अपने उद्देश्य को अवश्य परखना चाहिए कि हमारा प्रयास वास्तव में भलाई के लिए है या अहंकार, स्वार्थ और दिखावे के लिए। विचारों में भिन्नता होने पर भी प्रत्येक व्यक्ति में परमात्मा का अंश देखकर उसे अपनाना ही निष्काम प्रेम की सच्ची पहचान है।

सतगुरु माता जी के दिव्य प्रवचनों से पूर्व निराकारी राजपिता रमित जी ने जागरूकता का संदेश देते हुए समझाया कि जीवन में जहाँ परिवर्तन संभव हो, वहाँ सकरात्मक प्रयास करने चाहिए और जहाँ परिवर्तन असंभव हो, वहाँ परिस्थितियों को सहजता से स्वीकार करने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। राजपिता जी ने आगे कहा कि मनुष्य संसार की आवश्यकताओं और भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रति तो सजग रहता है, लेकिन अक्सर अपनी आत्मा की वास्तविक प्यास को अनदेखा कर देता है। परमात्मा के प्रेम और उसकी सर्वव्यापकता को पहचानना, अहंकार का त्याग करना तथा सच्ची जिज्ञासा, श्रद्धा और समर्पण के साथ जीवन व्यतीत करना ही वास्तविक आध्यात्मिक जागृति है। इस पावन अवसर पर हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सतगुरु के पावन आशीष को प्राप्त किया। साथ ही, कई पार्षदों और विधायकों ने भी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दिव्यांग संत महात्माओ हेतु व्यवस्थाएं:- समागम में दिव्यांग संत-महात्माओं की सुविधा के लिए सभी प्र-वेश द्वारों पर व्हीलचेयर का प्रबंध किया गया था

रंग संसार

46 साल की श्वेता तिवारी के हुस्न ने हिला डाला इंटरनेट, 'गुलाबी स्विमसूट' पहन पानी में लगाई आग



नई दिल्ली। छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने वालीं अभिनेत्री श्वेता तिवारी को भला कौन नहीं जानता। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं श्वेता अक्सर अपने हॉट फोटोज और वीडियो को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। इस बीच इंटरनेट पर उनकी कुछ तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं, जिनमें वह गुलाबी स्विमशूट में अपने कातिलाना हुस्न से पानी में आग लगाती हुई नजर आ रही हैं। आइए एक नजर श्वेता तिवारी की इन हॉट लुक फोटोज पर डालते हैं। श्वेता तिवारी की हॉट फोटोज

टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की से अपनी खास पहचान बनाने वालीं श्वेता तिवारी असल जिंदगी में हद से ज्यादा हॉट और बोल्ड हैं। 46 साल की उम्र में भी उनकी हॉटनेस में कोई कमी नहीं आई है, इस बात का अंदाजा आप अभिनेत्री इन तस्वीरों के जरिए आसानी से लगा सकते हैं, जो फिलहाल सोशल मीडिया पर तेजी वायरल हो रही हैं। दरअसल श्वेता तिवारी की जिन फोटोज के बारे में इस लेख में बात हो रही हैं, उनमें वह पिंक कलर के स्विमसूट में दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं वह अपने किलर लुक से स्विमपूल में आग लगा रही हैं। उनकी कातिलाना अदाएं भी इन तस्वीरों की हॉटनेस में इजाफा कर रही हैं। श्वेता तिवारी ने इन फोटोज को साल 2023 में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया था और अब तीन साल बाद एक बार फिर से उनकी ये तस्वीरें लाइमलाइट में आ गई हैं। जिसकी वजह सिनेमाई गलियारे में श्वेता तिवारी का नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहा है फैंस को श्वेता की ये तस्वीरें हद से ज्यादा पसंद आ रही हैं और वे इन पर जमकर लाइक कमेंट्स करके अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं भी व्यक्त कर रहे हैं।

राज काज

यहां किसानों को धान बेचने पर एमएसपी के साथ मिलेगा 109 प्रति क्विंटल का बोनस

नई दिल्ली खरीफ की मुख्य फसल धान की कटाई के बाद किसानों के लिए MSP के साथ ही बोनस देने की भी घोषणा की गई है। जिससे वे आर्थिक रूप से मजबूत हो सकेंगे। ये घोषणा झारखंड के किसानों के लिए की गई है। राज्य के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री इरफान अंसारी ने सोमवार को कहा कि झारखंड के किसानों को वित्त वर्ष 2026-27 में केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अतिरिक्त धान पर बोनस भी दिया जाएगा। 109 प्रति क्विंटल का बोनस

झारखंड के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री इरफान अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि धान के निर्धारित एमएसपी के साथ 109 प्रति क्विंटल का जोड़कर एक्स्ट्रा बोनस दिया जाएगा। फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में झा-रखंड सरकार ने 81 प्रति क्विंटल बोनस देने की मंजूरी दी थी। अंसारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि स-रकार ने किसानों के बोनस की राशि बढ़ाकर ड्ड109 करने का फैसला किया है, जो कि पिछले साल की तरह इस साल भी किसानों को एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। बता दें कि इस बार धान खरीद का लक्ष्य 40 लाख क्विंटल रखा गया है। मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने 2026-27 के लिए सामान्य धान का MSP 2,441 प्रति क्विंटल और ग्रेड-अ धान का एमएसपी 2,461 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इसके अलावा राज्य सरकार किसानों को प्रति क्विंटल 109 बोनस देगी। अंसारी ने बताया कि 40 लाख क्विंटल धान की खरीद के लक्ष्य के आधार पर 109 प्रति क्विंटल की दर से बोनस भुगतान के लिए 43.60 करोड़ का अनुमान लगाया गया है। इस राशि की मंजूरी के लिए प्रस्ताव योजना अधिकृत समिति (SAC) के सामने रखा गया है। मंत्री ने कहा कि विभागीय आकलन के अनुसार, केंद्र सरकार के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के केंद्रीय पूल के लिए 19.60 लाख क्विंटल और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (खरत्न्नर) के लिए 19.79 लाख क्विंटल धान की जरूरत है। इसी के मद्देनजर खरीद के लक्ष्य को बढ़ाकर 40 लाख क्विंटल करने का प्रस्ताव दिया गया है। इरफान अंसारी ने आगे कहा कि स-रकार बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से झारखंड में धान की आवक रोकने के लिए भी कदम उठाएगी।

दैनिक राशिफल मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

मेष – कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष – कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है।

मिथुन : सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

कर्क – कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

सिंह– रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

कन्या – ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं।

तुला – विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

वृश्चिक – कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे।

धनु – आलस्य का त्याग करें। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी।

मकर – जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ – लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें।

मीन – अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

दैनिक पंचांग

27 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 300 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 07.02 बजे तदनन्तर द्वितीया 04.07 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 15.39 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 10.53 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.02 बजे, तैतिल 17.36 बजे तदनन्तर गर 04.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 43'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872875
जूलियन दिन 2461340.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 15
विशेष मासिक कार्तिगाई।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मेष में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
वृश्चिक	07.39 ब.से
धनु	09.55 बजे से
मकर	12.00 बजे से
कुंभ	13.47 बजे से
मीन	15.20 बजे से
मेष	16.50 बजे से
वृष	18.30 बजे से
मिथुन	20.28 बजे से
कर्क	22.42 बजे से
सिंह	00.58 बजे से
कन्या	03.10 बजे से
तुला	05.21 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भाकियू अराजनैतिक ने सरकारी और सहकारी चीनी मिलों को बंद करने की साजिश का लगाया आरोप

पिछले तीन पेराई सत्रों के गन्ना सुरक्षण आदेशों और क्रय केंद्र आवंटन की उच्चस्तरीय जांच की मांग, गन्ना आयुक्त कार्यालय में लंबे समय से एक ही पद पर तैनात अधिकारियों को हटाने की उठाई आवाज

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने उत्तर प्रदेश में सरकारी एवं सहकारी चीनी मिलों को गन्ना आवंटन के माध्यम से कमजोर करने और उन्हें बंदी के कगार पर पहुंचाने की कथित साजिश का आरोप लगाते हुए मामले की स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। संगठन ने इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को पत्र भेजकर पिछले तीन पेराई सत्रों के गन्ना सुरक्षण आदेशों, आरक्षित क्षेत्रों और क्रय केंद्रों के आवंटन की गहन जांच कराने की मांग उठाई है। साथ ही गन्ना आयुक्त कार्यालय में तीन वर्ष या उससे अधिक समय से एक ही पद पर तैनात अधिकारियों के पद परिवर्तन और स्थानांतरण की मांग



भी की गई है।

संगठन की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक, प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह वर्मा और युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का चीनी उद्योग प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था, ग्रामीण रोजगार और लाखों गन्ना उत्पादक किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। सरकारी एवं सहकारी चीनी मिलें किसानों के हितों की रक्षा करने, निजी मिलों के साथ प्रतिस्पर्धा बनाए रखने और गन्ने की उपलब्धता अधिक होने पर लंबे समय तक पेराई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गन्ना आवंटन की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

भाकियू अराजनैतिक ने आरोप लगाया कि पेराई सत्र शुरू होने को है, लेकिन अभी तक भी गन्ना आवंटन की प्रक्रिया में सुधार नहीं हुआ।

16 साल पुराने जानलेवा हमले के मामले में चार दोषी, सजा 31 अक्टूबर को सुनाई जाएगी

सरसों की फसल काटने को लेकर हुआ था खूनी संघर्ष, किसान के भाई के पेट में मारी थी गोली, तलवार, लाठी-डंडों से भी किया था हमला, दोषसिद्धि के बाद चारों को जेल भेजा

मुजफ्फरनगर। सरसों की फसल काटने को लेकर हुए विवाद में जानलेवा हमला करने के करीब 16 साल पुराने मामले में एससी-एसटी एक्ट की विशेष अदालत ने चार आरोपियों को दोषी करार दिया है। पीठासीन अधिकारी डॉ. विजय कुमार की अदालत ने रामराज थाना क्षेत्र के गांव हुसैनपुर निवासी रामवतार, प्रदीप और कुंवरपाल तथा बिजनौर जिले के हिमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव फैजीपुर निवासी जनेश्वर को भारतीय दंड संहिता की धारा 307/149, 148, 323 और एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) के तहत दोषसिद्ध किया है। अदालत दोषियों को 31 अक्टूबर 2026 को सजा सुनाएगी। दोषसिद्धि के बाद अदालत ने जमानत पर चल रहे चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में लेकर जिला कारागार भेज दिया है। आगामी तारीख पर उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया जाएगा।

खेत में सरसों की फसल काटने को लेकर हुआ था विवाद

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला 28 मार्च 2010 की सुबह का है। रामराज थाना क्षेत्र के गांव हुसैनपुर निवासी विजयपाल पुत्र शंकर ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया था कि उसके भाई विक्रम ने हंसावाला स्थित खाता संख्या 77 की जमीन पर सरसों की फसल बो रखी थी। इस जमीन पर खेती करने के लिए विक्रम ने मिलकित पुत्र विद्या सिंह से पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से अधिकार प्राप्त किए थे और वह पहले से ही जमीन पर खेती करता आ रहा था। इसी खाता संख्या में रामवतार पुत्र नेता सिंह ने करीब आठ एकड़ जमीन पंजाब निवासी मंजीत कौर पत्नी दलजीत सिंह को बेच रखी थी। शिकायत के मुताबिक, जमीन का बैनामा होने के बाद मौके पर कब्जा भी दिया गया था और उस पर विक्रम ने बटाई पर सरसों तथा गेहूं की फसल बो रखी थी। इसी जमीन और फसल को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था।



थाना दिवस में हुआ था फसल काटने को लेकर फैसला

मामले में दर्ज शिकायत के मुताबिक, घटना से एक दिन पहले 27 मार्च 2010 को रामवतार थाना दिवस में रामराज थाने पहुंचा था। उसने तत्कालीन थाना प्रभारी से विवाद का निस्तारण कराने की मांग की थी। इसके बाद उपनिरीक्षक कमल सिंह को फोन कर विजयपाल को बुलाया गया। इस दौरान लेखपाल अनिल और अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। शिकायत के अनुसार, मौके पर जांच के दौरान पाया गया कि सरसों की फसल विक्रम ने बोई थी। इसके बाद निर्णय लिया गया कि फसल विक्रम ही काटेगा। आरोप है कि रामवतार ने उस समय इस निर्णय को स्वीकार करते हुए कहा था कि वह सरसों की फसल काटने से नहीं रोकेगा और आगे अदालत का जो भी आदेश होगा, उसे मानेगा। हालांकि, अगले ही दिन फसल काटने के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हिंसक हो गया।

विजयपाल की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, 28 मार्च 2010 को सुबह करीब आठ बजे विक्रम अपने परिवार की महिलाओं, गांव के मजदूरों और अन्य लोगों के साथ सरसों की फसल काटने के लिए मशीन लेकर खेत पर पहुंचा था। आरोप था कि वहां रामवतार के परिवार के कई लोग पहले से ही सरसों काट रहे थे। प्राथमिकी में रामवतार, सूरज, प्रदीप और कुंवरपाल समेत अन्य लोगों पर एक राय होकर हमला करने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के मुताबिक, कुछ आरोपियों के पास तमंचे और बंदूक थीं, जबकि अन्य के हाथों में तलवार, लाठी-डंडे और अन्य हथियार थे। आरोप था कि इसी दौरान विक्रम के पेट में गोली मार दी गई, जिससे वह मौके पर गिर पड़ा। इसके अलावा विजयपाल की बहन बृजेश के हाथ पर तलवार से वार किए जाने और परिवार की महिला सविता के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने का आरोप भी लगाया गया था। इस घटना में सविता के हाथ की हड्डी टूटने की बात शिकायत में कही गई थी। हमलावरों पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देकर मौके से भागने का भी आरोप लगाया गया था। पुलिस ने दर्ज किया था मुकदमा, 15 मई 2010 को दाखिल हुई चार्जशीट घटना के बाद विजयपाल की शिकायत पर 28 मार्च 2010 को सुबह करीब 11:30 बजे रामराज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 81/2010 दर्ज किया गया था। प्राथमिकी में रामवतार पुत्र नेता सिंह, सूरज पुत्र नेता सिंह, प्रदीप पुत्र रामवतार और कुंवरपाल पुत्र सूरज समेत आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की गई थी। पुलिस ने मामले की जांच की। अभियोजन पक्ष के विवरण के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ 15 मई 2010 को अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। इसके बाद मुकदमे की सुनवाई चली और मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह अदालत में पेश किए गए।

सुनवाई के दौरान एक आरोपी की हो गई थी मौत

इस मामले में कुल चार आरोपियों को अब दोषी करार दिया गया है। मुकदमे के दौरान एक अन्य आरोपी सूरजमल पुत्र नेता सिंह की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उसके खिलाफ कार्यवाही आगे नहीं बढ़ी। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद अदालत ने रामवतार, प्रदीप, कुंवरपाल और जनेश्वर को संबंधित धाराओं में दोषी ठहराया। करीब 16 साल पुराने इस मुकदमे में अदालत का फैसला आने के बाद अब सभी की निगाहें सजा पर टिकी हैं। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह पेश किए गए। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी आशीष त्यागी ने अभियोजन की ओर से पैरवी की। अभियोजन पक्ष ने आरोपों के समर्थन में अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने चारों आरोपियों को दोषसिद्ध कर दिया। 31 अक्टूबर को सजा पर होगा फैसला अदालत ने दोषसिद्ध चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में लेकर जिला कारागार भेज दिया है। अब 31 अक्टूबर 2026 को सजा के प्रश्न पर सुनवाई होगी। निर्धारित तारीख पर चारों आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किए जाने की जानकारी दी गई है।

दो युवकों की मौत से भूम्मा गांव में पसरा मातम, परिजनों में मचा कोहराम



मीरापुर। मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र में भोपा मार्ग पर मखियाली गांव के पास रविवार को हुए सड़क हादसे में घायल दूसरे युवक रणवीर (24) की भी देर रात मेरठ में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में उसके साथी बबलू (35) की मौके पर ही मौत हो गई थी। सोमवार को दोनों युवकों के शव गांव भूम्मा पहुंचे तो परिजनों में कोहराम मच गया। एक साथ दो युवकों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, गांव भूम्मा निवासी बबलू और रणवीर रविवार को बाइक से मुजफ्फरनगर स्थित एक वाहन एजेंसी के कार्यालय में दूसरी बाइक के कागजात लेने गए थे। वापस लौटते समय भोपा मार्ग पर मखियाली गांव के पास उनकी बाइक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बबलू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रणवीर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बबलू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। वहीं, गंभीर हालत में रणवीर को मेरठ रेफर किया गया, जहां देर रात उसने भी दम तोड़ दिया। सोमवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। बबलू अपने पीछे मां सुरेशो, पिता राजवीर, पत्नी रविता, तीन बेटियों सोनम, शीतल और गोलो तथा दो बेटों सनी और लवकुश को छोड़ गया है। उसकी बहनों सीमा और बबली तथा भाई अंकुश का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, रणवीर अविवाहित था। उसके परिवार में मां कौशल, बहन सविता, डोली और अलका तथा भाई प्रणवीर हैं। रणवीर के पिता ऋषिपाल का करीब 12 वर्ष पहले बीमारी के चलते निधन हो गया था। परिजनों के अनुसार, बबलू पंजाब के मोगा मंडी और रणवीर रूपनगर में ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करते थे। बबलू दो दिन पहले, जबकि रणवीर दशहरे के अवसर पर पंजाब से अपने घर आया था। दोनों युवकों की अचानक मौत से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सोमवार को गांव में शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर गांव टिकौला में हुए विविध आयोजन, बच्चों को बांटे पुरस्कार

रामराज। गांव टिकौला में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर साफ-सफाई अभियान, पौधरोपण और नन्हे-मुन्ने बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता बच्चों को पूर्व प्रधान नाहर सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



पूर्व प्रधान नाहर सिंह ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लंबी कूद में बालक वर्ग से वंश और बालिका वर्ग से माही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ब्रिक्स गेम में प्रियंका और राधिका ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, रस्साकूद प्रतियोगिता में दीपक और प्रियंक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा दीपक, राधिका, माही, हर्षिका, खुशी, अनमोल, रुदाव और लक्ष्य सहित अन्य बच्चों ने भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर नाहर सिंह ने कहा कि खेलकूद और व्यायाम से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक विकास भी होता है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से स्वच्छता बनाए रखने और अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना विकसित करने के साथ-साथ स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

बीआईटी में वित्तीय साक्षरता कार्यशाला, विद्यार्थियों ने समझे निवेश के विभिन्न विकल्प

मीरापुर। भगवंत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुजफ्फरनगर में विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता, निवेश के विभिन्न विकल्पों और धन के प्रभावी प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निवेश जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. नृपेंद शर्मा, एक्सपर्ट, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।



डॉ. नृपेंद शर्मा ने बचत, वित्तीय नियोजन और निवेश की मूल अवधारणाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वित्तीय जागरूकता प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। सही वित्तीय निर्णय लेकर भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बैंक जमा, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और बॉन्ड सहित विभिन्न निवेश विकल्पों की जानकारी दी। साथ ही निवेश से पहले जोखिम, संभावित प्रतिफल और निवेश अवधि को समझने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को वित्तीय धोखाधड़ी से बचने तथा निवेश योजना की विश्वसनीयता जांचने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में संस्थान के निदेशक डॉ. कुलभूषण गुप्ता, उपनिदेशक डॉ. पुष्पनील वर्मा, महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) सीए दुष्यंत कुमार और उप-पंजीयक डॉ. आदित्य शर्मा उपस्थित रहे। प्रबंधन विभागाध्यक्ष गौरव राजपूत, मैकेनिकल विभागाध्यक्ष निकुल कुमार, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष वैभव चैधरी सहित संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में नियमित बचत, वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक नियोजन के महत्व पर भी चर्चा हुई। आयोजन में अर्पिता माहेश्वरी, स्वयंजीत सिंह, शुभम सेमवाल, आंचल रानी, महिपाल सिंह, गायत्री और संजीव का विशेष योगदान रहा।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवाओं ने बिखेरी प्रतिभा, संगीत, गायन, नाट्य मंचन और पेंटिंग में दिखाया हुनर

जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ, प्रतिभागियों को प्रतीक चिह्न देकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में सनातन धर्म डिग्री कॉलेज के सभागार में जनपद स्तरीय कल्चरल ट्रैक (युवा उत्सव) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने संगीत, गायन, नाट्य मंचन और पेंटिंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की कलात्मक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और हुनर का प्रदर्शन करते हुए सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को मंच प्रदान किया। इस अवसर पर संगीत, गायन एवं पेंटिंग के क्षेत्र में प्रतिभाग करने वाली विभिन्न विद्यालयों की शिक्षिकाओं और छात्राओं को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।



मुख्य अतिथि डॉ. वीरपाल निर्वाल ने अपने संबोधन में युवाओं को नशे एवं अन्य व्यसनों से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश का भविष्य है और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग करते हुए समाज और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

मुजफ्फरनगर के दारा सिंह प्रजापति थामा सपा का दामन: अखिलेश यादव की मौजूदगी में ली सदस्यता

मुजफ़्फरनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके दारा सिंह ने लखनऊ में 'साइकिल'पर हुए सवार

मुजफ़्फरनगर/लखनऊ। पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिला है। मुजफ़्फरनगर लोकसभा सीट से 2024 के चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले दारा सिंह प्रजापति ने औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी (सपा) का दामन थाम लिया है। राजधानी लखनऊ स्थित सपा प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गरिमामयी मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और 'साइकिल' की सवारी शुरू की।



भाजपा पर बोला तीखा हमला

सपा में शामिल होने के तुरंत बाद दारा सिंह प्रजापति ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता के नशे में चूर होकर उनके खिलाफ अनुचित तरीके से बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए प्रशासन का दुरुपयोग किया गया, लेकिन जनता सब देख रही है।

2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प

अपने संबोधन में दारा सिंह प्रजापति ने आगामी विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता 'वोट की चोट' से भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और उत्पीड़न का करारा जवाब देगी। दारा सिंह ने संकल्प दोहराया कि वह अपने समाज और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर दिन-रात मेहनत करेंगे और अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का पुनः मुख्यमंत्री बनाकर ही दम लेंगे।

दारा सिंह प्रजापति के समाजवादी पार्टी में शामिल होने से मुजफ़्फरनगर सहित आसपास के जिलों में प्रजापति समाज और पिछड़े वर्ग के राजनीतिक समीकरणों में नया मोड़ आने की संभावना जताई जा रही है।

कुटबा फायरिंग कांड में नया मोड़: आरोपी के थाने से जाने की सूचना पर परिजनों का हंगामा, पुलिस के बयान से उठे सवाल

लाइब्रेरी से लौट रहे दो भाइयों पर जानलेवा फायरिंग के मामले में दर्ज हुआ था मुकदमा, परिजनों का दावा—जयकुमार को हिरासत में लिया था, पुलिस के अनुसार घटना के बाद से ही फरार है आरोपी, थाने पहुंचे परिजनों ने मांगा जवाब

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव कुटबा में दो भाइयों पर फायरिंग के मामले में नामजद आरोपी जयकुमार उर्फ कुक्कू को लेकर नया विवाद सामने आया है। आरोपी के थाने से चले जाने की जानकारी मिलने पर उसके परिजन शाहपुर थाने पहुंच गए और युवक के बारे में जानकारी मांगते हुए हंगामा किया। परिजनों का दावा है कि पुलिस ने जयकुमार को हिरासत में लिया था, लेकिन जब वे उससे मिलने थाने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि वह रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात थाने से चला गया है। इस जानकारी से नाराज परिजनों ने युवक के बारे में स्पष्ट जवाब मांगा। दूसरी ओर, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह की ओर से दिए गए पुलिस के आधिकारिक बयान में बताया गया कि फायरिंग की घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। दोनों पक्षों के बयानों में सामने आए अंतर के बाद अब इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि आरोपी की वास्तविक स्थिति क्या है और वह किन परिस्थितियों में थाने से जाने की बात सामने आई। मामले की शुरूआत 21 अक्टूबर 2026 की रात



गांव कुटबा में हुई फायरिंग की घटना से हुई थी। गांव निवासी चंचल कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि वह अपने छोटे भाई आयुष के साथ गांव की लाइब्रेरी से पढ़कर घर लौट रहा था। रात करीब नौ बजे जब दोनों भाई लाइब्रेरी के गेट पर पहुंचे, तभी गांव के ही जयकुमार उर्फ कुक्कू ने कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से उन पर फायरिंग कर दी। दोनों भाई गोली लगने से बच गए। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी।

डायल-112 पर सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची थी पुलिस

पुलिस के अनुसार, 21 अक्टूबर की रात डायल-112 के माध्यम से थाना शाहपुर क्षेत्र के गांव कुटबा में फायरिंग होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद शाहपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में गांव निवासी जयकुमार उर्फ कुक्कू पुत्र रामधन का नाम सामने आया।पुलिस के आधिकारिक बयान के मुताबिक, चंचल कुमार पुत्र पवन सिंह पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग किए जाने का आरोप था। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही कोई व्यक्ति घायल हुआ। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी। घटना के बाद पुलिस की ओर से आरोपी के मौके से फरार होने की जानकारी दी गई थी। इसके बाद मामले में पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की तलाश को लेकर चर्चा बनी हुई थी।

सोमवार सुबह परिजनों के थाने पहुंचने से गरमाया मामला

सोमवार सुबह जयकुमार उर्फ कुक्कू के परिजन और गांव के कुछ लोग शाहपुर थाने पहुंचे। इनमें उसके भाई रामकुमार और कृष्णपाल के साथ परिवार की कई महिलाएं भी शामिल थीं। परिजनों ने पुलिस से जयकुमार के बारे में जानकारी देने और उससे बातचीत कराने की मांग की। परिजनों का कहना था कि जयकुमार पुलिस की हिरासत में था। इसके बावजूद जब वे उससे मिलने थाने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि वह रात में थाने से चला गया है। इस पर परिजनों ने सवाल उठाए और युवक के बारे में स्पष्ट जानकारी मांगी। परिजनों की नाराजगी के चलते थाने पर काफी देर तक बातचीत होती रही। पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाने-बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद परिजन दोपहर बाद गांव लौट गए। हालांकि, थाने से युवक के चले जाने की बात सामने आने के बाद गांव और क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं।

परिजनों का सवाल—अगर हिरासत में था तो कैसे चला गया?

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम सवाल परिजनों के दावे को लेकर है। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने जयकुमार को हिरासत में लिया था। ऐसे में यदि वह पुलिस की हिरासत में था तो उसके थाने से जाने की परिस्थितियां स्पष्ट होनी चाहिए। वहीं, पुलिस के आधिकारिक बयान में आरोपी को फायरिंग की घटना के बाद मौके से फरार बताया गया है। उपलब्ध बयान में आरोपी को हिरासत में लिए जाने और बाद में थाने से चले जाने की परिस्थितियों का विस्तृत उल्लेख नहीं है। इसी वजह से मामले में दोनों पक्षों की बातों के बीच अंतर सामने आया है।

मथुरा में 'ऑनर किलिंग': धर्म बदलकर हिंदू युवक से शादी करने पर बहन की हत्या, कब्रिस्तान से निकाला शव

चार महीने पहले दिल्ली में की थी लव-मैरिज:आरोपी भाई गिरफ्तार कर भेजा गया जेल, अन्य की तलाश जारी

मथुरा। मथुरा के गोविंदनगर थाना क्षेत्र में ऑनर किलिंग (इज्जत की खातिर हत्या) की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। धर्म परिवर्तन कर हिंदू रीति-रिवाज से प्रेम विवाह करने वाली नाजिया उर्फ जन्नत की उसके ही परिजनों ने हत्या कर दी और राज छिपाने के लिए शव को कब्रिस्तान में दफना दिया। पति की शिकायत और राजस्थान पुलिस की दखल के बाद जब स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू की, तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर रविवार को जिलाधिकारी के आदेश से कब्रिस्तान से शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

दिल्ली की फैक्टरी में पनपा था प्यार

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गोविंदनगर थाना क्षेत्र के बद्री नगर नई बस्ती निवासी नाजिया उर्फ जन्नत दिल्ली की एक निजी फैक्टरी में काम करती थी। वहीं पर राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पचेरीकलां निवासी रविंद्र कुमार भी नौकरी करता था। साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और प्यार हो गया। परिजनों के विरोध की आशंका को देखते हुए करीब चार महीने पहले नाजिया ने दिल्ली में धर्म परिवर्तन कर जन्नत नाम से रविंद्र कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार प्रेम विवाह कर लिया। दोनों दिल्ली में साथ रह रहे थे। जब नाजिया के विवाह की जानकारी उसके मथुरा स्थित परिजनों को हुई, तो वे करीब एक महीने पहले दिल्ली पहुंचे। परिजनों ने नाजिया को अपनी बातों में उलझाया और भरोसे में लेकर मथुरा बुला लिया। मथुरा आने के लगभग 10 दिन बाद नाजिया ने अपने पति रविंद्र के पास दिल्ली वापस लौटने की जिद



की, जिसका परिजनों ने कड़ा विरोध किया। इसके बाद अचानक नाजिया का मोबाइल फोन बंद हो गया।

पति रविंद्र ने जब नाजिया के परिजनों से संपर्क कर उससे बात कराने की कोशिश की, तो परिजनों ने टालमटोल शुरू कर दी। आशंका होने पर रविंद्र ने राजस्थान के पचेरीकलां थाने में पत्नी के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई।

फैलाई थी करंट की अफवाह, आरोपी भाई गिरफ्तार

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी भाई अकरम ने कबूल किया कि मथुरा लाने के 10 दिन बाद ही उन्होंने नाजिया की हत्या कर दी थी। मोहल्ले और बस्ती के लोगों को शक न हो, इसके लिए उन्होंने कहानी रची कि हीटर पर खाना बनाते समय करंट लगने से नाजिया की मौत हो गई। इसके बाद आनन-फानन में शव को कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

मजिस्ट्रेट के आदेश पर खोदी गई कब्र

मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र के आदेश पर रविवार को गोविंदनगर थाना पुलिस ने आरोपी भाई अकरम की निशानदेही पर कब्रिस्तान से शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

आरोपी भाई गिरफ्तार कर जेल भेजा

एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी अकरम को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा। पुलिस इस साजिश में शामिल परिवार के अन्य सदस्यों और संदिग्धों की भूमिका की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

मुजफ्फरनगर में बढ़ा डेंगू का डंक: 2 महिलाओं समेत 5 नए मरीज मिले, जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या 30 पहुंची

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में चलाया 'सोर्स रिडक्शन' अभियान, एक मरीज मेडिकल कॉलेज में भर्ती

मुजफ्फरनगर। जनपद में रहस्यमयी बुखार के साथ-साथ डेंगू का संक्रमण भी तेजी से पांव पसारने लगा है। जिले में लगातार मिल रहे बुखार पीड़ित मरीजों की जांच के दौरान पांच और लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। नए मरीजों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। ताजा मामलों के सामने आने के बाद मुजफ्फरनगर में कुल डेंगू संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 30 पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य महकमे ने नए केस मिलने वाले इलाकों में अलर्ट जारी करते हुए निरोधात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराई गई अलाइजा और रैपिड जांच रिपोर्ट में पांच मरीजों में डेंगू वायरस की पुष्टि हुई। मुख्य रूप से देहात और शहरी क्षेत्रों में इसके मामले देखने को मिल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है। हालांकि, एहतियात के तौर पर एक मरीज को गंभीर स्थिति से बचाने के लिए मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी कर रही है। शेष मरीजों का उपचार उनके घरों पर ही आइसोलेशन में चल रहा है। शहरी क्षेत्र एवं खतौली से एक-एक महिला डेंगू पॉजिटिव पाई गई हैं। वहीं चरथावल क्षेत्र से दो लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।



इसके अलावा बघरा क्षेत्र से एक मरीज में डेंगू के लक्षण मिलने के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डेंगू के नए मामले सामने आते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। विभाग के एपीडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शमशेर आलम ने बताया कि सभी चिह्नित मरीजों पर स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि मरीजों के घर और उनके आसपास के 50 से 100 मीटर के दायरे में विभागीय टीमों को भेजा गया है। वहां एंटी-लार्वा का छिड़काव कराने के साथ-साथ 'सोर्स रिडक्शन' (लार्वा पनपने वाले स्थानों को नष्ट करने) की कार्रवाई की गई है। टीम घर-घर जाकर कूलर, पानी की टंकियों और पुराने बर्तनों की जांच कर रही है। जिले में बीते दिनों हुई बारिश के बाद जगह-जगह हुए जलभराव और स्थिर पानी को डेंगू के मच्छरों (एडिज एजिप्टी) के पनपने का मुख्य कारण माना जा रहा है। डॉ. शमशेर आलम ने आम जनता से अपील की है कि वे बुखार आने पर खुद से दवा लेने के बजाय नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं। घर के आसपास, कूलर, गमलों, पुरानी टायरों और छतों पर पानी एकत्र न होने दें। सप्ताह में एक बार कूलर और पानी की टंकियों को सुखाकर साफ करें। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बुखार होने पर अधिक से अधिक तरल पदार्थों (जैसे नारियल पानी, ओआरएस) का सेवन करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

मुज़फ़्फ़रनगर में कराटे का महाकुंभ: प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब, विजेताओं को हुआ सम्मान

चैंपियंस ऑफ चैंपियंस जैपनीज काता प्रतियोगिता में सिविल जज दिव्य सिंह निमेश ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

मुजफ़्फ़रनगर। शहर में 'चैंपियंस ऑफ चैंपियंस जैपनीज काता कॉम्पटीशन' का विशाल आयोजन अत्यंत उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। प्रतियोगिता में सैकड़ों जांबाज कराटे खिलाड़ियों ने अपनी जापानी काता तकनीक का ऐसा खतरनाक व अद्भुत प्रदर्शन किया कि दूर-दराज से पहुँचे मुख्य अतिथि एवं दर्शक भौचक्के रह गए।

दिग्गज हस्तियों और अतिथियों का लगा जमघट

कार्यक्रम के पुरुष वर्ग में दिल्ली से पधारे हाना स्पोर्ट्स लिमिटेड के डायरेक्टर मदन कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि महिला वर्ग में मुजफ़्फ़रनगर नगर पालिका की पूर्व चेयरमैन श्रीमती अंजू अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। अति विशिष्ट अतिथियों में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विशाल गर्ग, प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. पंकज जैन, समाजसेवी विवेक बंसल, अवार्चीन इंटर कॉलेज के संस्थापक सतीश शर्मा, समाज सेविका डॉ. संगीता गुप्ता, श्रीमती वीना शर्मा तथा श्रीमती अवनी शर्मा ने उपस्थिति दर्ज कराई।

छोटे बच्चों और युवाओं के प्रदर्शन ने किया अचंभित

इंटरनेशनल कराटे अकेडमी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर शिहान वेदप्रकाश शर्मा एवं मुख्य कराटे प्रशिक्षक सैन्साई अभिषेक शर्मा के कुशल नेतृत्व में यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में वीवी मार्शल आर्ट्स अकेडमी (आर्यपुरी) सहित द्वारिका सिटी ब्रांच, नई मंडी ब्रांच एवं गांधी कॉलोनी ब्रांच



के सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। 5 वर्ष के नन्हे बच्चों, बालिकाओं और युवाओं ने जब टीम काता और सोलो काता का साहसिक प्रदर्शन किया, तो पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

विजेता खिलाड़ियों को पदक व उपहार से किया सम्मानित

समापन समारोह में खतौली के सिविल जज / ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट दिव्य सिंह निमेश ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफल खिलाड़ियों को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा हाना स्पोर्ट्स लिमिटेड के डायरेक्टर मदन कुमार की ओर से सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार स्वरूप आकर्षक टी-शर्ट्स वितरित की गईं।

आयोजकों को मिलीं शुभकामनाएँ

प्रतियोगिता की अपार सफलता पर वर्धमान हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. मुकेश जैन, डॉ. नूतन जैन, डॉ. अनुभव जैन एवं डॉ. वंदना जैन ने आयोजन समिति को बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में जिला कराटे एसोसिएशन ऑफ मुजफ़्फ़रनगर के अध्यक्ष सुनील गुप्ता और वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजेंद्र गोयल ने आए हुए सभी अतिथियों व आगंतुकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मोरना के नन्हेड़ी में गाली-गलौज और मारपीट: सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल, ग्राम प्रधान सहित तीन पुलिस हिरासत में

सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और मारपीट का वीडियो प्रसारित होने के बाद भोपा पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के निकटवर्ती गाँव नन्हेड़ी में रविवार देर रात सोशल मीडिया पर मारपीट का एक वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले का संज्ञान लेते हुए भोपा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और ग्राम प्रधान प्रशासक सहित तीन लोगों को हिरासत में लेकर उनका शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ गाली-गलौज का वीडियो

जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गाँव नन्हेड़ी में रविवार की रात दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मौके पर गाली-गलौज के साथ मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर



दिया, जिसके बाद गाँव में तनाव का माहौल बन गया।

पुलिस ने संज्ञान लेकर की त्वरित कार्रवाई

मारपीट का वीडियो पुलिस के संज्ञान में आते ही भोपा पुलिस तुरंत हरकत में आई और गाँव में पहुँचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में शामिल तीन मुख्य आरोपियों को मौके से हिरासत में ले लिया।

सीओ ने की चालान की पुष्टि

मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी (सीओ) राधा रमन सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वायरल वीडियो के आधार पर जाँच की गई। जाँच के उपरांत घटना में संलिप्त ग्राम प्रधान प्रशासक शान मोहम्मद, जावेद तथा आदिल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीनों का शांति भंग (धारा 151/107/116) में चालान कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज संगठन ने शरद पूर्णिमा पर महाराज अजमीढ जन्मोत्सव पर हवन एवं विशाल भंडारा आयोजित किया

मुजफ्फरनगर। ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज संगठन जनपद शाखा मुजफ्फरनगर द्वारा सोनार समाज के आदि पुरुष महाराज अजमीढ देव जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर दक्षिणी कृष्णापुरी में नंदकिशोर वर्मा जी के आवास पर प्रातः काल मंत्रोचार के साथ पूजा एवं हवन हुआ एवं सभा का आयोजन किया गया सभा की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष श्री नरेश कुमार वर्मा ने की एवं संचालन प्रवक्ता इंजीनियर उमेश चंद्र वर्मा द्वारा किया गया ' प्रधानाचार्य विनोद वर्मा जी ने स्वर्णकार समाज के आदि पुरुष चंद्रवंशी महाराज अजमीढ जीवन परिचय पर प्रकाश डाला एवं उनके द्वारा लोक हित में किए गए कार्यों का वर्णन किया गया ' वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर ओमपाल रोझा ने कहा कि हमें आज के दिन दहेज रहित शादियां करने का एवं मृत्यु भोज को हतोत्साहित करने का संकल्प लेना चाहिए ' इस अवसर पर समाज के अति वरिष्ठ जनों नंदकिशोर वर्मा, भगवत प्रसाद वर्मा,



का माल्यार्पण कर एवं साल पहनाकर स्वागत किया गया ' अध्यक्ष नरेश चंद्र वर्मा द्वारा समाज को राजनीतिक रूप से सुदृढ़ करने का आवाहन किया गया ' उसके बाद भंडारे का आयोजन हुआ ' संगठन के कोषाध्यक्ष सुभाष चंद वर्मा द्वारा सभी आगंतुक मेहमानों का आभार व्यक्त किया गया एवं कहा गया कि समाज को सुदृढ़ करने के लिए भविष्य में भी इसी तरह के आयोजन किए जाएंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मीडिया प्रभारी कंवरपाल वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज के आदि पुरुष महाराज अजमीढ जी के इतिहास के बारे में समाज के बच्चों को भी जानकारी देनी चाहिए ' आज की सभा मैं अतिथि के रूप में पधारे संगठित सोनार समाज के अध्यक्ष स्वराज कुमार वर्मा एवं संजय वर्मा ने कहा कि हमारा संगठन समाज में एकता स्थापित करने के लिए एवं लोगों को जागरूक करने के लिए सदैव मिलकर कार्य करता रहेगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे किशोर न्यायालय के मजिस्ट्रेट विकास वर्मा एवं सभासद मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि हमारे समाज के आदि पुरुष महाराज अजमीढ देव जी स्मारक स्थल के निर्माण के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा प्रस्ताव पास किया जा चुका है शासन से स्वीकृत होने के पश्चात अति शीघ्र भव्य स्मारक स्थल का निर्माण किया जाएगा '

सभा में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति नरेश कुमार वर्मा , संगठित सोनार समाज के अध्यक्ष स्वराज वर्मा,सुभाष चंद्र वर्मा, आचार्य रामकिशन सुमन , मास्टर ओम प्रकाश वर्मा, सीताराम वर्मा, राजीव कुमार वर्मा नगर पालिका, नगर अध्यक्ष मदनपाल वर्मा,मीडिया प्रभारी राधेश्याम वर्मा , लोकेश कुमार, राजीव वर्मा, अमित वर्मा, मांगेराम वर्मा,सुरेश चंद्र वर्मा,संजय वर्मा, उमेश चंद्र वर्मा प्रवक्ता ,रमेश चंद्र वर्मा संजय वर्मा, गौरव वर्मा श्यामसुंदर वर्मा, योगेश कुमार वर्मा कपड़े वाले ,मास्टर जय भगवान वर्मा, शिवकुमार वर्मा, राजेंद्र वर्मा पवन कुमार वर्मा बैंक वाले, मांगेराम वर्मा राधेश्याम वर्मा, सुरेश वर्मा आदि वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

चौ. छोटू राम महाविद्यालय में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती



मुजफ्फरनगर । चौ. छोटू राम महाविद्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं महान दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. के. पी. सिंह ने भगवान महर्षि वाल्मीकि के जीवन-दर्शन का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं आध्यात्मिक चेतना के महान प्रतीक हैं। रामायण जैसे कालजयी महाकाव्य की रचना करके उन्होंने समाज को सत्य, धर्म, मर्यादा, करुणा, न्याय एवं मानवीय मूल्यों का मार्ग दिखाया। उनका जीवन इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि सकारात्मक चिंतन, ज्ञान एवं आत्मपरिवर्तन के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को महान बना सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा नैतिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रो. आर. के. सिंह, प्रो. गिरिराज किशोर ने कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत तथा महान संतों और ऋषियों के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर डॉ टेसू शर्मा, डॉ. रेखा भवनानी, डॉ. नवनीत प्रकाश वर्मा, डॉ. रेनू , डॉ. पी. एस. आर्य, डॉ. मीनाक्षी तोमर एवं अक्षय वत्स सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

युवा शक्ति को अवसर, कौशल और सुरक्षित माहौल देने की दिशा में बढ़ते कदम

चरथावल के नालंदा पब्लिक स्कूल में युवा नीति संवाद, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और प्रस्तावित युवा आयोग पर हुआ मंथन



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों और उन सपनों को साकार करने के लिए उपलब्ध अवसरों से तय होना चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ हाउस ऑफ पॉलिटिकल एम्पावरमेंट रिसर्च एंड इनोवेशन फाउंडेशन (होप) की ओर से विगत दिवस जनपद के चरथावल स्थित नालंदा पब्लिक स्कूल में युवा नीति संवाद का आयोजन किया गया। इसमें जनपद एवं क्षेत्र के 500 से अधिक युवाओं ने भागीदारी करते हुए शिक्षा, रोजगार, खेल, कौशल विकास, तकनीक और अपराध मुक्त वातावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और प्रस्तावित उत्तर प्रदेश राज्य युवा आयोग को लेकर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि युवा केवल रोजगार तलाशने वाली आबादी नहीं हैं, बल्कि रोजगार सृजन, नवाचार, खेल, तकनीक और सामाजिक बदलाव की सबसे बड़ी ताकत हैं। युवाओं की इसी क्षमता को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं और नीतियों को उनकी वास्तविक जरूरतों से जोड़ना आवश्यक है। ग्रामीण स्तर पर आयोजित इस संवाद में युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं, समस्याओं और अपेक्षाओं को खुलकर सामने रखा। होप के संस्थापक एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह ने युवाओं को प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सरकारी योजनाओं के प्रति युवाओं के संतोष की सराहना करते हुए कहा कि युवा राज्य और राष्ट्र की असीम शक्ति हैं।

शुकतीर्थ में मनाया गया सतगुरु कबीर साहेब का प्रकटोत्सव: भक्ति और उत्साह का रहा माहौल

श्री कबीर साहेब धर्मार्थ ट्रस्ट समिति के कार्यक्रम में समाज सुधार, आश्रम के उत्थान और संगठन की एकजुटता पर हुआ मंथन

मोरना (मुजफ़्फ़रनगर)। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित श्री कबीर साहेब धर्मार्थ ट्रस्ट समिति, शुक्रताल के तत्त्वावधान में सतगुरु कबीर साहेब का 629वाँ प्रकटोत्सव पूर्ण श्रद्धा, भक्ति एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में साध-संगत ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त जॉइंट डायरेक्टर सुरेश चंद्र ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन समिति के महामंत्री नरेश कुमार सिसौना द्वारा संपन्न किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत धार्मिक अनुष्ठान एवं कबीर वाणी के पाठ से हुई। इसके उपरांत मुख्य वक्ता आदरणीय राजवीर आर्य ने अपनी ओजस्वी वाणी में सतगुरु कबीर साहेब के भजनों एवं उपदेशों की संगीतमय प्रस्तुति दी। उनकी भक्तिमयी प्रस्तुति ने पूरे प्रांगण को कबीर साहेब के विचारों से सराबोर कर दिया और उपस्थित समस्त साध-संगत मंत्रमुग्ध होकर झूमने पर मजबूर हो गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 'कोरी भुइयार जनकल्याण एवं विकास समिति' (उत्तर प्रदेश, पंजीकृत) के प्रदेश अध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी ने कहा कि आश्रम की प्रगति और उत्थान



के लिए नए आयाम जोड़ने की अत्यंत आवश्यकता है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक कबीर साहेब के संदेशों को पहुँचाया जा सके। इसी क्रम में विचार व्यक्त करते हुए मास्टर बालेंद्र ने संगठन में एकता और भाईचारे पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना ही सबसे बड़ा आधार है। कार्यक्रम के दौरान अजमेर सिंह एडवोकेट ने प्रशासनिक एवं कानूनी जानकारियों का हवाला देते हुए समाज के लोगों को सतर्क व जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने अवगत कराया कि चाहे कोरी समाज हो या भुईयार समाज, हमारी सभी गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रशासनिक निगरानी बनी हुई है, इसलिए समाज को पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। इस ऐतिहासिक प्रकटोत्सव समारोह के अवसर पर क्षेत्र एवं समाज के अनेक प्रमुख लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षक बलराज आर्य, अध्यक्ष सुरेश चंद बहुपुरा, अनिल पटवारी, नरेंद्र भुईयार, स्वराज सिंह, मास्टर बलिंदर, महेंद्र सिंह, अजय कुमार, प्रमोद कुमार (हरिद्वार), नरेश कुमार, रतनलाल, धनपाल, संजीव कुमार, दाताराम तथा इंजीनियर रामकिशोर सहित भारी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मोरना में कोर्ट से राहुल गांधी के बरी होने पर जश्न: कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाइयाँ

सुल्तानपुर कोर्ट के फैसले को कार्यकर्ताओं ने बताया लोकतंत्र और न्याय की जीत



मोरना (मुजफ्फरनगर)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ दिए गए बयान के मामले में सुल्तानपुर स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी को बरी किए जाने के फैसले से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। मोरना क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस फैसले को सत्य और लोकतंत्र की जीत बताते हुए एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। किसान कांग्रेस के पश्चिमी यूपी अध्यक्ष मनोज चौधरी के आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने न्यायालय के निर्णय का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मनोज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायपालिका के इस फैसले से यह साबित हो गया है कि अंततः सत्य की ही विजय होती है। मनोज चौधरी ने सत्ता पक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि वर्तमान सरकार तानाशाही के मामले में अंग्रेजी हुकूमत को भी पीछे छोड़ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ सत्ताधारी दल के नेताओं को विपक्षी नेताओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने की खुली छूट दी गई है, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने के लिए उन पर अनर्गल मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को बरी किया जाना देश के संविधान और लोकतंत्र की बड़ी जीत है।

मिठाई बांटकर जताई खुशी, कई कार्यकर्ता रहे मौजूद

कोर्ट के फैसले से उत्साहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और नारेबाजी के बीच एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस दौरान मुख्य रूप से तेजपाल सिंह, मोनू, राहुल, पवन, सुखबीर सिंह, लक्की, संजू, जितिन और नीटू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोरना में वाल्मीकि जयंती की धूम: भाजपा नेता ने फीता काटकर किया शोभायात्रा का शुभारंभ, महर्षि के आदर्शों को अपनाने का दिया संदेश

आदिकवि के प्रकटोत्सव पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। कस्बा मोरना में आदिकवि एवं पावन रामायण के रचयिता भगवान महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती के पावन अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने फीता काटकर शोभायात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई शोभायात्रा

मोरना के मुख्य मार्गों से होकर निकाली गई इस भव्य शोभायात्रा में क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियाँ और कबीर व वाल्मीकि साहेब के भजनों की धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। पूरे मार्ग में स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया गया।



महर्षि वाल्मीकि के विचार समाज के लिए मार्गदर्शक

शुभ शुभारंभ के उपरांत श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भाजपा नेता अमित राठी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के विचार और शिक्षाएँ मानव समाज को सदैव सत्य, धर्म, न्याय और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा रचित रामायण हमें जीवन में नैतिक मूल्यों और कर्तव्यों का बोध कराती है। अमित राठी ने सभी से महर्षि वाल्मीकि जी के बताए आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए समाज में सद्भाव, समरसता और भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कई गणमान्य जन रहे मौजूद

इस अवसर पर धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमल वाल्मीकि, प्रदीप वाल्मीकि, जितेंद्र वाल्मीकि, संजीव कश्यप, बिन्नू राठी, संजीव पाल, सोनू पाल, विशु सहरावत तथा अंकुर ठाकरान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।



करवाचौथ पर पर ट्राई करें ये हेयर स्टाइल्स

करवाचौथ पर एथनिक आउफिट्स के साथ जूलरी और हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है.खासतौर पर एथनिक आउटफिट्स पर हेयर स्टाइल का एक खास रोल है लेकिन फिर भी कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट के साथ मैचिंग जूलरी का तो खास ख्याल रखते हैं लेकिन बालों पर सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर करके इन्हें भूल जाते हैं.ऐसे में करवा चौथ के लिए हम आपको सजेस्ट कर रहे हैं कुछ हेयर स्टाइल्स आप इनमें से कोई भी एक हेयर स्टाइल पिक कर सकते हैं.

मेसी बन

आपने अगर सिर्फ सेलिब्रिटीज को ही इस लुक में देखा है, तो इस बार आप खुद भी इस हेयर स्टाइल को खुद पर अप्लाई करके देखें.एथनिक आउटफिट्स खासकर साड़ी, लहंगा-चोली के साथ मेसी बन से लुक बहुत अच्छा लगता है.

वेव वॉटरफॉल

इस हेयर स्टाइल में आपने कृति सेनन को देखा होगा.इस हेयर स्टाइल में बाल वेवी बनाकर आपको सारे बाल एक साइड करने होते हैं.आप चाहें, तो अपर साइड में एक फ्रेंच स्टाइल चोटी भी बना सकते हैं.

फिशटेल

यह हेयर स्टाइल कुर्ती या फिर सलवार-कमीज के साथ बहुत अच्छा लगता है.इस हेयर स्टाइल में आपको एक साइड से चोटी करनी होती है. आलिया भट्ट ने कई फिल्मों में इस हेयर स्टाइल को अप्लाई किया है.

ट्रेडिशनल बन विद गजरा

यह हेयर स्टाइल कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता.आपको ट्रेडिशनल बन यानी जूड़ा बनाकर इसमें गजरा सेट करना है.आपको अगर गजरा हैवी लगता है या फिर पसंद नहीं है, तो फिर ट्रेडिशनल बन में आप गुलाब का फूल भी लगा सकते हैं



करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे नेल आर्ट की ये डिजाइंस

अगर आप करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइंस करवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे

इन दिनों नेल आर्ट काफी ट्रेंड में है और कई सारे खास मौके पर महिलाएं अपने हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए नाखूनों पर नेल आर्ट डिजाइन बनावती हैं। वहीं अब करवा चौथ का त्योहार आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। वहीं अगर आप गे करवा चौथ के मौके पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप ये नेल आर्ट डिजाइंस अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

मार्बल डिजाइन नेल आर्ट

यह मार्बल डिजाइन नेल आर्ट इन दिनों काफी फैशन में है और अगर आप अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप लाइट कलर के आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

आगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट को बनाने के लिए आपको नेल पॉलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं। यह नेल आर्ट भी हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह के नेल आर्ट को आप नेल साथ ही ग्लिटर की मदद से बनाएं साथ ही मार्केट से आप इस नेल आर्ट डिजाइन बनवा जा सकता है। रेड कलर का ये नेल आर्ट डिजाइन भी आपकी खूबसूरती में चार चाँद लगाना का काम करेगा और इस नेल आर्ट को आप घर पर ही दो नेल पॉलिश की मदद से बनवा सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन नेल आर्ट

नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है और इस तरह का नेल आर्ट लाइट कलर की नेल पॉलिश से बना सकती हैं साथ ही इसमें फूल का डिजाइन भी बनवा सकती हैं।

स्पार्कल नेल आर्ट

यह नेल आर्ट डिजाइन भी काफी ट्रेंड में है और अगर आपको ये समझ नहीं आ रहा है कि कसी तरह नेल आर्ट डिजाइन आप अपने नाखूनों को बनवाएं तो आप इस तरह का स्पार्कल नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।





रॉयल लुक के लिए करवा चौथ के मौके पर स्टाइल करें इस तरह के सूट

अगर आप न्यू लुक चाहती हैं तो आप इस तरह का सूट करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती है। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

महिलाओं को सलवार-सूट पहनना काफी पसंद है और कई सारे मौके पर महिलाएं इन्हें स्टाइल करती हैं। वहीं अगर आप करवा चौथ पर सूट पहनने का सोच रही हैं और रॉयल लुक चाहती हैं तो आप अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले अफगानी सूट दिखा रहे हैं जो आप करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। ये सूट न्यू लुक पाने के लिए बेट्स ऑप्शन हो सकते हैं और इस तरह के सूट में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी।

प्रिंटेड अफगानी सूट

अगर आप सिंपल लुक चाहती हैं तो आप इस तरह के प्रिंटेड अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा।

इस सूट को करवा चौथ पर दिन में होने वाली पूजा के दौरान वियर कर सकती हैं और इस सूट को 1,500 से 3,000 रुपये में खरीद सकती हैं।

सिल्क प्रिंटेड अफगानी सूट

यह सिल्क फैब्रिक वाला अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर स्टाइल कर सकती है। यह सूट सिल्क फैब्रिक में है और इस सूट बेहद ही खूबसूरत ब्लाक प्रिंट में है। इस तरह का सूट आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा और इस सूट को आप 2,500 रुपये की कीमत मिल जाएंगी।

एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट

यह एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर न्यू लुक पाने के लिए आप वियर कर सकती हैं। इस सूट में बेहद ही खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी की गई है। जिसमें आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस सूट को अप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 2,500 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।



करवा चौथ पर ज्यादातर महिलाएं इस दिन साड़ी पहनना पसंद करती हैं लेकिन कुछ महिलाएं औसत से कम हाइट होने की वजह से साड़ी पहनने से हिचकने लगती है। उन्हें लगता है कि साड़ी उन पर अच्छी नहीं लगेगी या फिर साड़ी सिर्फ लम्बी हाइट की महिलाओं पर अच्छी लगती है लेकिन ऐसा नहीं है। आप अगर किसी भी ड्रेस को कुछ बेसिक स्टाइलिंग टिप्स के साथ कैरी करते हैं, तो आप पर हर ड्रेस अच्छी लगती है। साड़ी के साथ भी ऐसे ही कुछ स्टाइलिंग टिप्स जुड़ें हैं।

फ्लोरल डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फ्लोरल डिजाइन एवरग्रीन फैशन ट्रेंड में रहता है। इस तरह की साड़ी में आपको ज्यादातर बॉर्डर और साड़ी के पल्लू में देखने को मिलेगा। वहीं सोबर लुक चाहती हैं तो इसमें आप पेस्टल कलर

करवाचौथ के लिए खास हैं जॉर्जेट साड़ी की ये डिजाइंस

कॉम्बिनेशन की साड़ियां ट्राई कर सकती हैं। लुक में जान डालने के लिएपर्ल ज्वेलरीको स्टाइल कर सकती हैं। मेकअप के लिए ग्लॉसी लुक को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा-पट्टी डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फैंसी डिजाइन में साड़ी ढूंढ रही हैं तो किसी भी प्लेन साड़ी में अपनी पसंद की गोटा-पट्टी लेस लगवा सकती हैं। इसमें आप एक से ज्यादा डिजाइन की लेस भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ में आप कानों में गोल्डन झुमकी को पहन सकती हैं। देखने में इस तरह का लुक काफी मिनिमल और फैंसी लुक देने में मदद करता है।

मल्टी-शेड जॉर्जेट साड़ी

आखिरी साल आलिया भट्ट ने एक फिल्म के दौरान एक के बाद एक जॉर्जेट साड़ी को पहना था, जिसके बाद बॉलीवुड स्टाइल प्लेन साड़ी काफी चर्चा में नजर आई हैं। ऐसे में मल्टी-शेड के कलर कॉम्बिनेशन वाली साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। इस तरह की साड़ी के साथ में आप बोहो ज्वेलरी पहन सकते हैं।



ऐसे करें अपना श्रृंगार नहीं हटेगी पति की नजर

सुहागिनों का सबसे बड़ा पर्व माने जाने वाला करवा चौथ शादीशुदा महिलाओं के लिए बहुत खास माना जाता है. महिलाएं करवा माता और शिव-पार्वती से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं.इस दिन सभी सुहागिन महिलाएं पूरा दिन निर्जला व्रत रखती और रात में चांद दिखने के बाद ही पानी या अन्न ग्रहण करती हैं. करवाचौथ में शिव-पार्वती, कार्तिक और करवा चौथ माता की पूजा की जाती है.

करवा चौथ के दिन महिलाएं 16 श्रृंगार कर दुल्हन की तरह खुद को संवारती हैं. करवा चौथ के समय पार्लर और ब्यूटी शॉप पर महिलाओं की खासा भीड़ लगी रहती है.लेकिन इस साल कोरोना के कारण पार्लर जाना सुरक्षित नहीं है.तो ऐसे में हम आपके लिए कुछ खास ब्यूटी टिप्स लाए है, जिसे अपनाकर आप करवा चौथ के दिन एकदम परफेक्ट लग सकती हैं.

हाथों में लगाएं मेहंदी

मेहंदी हर त्योहार और सुहागिनों की पहचान होती है इसलिए करवाचौथ से एक दिन पहले अपने हाथों में मेहंदी जरूर लगाएं. मेहंदी मोहब्बत की पहचान है, क्योंकि इसके रंग की गहराई ये बताती है कि पति अपनी पत्नी को कितना प्यार करता है.

निखारें अपने हाथ और पैरों को

अपने हाथों और पैरों को और अधिक सुंदर बनाने के लिए आप वैक्सिंग, मैनिक्योर, पेडिक्योर आदि भी करा सकती हैं.नाखूनों के लिए बहुप्रचलित नेल आर्ट की ओर भी आप रुख कर सकती हैं.

फैस पैक का करें इस्तेमाल

त्वचा को स्वस्थ रखने और इसमें चमक बनाए रखने के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप अधिक से अधिक पानी पीएं.मुल्तानी मिट्टी के साथ शहद वाले घर में बने घरेलू पैक का इस्तेमाल करें.अपने रोजाना की डाइट में फल और हरी सब्जियां लें.

ऐसे सजाएं अपने आंखों को

रंगीन या सबका ध्यान खींचने वाले रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें.आप डबल आई लाइनर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.पहले साधारण ब्लैक लाइनर का इस्तेमाल करें और फिर उसके ऊपर रंगीन लाइनर का.अगर आप वाकई आई शैडो का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो फिर आप कच्चे रंग को चुनें या फिर उसके ऊपर भूरा या काले रंग का इस्तेमाल स्मूक के तौर पर करें. आंख के बीचो-बीच कुछ ऐसे रंग का इस्तेमाल करें जो सबका ध्यान खींचे.

इन लिपिस्टिक को करें ट्राई

लिप्स यानी होंठ हमेशा ही आपके लुक को पूरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.मरून और लाल रंग की लिपिस्टिक का इस्तेमाल यहां न करें.किसी दूसरे मुख्य रंगों में से एक को चुनें, जैसे गहरा भूरा, बरगंडी ताकि आप कुछ अलग और आकर्षक लग सकें.

चेहरे को ऐसे बनाएं सुंदर

चेहरे पर फाउंडेशन एकसार लगाएं जिससे कि आपका मेकअप ज्यादा भड़कीला नहीं लगे.इसके बाद कॉम्पैक्ट पाउडर से टचअप करें.वहीं चेहरे की ड्राईनेस दूर करने के लिए क्रीम या लोशन लेकर हल्के हल्के हाथों से लगाएं.इससे आपकी स्किन को नमी बरकरा रहेगी और मेकअप लंबे समय तक बना रहेगा.

आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग एक्शन में

गौतमबुद्धनगर। आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की अलग अलग टीमों द्वारा जनपद में 24 एवं 25 अक्टूबर 2026 को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के वेयर हाउस एवं स्टोरों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इकोटेक 3 ग्रेटर नोएडा स्थित बिग बॉस्केट एवं ब्लिंकिट के वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया, साफ सफाई व्यवस्था सही न मिलने व अन्य अभिलेख मौके पर न दिखाए जाने पर सुधार नोटिस दिए गए, इसके अतिरिक्त जोमेटो हाइपरमार्ट में खामियां मिलने पर उसे भी नोटिस दिया गया। दादरी स्थित स्विग्गी तथा जोमेटो हाइपरमार्ट को चेक किया गया



और जोमेटो हाइपरमार्ट से पनीर का 01 नमूना लिया गया एवं साफ सफाई सही न होने तथा आवश्यक अभिलेख मौके पर प्रस्तुत न किए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया गया।

इसी प्रकार सूरजपुर , बीटा-01 ग्रेटर नोएडा एवं सेक्टर-62 नोएडा स्थित ब्लिंकिट स्टोर पर भी साफ सफाई व्यवस्था उचित न होने व आवश्यक अभिलेख समय पर प्रस्तुत न किए जाने पर नोटिस जारी किया गया तथा सूरजपुर के स्टोर से मूंगफली के दाने का 01 नमूना लिया गया। सेक्टर 135 नोएडा स्थित जेप्टो स्टोर के निरीक्षण में कोल्ड रूम में सफाई न होने तथा अव्यवस्था होने पर आवश्यक सुधार होने तक कोल्ड रूम व्यवसाय का संचालन बंद कराया गया। इसके अतिरिक्त आवश्यक अन्य अभिलेख मौके पर प्रस्तुत न करने पर सुधार नोटिस भी जारी किया गया। पी -01 ग्रेटर नोएडा स्थित जिओ मार्ट, पी-03 ग्रेटर नोएडा स्थित के0वी0 इंटरप्राइजेज व जेप्टो स्टोर, इटहेरा इकोटेक-04 स्थित ए एंड डी नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर 128 नोएडा स्थित पी वाई डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (स्विगी स्टोर) , शाहदरा नोएडा स्थित जेप्टो के डार्क स्टोर, मथुरापुर ग्रेटर नोएडा स्थित पी जे टी जे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड तथा तुगलपुर स्थित अमेजन स्टोर की चेकिंग की गई, सभी के पास मौके पर आवश्यक अभिलेख यथा कामगारों के स्वास्थ्य प्रमाणपत्र , पेस्ट कंट्रोल रिपोर्ट, एक्सपायरी डेट से खाद्य पदार्थों को स्टोर से कितने दिन पहले हटाया जाना है संबंधी एसओपी मौके पर प्रस्तुत न किए जाने पर सुधार नोटिस जारी किए गए । पी जे टी जे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड से तिल के तेल का 01 नमूना भी लिया गया ।

इस प्रकार कुल 18 ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वाले वेयरहाउस तथा स्टोरों की चेकिंग की गई, जिनमें से 16 को सुधार नोटिस जारी किए गए तथा 03 नमूनें लेकर जांच हेतु भेजे गए। सभी को सख्त चेतावनी दी गई सभी आवश्यक अभिलेख स्टोरों पर सुरक्षित रखें जाए और मांगने पर प्रस्तुत किए जाएं तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी प्राविधानों का पालन करते हुए ही खाद्य सामिग्री प्राप्त करें व उपभोक्ताओं को सप्लाई करें। कार्यवाही में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी व खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओमपाल सिंह, अमर बहादुर सरोज, मुकेश कुमार, विजय बहादुर पटेल, श्री रविंद्र नाथ वर्मा, विशाल गुप्ता एवं रितु सक्सेना शामिल रहीं।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

सर्वसम्मति से एफएमसीएल ने की नई नियुक्तियां

नोएडा। एफ एम सी एल ऑफ इंडिया नई दिल्ली आशीष कुमार द्वारा अवगत कराया गया है किसान उपभोक्ता बहु-राज्य सहकारी समिति लिमिटेड (स्नस्ष्टस्रु हस्न ढ्ढह्लष्ठढ्ढ) कि 24 अक्टूबर, 2026 को फार्मर्स कंज्यूमर मल्टी-स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, जो कि केंद्रीय सहकारी समिति रजिस्ट्रार, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पंजीकृत संस्था है, के निदेशक मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों एवं संस्था के निर्वाचित अध्यक्ष राम कुमार वालिया जी के अनुमोदन के उपरांत तत्काल प्रभाव से मानद एवं अवैतनिक रूप में राज्य समन्वयक दुष्यंत सिंह पाल एवं जिला समन्वयक नैनीताल मनोज खुल्बे, श्रीमती सरोजिनी कठोर जिला कोऑर्डिनेटर पौड़ी गढ़वाल, रघुवीर राणा जिला कोऑर्डिनेटर रुद्रप्रयाग, डीएस नेगी जिला कोऑर्डिनेटर चमोली, ी पी सिंह जिला कॉर्डिनेटर



हरिद्वार, उत्तराखंड के कृषि विभाग में रिटायर्ड डायरेक्टर डॉक्टर एस के मलिक को जिला कोऑर्डिनेटर उधम सिंह नगर तथा जनाब अकरम अंसारी को जिला कोर्डिनेटर देहरादून नियुक्त किया गया है। नियुक्त समन्वयकों की जिम्मेदारी अपने-अपने राज्यों एवं जिलों में संस्था के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं पहलों का प्रचार-प्रसार करना, लोगों को सदस्य एवं प्रतिनिधि के रूप में जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना, मल्टीपरपज स्टोर, पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसी स्थापित करने के इच्छुक व्यक्तियों से संपर्क स्थापित करने में सहायता करना (नियमानुसार एवं अनुमोदन के अधीन) तथा अपने-अपने क्षेत्रों में संस्था के नेटवर्क एवं जनसंपर्क का विस्तार करना होगी।

बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए बनेगा पड़ोसियों का नेटवर्क

नोएडा। शहर में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विचारमंथन फोरम ने महत्वपूर्ण पहल की है। सेक्टर-37 में आयोजित फोरम की सोशल एडवाइजरी बोर्ड बैठक में बुजुर्गों और सुपर सीनियर सिटीजन की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ऐसे सुझाव सामने आए। जिनके माध्यम से अकेले रहने वाले बुजुर्गों की मदद, उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। बैठक का मुख्य एजेंडा सीनियर सिटीजन केयर रहा। इसमें प्रत्येक सेक्टर में वरिष्ठ नागरिकों का रजिस्टर तैयार करने, अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिए पड़ोसियों का सहयोग सुनिश्चित करने, युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने और घरेलू सहायकों एवं ड्राइवरों के पुलिस सत्यापन जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता पूर्व आईएएस अधिकारी देव दत्त शर्मा ने की। उन्होंने शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी पांच प्रमुख मांगों पर चर्चा की। इनमें वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, वाई-फाई युक्त पार्क, सार्वजनिक परिवहन, सुरक्षा और सांस्कृतिक इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।बैठक में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल को प्राथमिकता देते हुए सुझाव दिया गया कि प्रत्येक सेक्टर में रहने वाले बुजुर्गों का व्यवस्थित रजिस्टर तैयार किया जाए। इसमें उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और बीमा विवरण को शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी सहायता करने में आसानी हो। अकेले रहने वाले बुजुर्गों की मदद के लिए 10 पड़ोसी परिवारों को जोड़ने का सुझाव शहर में ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हो सकते हैं, जिनके बच्चे दूसरे शहरों या विदेशों में रहते हैं अथवा जो किसी कारण से अकेले जीवन बिता रहे हैं। ऐसे लोगों की जरूरत के समय मदद सुनिश्चित करने के लिए बैठक में एक विशेष मॉडल पर चर्चा हुई। इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों को अकेलेपन से बचाने के साथ-साथ उनके आसपास सहयोग और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना है। हालांकि, इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए आगे इसकी कार्ययोजना और जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना होगा। देवदत्त शर्मा ने 'अपना घर' और बिहार के सीतामढ़ी में सीता सखी केंद्र के निर्माण की योजना के बारे में जानकारी दी। वहीं, राजेश अरोड़ा ने जरूरतमंद लोगों के लिए 100 ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराने की घोषणा की। सुभाष चंद्र और अरुण गोयल ने योग केंद्रों सहित विभिन्न सामाजिक पहलों में सहयोग का आश्वासन दिया। आगामी बैठक 14 अप्रैल को होगी।

दनकौर में अशोक भाटी ने किया ओम क्लिनिक का शुभारंभ

नोएडा। दनकौर में झाझर रोड स्थित ओम क्लिनिक का शुभारंभ भारतीय किसान यूनियन के गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर किया। इस अवसर पर वेदानंद महाराज के सान्निध्य में यज्ञ का आयोजन किया गया। उपस्थित लोगों ने सनातन धर्म की उन्नति, किसान हितों एवं जनकल्याण की कामना के साथ यज्ञ में आहुतियाँ अर्पित कीं। कार्यक्रम में भंडारे का भी आयोजन किया गया।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने क्लिनिक के संचालक डॉ. विवेक जांगिड़ को नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि क्लिनिक के माध्यम से क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध होंगी।

इस दौरान अशोक भाटी ने डॉ. विवेक जांगिड़ के पिता डॉ. श्रीचंद जांगिड़ को माला पहनाकर सम्मानित



किया। उन्होंने बेटे को अच्छी शिक्षा और संस्कार देकर आगे बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की।

युवाओं को संबोधित करते हुए अशोक भाटी ने कहा कि वे डॉ. विवेक जांगिड़ से प्रेरणा लेकर शिक्षा और अपने चुने हुए क्षेत्र में मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ें। अपनी उपलब्धियों और अच्छे कार्यों से माता-पिता तथा समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और समाजसेवा की भावना भी जीवन में विशेष महत्व रखती है।

कार्यक्रम में दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी, पूरन सिंह पहलवान, हरीराज पहलवान, विपिन प्रधान, बलजीत भड़ाना, बिंटू, अरविंद तंवर और बिजेंद्र तंवर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़: 25 हजार का इनामी बदमाश शानू घायल, पैर में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने सोमवार शाम को एक मुठभेड़ के दौरान हत्या के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश शानू उर्फ शान मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक .315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को थाना जेवर पुलिस की टीम जफरगढ़-चांचली रोड के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर वह रुकने के बजाय अपनी मोटरसाइकिल को तेजी से मोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने



तुरंत मोटरसाइकिल सवार का पीछा किया। खुद को चारों तरफ से घिरता देख आरोपी बाइक से नीचे उतर गया और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने अपनी जान की रक्षा करते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। घायल बदमाश की पहचान शानू उर्फ शान मोहम्मद पुत्र यूनुस, निवासी मोहल्ला व्यापारियान, कस्बा जहांगीरपुर, थाना जेवर, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार ने इस संबंध में पूरी जानकारी दी है।

एडीसीपी संतोष कुमार के अनुसार, गिरफ्तार किया गया आरोपी 7 अक्टूबर 2026 को थाना जेवर क्षेत्र में इमरान (36) की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में वांछित चल रहा था। इस संबंध में थाना जेवर में पहले से मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा यह आरोपी थाना रोरावर, जनपद अलीगढ़ में दर्ज एक अन्य मुकदमे में भी वांछित था। इसी मामले में उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। संबंधित मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की विभिन्न धाराएं शामिल हैं। पुलिस अब आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए फोर्टिस हॉस्पीटल ने किया स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। फोर्टिस हॉस्पीटल, ग्रेटर नोएडा ने वरिष्ठ नागरिक समाज, ग्रेटर नोएडा के साथ मिलकर वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और रोगों से बचाव तथा उनके बीच स्वास्थ्य साक्षरता का प्रसार करने के उद्देश्य से 'गोल्डन ईयर्स, हेल्थी ईयर्स' सत्र का आयोजन किया।

इस सामुदायिक पहल ने वरिष्ठ नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को एकजुट किया, और जी के राघव, अध्यक्ष, श्रीमती उर्वशी सिंह, उपाध्यक्ष, एम पी सिंह, महासचिव, तथा डी के सिंह, कोषाध्यक्ष समेत सुश्री बिंदु शर्मा, फेसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल, ग्रेटर नोएडा ने भी हिस्सा लिया। ग्रेटर नोएडा के 120 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने इस सत्र में भाग लिया।

इस जागरूकता सत्र के दौरान डॉक्टरों ने प्रतिभागियों को बढ़ती उम्र संबंधी सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं, जिनमें उच्च रक्तचाप और मधुमेह के अलावा उच्च कलेस्ट्रोल और हृदय संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं, जोड़ों की सेहत, स्लिप डिस्क और सायटिका, स्ट्रोक प्रमुख है, के प्रबंधन के अलावा इन के शुरुआती लक्षणों की पहचान करने के बारे में जानकारी दी। सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा तथा बचाव संबंधी जागरूकता बढ़ाने वाले इस प्रोग्राम के जरिए प्रतिभागियों को आरंभिक निदान (डायग्नॉसिस) और लाइफस्टाइल संबंधी बदलावों के बारे में जानकारी दी गई।

श्री जी के राघव, अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक समाज, ग्रेटर नोएडा, ने कहा, 'स्वास्थ्य संबंधी स्पष्ट और व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध होने पर वरिष्ठ नागरिक सूचना आधारित फैसले

ले सकते हैं और अपनी आत्मनिर्भरता भी बनाए रख सकते हैं। इस सत्र ने हमारे सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी सामान्य चुनौतियों और सरोकारों को समझने, सवाल पूछने और यह समझने का मौका दिया दिया कि कब उन्हें मेडिकल परामर्श लेना चाहिए। इस प्रकार की पहल बढ़ती उम्र में लोगों को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है। '

सुश्री बिंदु शर्मा, फेसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल, ग्रेटर नोएडा, ने कहा, 'स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम वृद्ध लोगों को अपनी सेहत से संबंधित परेशानियों के बारे में बातचीत करने और रोगों से बचाव तथा समय पर समुचित उपाय करने के अवसर प्रदान करते हैं। वरिष्ठ नागरिक समाज के साथ इस सत्र के जरिए हमारा मुख्य जोर वरिष्ठ नागरिकों को उनकी सेहत के बारे में सूचना आधारित फैसले लेने के लिए प्रेरित करना और इस बारे में उन्हें व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। हम इस सत्र में प्रतिभागिता के लिए उनके सदस्यों के आभारी हैं। '

गाजियाबाद में ऑपरेशन प्रहार के तहत दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, 3 किलो से अधिक गांजा बरामद

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की ओर से अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत वेवसिटी थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 60 ग्राम गांजा बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी दिल्ली से गांजा लाकर डासना क्षेत्र में उसकी बिक्री करते थे। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, 26 अक्टूबर 2026 को वेवसिटी थाना पुलिस की टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मैनुअल इनपुट के आधार पर मकतूम शाह की ओर जाने वाले रास्ते के पास डासना से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान इरशाद पुत्र यासीन और मुमतियाज उर्फ बोडो पुत्र प्यारमोहम्मद के रूप में हुई है। दोनों ईदगाह कॉलोनी, डासना के



निवासी बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में जीजा-साले हैं और दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ियों के आसपास रहने वाले लोगों से गांजा खरीदकर लाते थे। इसके बाद उसे छोटी-छोटी मात्रा में बेचते थे। आरोपियों ने पूछताछ में परिवार का खर्च चलाने के लिए गांजे की बिक्री करने की बात कही है।

पुलिस अब आरोपियों द्वारा बताए गए गांजे के स्रोत और इस कारोबार से जुड़े अन्य संभावित लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी इरशाद के खिलाफ वेवसिटी थाने में गांजा बरामदगी से जुड़े दो मुकदमे, जिनमें वर्तमान मामला भी शामिल है, दर्ज हैं। इसके अलावा उसके खिलाफ बलवा, हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने से संबंधित एक अन्य मुकदमा भी दर्ज बताया गया है।

वहीं, मुमतियाज उर्फ बोडो के खिलाफ वर्तमान मामले सहित कुल दो मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इनमें एक मामला बलवा, हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने से संबंधित बताया गया है। पुलिस उसके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में गांजे की आपूर्ति के स्रोत और संभावित नेटवर्क की जांच की जा रही है।

गाजियाबाद में वृहद रोजगार मेले का आयोजन, 37 कंपनियों में 2500 युवाओं को रोजगार का अवसर

गाजियाबाद। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित जयपुरिया स्कूल में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने मुख्य रूप से प्रतिभाग किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर रोजगार मेले का शुभारंभ किया और उपस्थित युवाओं को संबोधित किया। आयोजकों के अनुसार, मेले में करीब 37 कंपनियों के माध्यम से लगभग 2500 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया। इस दौरान मंत्री ने 10 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का है। ऐसे में



युवाओं को नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करना और उन्हें रोजगार से जोड़ना महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में वन एम वन बी कंपनी की ओर से युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मंत्री ने जानकारी दी कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से आगामी चार नवंबर को मेवाड़ इंस्टीट्यूट में भी रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से ऐसे अवसरों का लाभ उठाने और बदलती तकनीक के अनुरूप अपनी क्षमताएं विकसित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने तत्काल 10 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह नौकरी उनके जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए आयोजकों का आभार जताया।

रोजगार मेले में वन एम वन बी कंपनी के सीईओ ने बताया कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान यह समझाया गया कि सवालों के सही जवाब कैसे दिए जाएं और किस तरह अपनी तैयारी को बेहतर बनाकर सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने युवाओं को कौशल विकास और प्रभावी तैयारी के महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री और उनके परिवार को लेकर आपत्तिजनक बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह कांग्रेस का पुराना चरित्र है और ऐसे बयान पार्टी के संस्कारों को दर्शाते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव ने जिला जेल एवं अपना घर आश्रम नोएडा का किया निरीक्षण



गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 उपाध्यक्ष (उपमंत्री स्तर प्राप्त) अपर्णा यादव द्वारा आज जनपद गौतमबुद्धनगर के भ्रमण के दौरान कासना स्थित जिला जेल तथा सेक्टर-34, नोएडा स्थित अपना घर आश्रम नोएडा (राजकीय विशेषीकृत गृह भवन) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए महिला बंदियों एवं आश्रम में निवासरत मानसिक रूप से दिव्यांग महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभवों तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

जिला जेल के निरीक्षण के दौरान मा0 उपाध्यक्ष ने महिला बंदियों से संवाद कर उनके रहन-सहन, खानपान एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जेल प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके उपरांत अपना घर आश्रम नोएडा के निरीक्षण के दौरान मा0 उपाध्यक्ष ने आश्रम में निवासरत मानसिक रूप से दिव्यांग महिलाओं से आत्मीय संवाद किया तथा उनके रहन-सहन, खानपान एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान जिला जेल एवं अपना घर आश्रम में उपलब्ध व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गईं। मा0 उपाध्यक्ष ने शासन की मंशा के अनुरूप महिला बंदियों एवं मानसिक रूप से दिव्यांग महिलाओं के कल्याण तथा उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी प्रदान दिए।

निरीक्षण के दौरान विधि परिवीक्षा अधिकारी जितेंद्र मौर्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कैफे में आग लगने से युवक की मौत, संचालक और ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज

नोएडा। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रायपुर गांव के पास स्थित एक कैफे में शनिवार की शाम भीषण आग लग गई। इस हादसे में गंभीर रूप से झुलसे साहिल शर्मा नाम के युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने कैफे संचालक और ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा 24 अक्टूबर की शाम को रायपुर गांव के पास स्थित नोक्लुज कैफे में हुआ। उस समय नोक्लुज कैफे के फूड स्टॉल पर मरम्मत का काम कराया जा रहा था। कैफे के भीतर निर्माण कार्य के साथ-साथ फिनिशिंग और बिजली फिटिंग का काम चल रहा था।

सरस्वती कुंज, चिपियाना खुर्द, तिगरी के रहने वाले दलीप चंद्र का बेटा साहिल शर्मा वहां अन्य कर्मचारियों के साथ काम में लगा हुआ था। इसी दौरान अचानक कैफे परिसर में आग भड़क उठी।

आग की चपेट में आई आसपास की आधा दर्जन दुकानें: देखते ही देखते आग ने बेहद विकराल रूप धारण कर लिया। नोक्लुज कैफे में लगी आग की लपटों ने आसपास मौजूद अन्य दुकानों और कैफे को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण अग्निकांड में रायपुर गांव के पास स्थित करीब आधा दर्जन कैफे आग की चपेट में आ गए।

आग लगने के दौरान वहां मौजूद साहिल शर्मा लपटों से बचने में नाकाम रहा और आग की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के तुरंत बाद साहिल शर्मा को इलाज के लिए ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप, ठेकेदार व संचालक पर केस: बेटे की मौत के बाद मृतक साहिल शर्मा के पिता दलीप चंद्र ने थाना सेक्टर-126 में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मृतक के पिता दलीप चंद्र का आरोप है कि कैफे में निर्माण, फिनिशिंग और बिजली फिटिंग का कार्य कराते समय आवश्यक सुरक्षा मानकों का बिल्कुल पालन नहीं किया गया था।

उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है कि कार्य के दौरान अग्नि सुरक्षा से संबंधित जरूरी नियमों की भी अनदेखी की गई। पिता का आरोप है कि इसी लापरवाही के कारण ही उनके बेटे साहिल शर्मा की आग में झुलसकर मौत हुई है। दलीप चंद्र ने कैफे संचालक और बिजली फिटिंग व फिनिशिंग का काम करने वाले ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट, मामले की जांच जारी: इस पूरे मामले पर थाना सेक्टर-126 के प्रभारी निरीक्षक सोमनेश कुमार सिंह ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मृतक के पिता दलीप चंद्र की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना प्रभारी सोमनेश कुमार सिंह के अनुसार, पुलिस की टीम घटना से जुड़े सभी तथ्यों की गहनता से जांच कर रही है। फिलहाल इस मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

जिले में बिना फिटनेस जांच वाहनों की संख्या तीन फीसदी से भी कम हुई

नोएडा। जिले में बिना फिटनेस जांच व्यावसायिक वाहनों की संख्या तीन फीसदी से भी कम रह गई है। विभाग द्वारा चलाए गए कड़े जांच अभियानों, निजी स्वचलित वाहन जांच केंद्रों (एटीएस) पर अनिवार्य मशीन-आधारित जांच, और पंजीकरण पर कार्रवाई करने की चेतावनियों के चलते यह सफलता मिली है।

परिवहन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिले में 12 लाख से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। इनमें निजी और व्यावसायिक, दोनों तरह के वाहन शामिल हैं। इनमें व्यावसायिक वाहनों की संख्या एक लाख से अधिक है। व्यावसायिक वाहनों में टैक्सी, ऑटो, बस आदि व्यावसायिक वाहन शामिल हैं।

परिवहन विभाग के अनुसार इनमें बिना फिटनेस जांच वाहनों की संख्या तीन हजार से भी कम हो गई हैं। बिना फिटनेस जांच वाहनों की सूची में सबसे अधिक संख्या ऑटो और स्कूल बस की थी। इनके मालिकों ने वाहनों को दुरुस्त कराकर फिटनेस जांच प्रमाण पत्र हासिल कर लिया है।

एआरटीओ प्रशासन-प्रवर्तन नंदकुमार ने कहा बिना फिटनेस जांच दौड़ने वाले वाहनों के खिलाफ सख्ती से जांच अभियान चलाया गया है। इसका नतीजा वाहनों की फिटनेस जांच में वृद्धि के रूप में सामने आया है। जो वाहन बिना फिटनेस जांच बचे हैं, उनमें से ज्यादातर के मालिकों का कहना है कि गाड़ियों को वे सड़कों पर नहीं उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी यदि यह वाहन सड़कों पर दौड़ते मिलेंगे तो जब्त कर लिए जाएंगे।

बायोडायवर्सिटी पार्क में 4 पेड़ काटे, पर्यावरणविद् की शिकायत पर केस दर्ज, -आरोपी को वन विभाग ने जारी किया नोटिस



नोएडा। नोएडा के सेक्टर-91 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में बन रहे डियर पार्क में चार पेड़ काटने का मामला सामने आया है। पर्यावरणविद् विक्रांत तोंगड़ की शिकायत पर वन विभाग ने जांच की।

इसमें कैजुरीना प्रजाति के चार पेड़ काटे जाने की पुष्टि हुई है। इसके बाद विभाग ने दादरी रेंज में केस दर्ज कर आरोपी को नोटिस जारी किया है। उससे जवाब मांगा गया है।

वन दरोगा शनि गौतम ने 6 अक्टूबर 2026 को मामले की जांच की थी। जांच में चार पेड़ काटे जाने की जानकारी सामने आई। वन विभाग ने उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 के तहत केस संख्या 53/2026-27 दर्ज किया है। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डियर पार्क में लगाए जाएंगे 3490 पेड़: डियर पार्क में हिरणों और दूसरे वन्यजीवों को प्राकृतिक माहौल देने के लिए 3490 पेड़ लगाने की योजना है। इसके लिए पौधों को पहले नर्सरी में तैयार किया जाएगा।

जब पौधे 18 से 20 फीट ऊंचे हो जाएंगे, तब उन्हें पार्क में लगाया जाएगा। यहां पिलखन, मौलश्री, पाकड़, अशोक, सेमल और कदम समेत कई प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे।

30 एकड़ में बन रहा डियर पार्क: करीब 30 एकड़ में बन रहे डियर पार्क में 12 छोटे-बड़े बाड़े बनाए जा रहे हैं। इनमें से 9 का निर्माण पूरा हो चुका है। हर बाड़े में करीब 18 से 20 पौधे लगाने की योजना है, ताकि वन्यजीवों को छाया और हरियाली मिल सके।

डियर पार्क को विकसित करने में करीब 40 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। यहां 99 वन्यजीवों को रखने की योजना है।

संक्षिप्त समाचार

महर्षि वाल्मिकी जयंती पर कड़ी सुरक्षा में निकला जुलूस

नोएडा। महर्षि वाल्मिकी जयंती के अवसर पर सोमवार को ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग स्थानों से जुलूस निकाला गया। जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एलजी गोल चक्कर के अलावा जगत फार्म के आसपास संवेदनशील स्थानों और जुलूस के मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार स्वयं पुलिसकर्मियों के साथ मार्ग पर निगरानी करते रहे। जबकि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। जुलूस में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने महर्षि वाल्मिकी के जीवन और उनके आदर्शों को याद किया। जुलूस निर्धारित मार्ग से होते हुए आगे बढ़ा। इस दौरान लोगों ने जयकारे लगाए और माहौल भक्तिमय रहा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने भी जुलूस के मार्ग का निरीक्षण किया और अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से सहयोग की अपील की गई।

मार्च में पूरा होगा इंडोर स्टेडियम का निर्माण

नोएडा। सेक्टर-12 स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में बन रहे इंडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी ने स्कूल प्रबंधन को मार्च में स्टेडियम तैयार कर हैंडओवर करने का समय दिया है। अलंकार योजना के तहत बनाए जा रहे इस स्टेडियम से स्कूल के विद्यार्थियों को खेलकूद की बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। स्टेडियम में कबड्डी, बॉक्सिंग और बास्केटबॉल जैसे खेलों के लिए कोर्ट तैयार किए जा रहे हैं। इससे इन खेलों में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को स्कूल परिसर में ही अभ्यास करने का अवसर मिलेगा। राजकीय इंटर कॉलेज की वरिष्ठ लेक्चरर डॉ. ऋतु सिंह ने बताया कि निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी की ओर से मार्च में स्टेडियम हैंडओवर करने की बात कही गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरकर युवक की मौत

नोएडा। फेज-वन थाना क्षेत्र के हरौला गांव में रहने वाले एक युवक सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में छत से नीचे गिर गया। परिजनों ने गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान युवक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 46 वर्षीय भोला मूलरूप से देवरिया के रहने वाले थे। वह पिछले कई वर्षों से परिवार के साथ हरौला गांव में रहते थे। वह एक फैक्टरी में काम करते थे। वह शराब पीने के आदि थे। सोमवार सुबह वह संदिग्ध परिस्थितियों में अपने मकान की छत से नीचे गिर गए। उनके भाई और आस-पड़ोस के लोगों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस टीम पर हमले के सात आरोपी बरी

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के मेंहदीपुर गांव में वर्ष 2012 में पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में अदालत ने सभी सात आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। अभियोजन के अनुसार 18 अप्रैल 2012 को कासगंज थाने में दर्ज अपहरण के मामले में वांछित सोहलीन की गिरफ्तारी के लिए उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सारस्वत पुलिस टीम के साथ मेंहदीपुर गांव पहुंचे थे। दबिश के दौरान गांव के करीब 30 लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया। पकड़े गए आरोपी सोहलीन को जबरन छुड़ा लिया था। इस मामले में जेवर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ था। अदालत ने माना कि पुलिस टीम के मेंहदीपुर जाने की बात साबित है। गवाहों के बयानों में इस पर कोई विरोधाभास नहीं है, लेकिन हमलावर भीड़ में आरोपियों की मौजूदगी का कोई विशिष्ट साक्ष्य नहीं मिला। वादी उपनिरीक्षक ने जिरह में स्वीकार किया कि आरोपियों के नाम जेवर पुलिस के बताने पर लिखाए गए थे। विवेचक ने शिनाख्त नहीं कराई और आरोपियों की गिरफ्तारी उनके सामने नहीं हुई। अदालत ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।

यमुना सिटी में पुलिस और यातायात बूथ बनेंगे

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और यातायात को सुचारु बनाने के लिए पुलिस व यातायात बूथ बनाए जाएंगे। इसके लिए कई प्रमुख स्थानों को चिह्नित किया है। इन बूथों के बनने से क्षेत्र में निगरानी बढ़ेगी और लोगों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था मिलेगी।यमुना विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना राजेंद्र भाटी ने बताया कि यमुना सिटी में तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों और बढ़ते यातायात को देखते हुए पुलिस और यातायात बूथों की व्यवस्था की जाएगी। शहर के प्रमुख चौराहों, कट और अंडरपास के आसपास पुलिस व यातायात बूथों की व्यवस्था करने के लिए टेंडर जारी किया गया है।

इसके तहत गलगोटिया विश्वविद्यालय तिराहा, खेड़ा मोड़ रबूपुरा, फलैदा कट, सबौता अंडरपास और खुर्जा व यमुना गौर सिटी (रोनीजा) अंडरपास समेत कई स्थानों को चिह्नित किया गया है। इन बूथों के बनने से प्रमुख मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने और यातायात की निगरानी करने में मदद मिलेगी। साथ ही, जरूरत पड़ने पर पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात करने और यातायात संबंधी समस्याओं से निपटने में भी सहूलियत होगी। यमुना सिटी में औद्योगिक, आवासीय और संस्थागत गतिविधियों के विस्तार के साथ लोगों की आवाजाही भी बढ़ रही है। ऐसे में प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

सीनियर मैनेजर ने किया सेक्टर-42 की जर्जर सर्विस रोड, टूटी तारफेंसिंग और यूरिनल की समस्या का निरीक्षण



नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर आर के शर्मा ने सोमवार को सेक्टर-42 का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान आरडब्लूए पदाधिकारियों ने उन्हें सेक्टर की गंभीर समस्याओं से अवगत कराया।

आरडब्लूए द्वारा मांग है कि सेक्टर-42 एवं सेक्टर-48 की बंद पड़ी सर्विस रोड की सभी अड़चनों को दूर कर तुरंत चालू किया जाए जैसे सर्विस रोड के बीच में पड़ रहे बिजली के पोल एवं जर्जर यूरिनल को हटाया जाए। जिससे आमजन मानस को राहत मिल सके ।सेक्टर की सुरक्षा हेतु टूटी हुई तारफेंसिंग को तुरंत ठीक कराया जाए व अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाये ।

सीनियर मैनेजर ने मौके पर सभी समस्याओं को देखा और गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन सभी कार्यों को जल्द ही पूरा किया जायेगा, जिससे सेक्टरवासियों को आवागमन और असुरक्षा से निजात मिलेगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी बीसी प्रधान ने कहा कि 'सेक्टर की सुरक्षा और सुविधा हमारी प्राथमिकता है। सर्विस रोड चालू होने से हजारों लोगों को फायदा होगा और टूटी तारफेंसिंग ठीक होने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। हम उम्मीद करते हैं कि जनहित में जल्द सभी कार्य पूरे होंगे ।

किसानों की मांगों पर वार्ता, दिल्ली कूच स्थगित

नोएडा। किसानों की 16 प्रमुख मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन बलराज और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच वार्ता हुई। वार्ता के बाद संगठन ने 27 अक्टूबर को जीरो पॉइंट से प्रस्तावित दिल्ली कूच को फिलहाल स्थगित कर दिया है। संगठन ने इस आंदोलन में आठ से दस हजार किसानों और कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना जताई थी।

यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी के नेतृत्व में प्राधिकरण कार्यालय में हुई बैठक में किसानों के लंबित मामलों पर चर्चा की गई। बैठक में एसीओ लक्ष्मी सिंह, ओएसडी गिरीश झा, संबंधित महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी और एसीपी सेंट्रल राजीव गुप्ता मौजूद रहे। बैठक में संगठन ने किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा देने, 10 प्रतिशत विकसित भूखंड आवंटित करने और पात्र किसानों को चार व छह प्रतिशत भूखंड देने की मांग उठाई। इसके अलावा लीज बैक के लंबित मामलों और भूमि अधिग्रहण से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण करने की मांग भी रखी गई। संगठन ने किसानों के बच्चों को अस्पतालों और कॉलेजों में 50 प्रतिशत छूट देने, निजी कंपनियों में रोजगार के अवसरों में प्राथमिकता दिलाने और गांवों में समान रूप से विकास कार्य कराने की मांग भी अधिकारियों के सामने रखी।

आश्वासन के बाद लिया निर्णय: राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि किसानों ने क्षेत्र के विकास के लिए अपनी उपजाऊ जमीन दी है। ऐसे में उनके अधिकारों और हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लंबित समस्याओं का जल्द समाधान करने की जरूरत पर जोर दिया।

बैठक में अधिकारियों ने भूखंड आवंटन, लीज बैक और अन्य लंबित समस्याओं पर दीपावली के बाद काम शुरू करने का आश्वासन दिया। इसके बाद संगठन ने प्रस्तावित दिल्ली कूच स्थगित करने का निर्णय लिया।

सिडियम स्कूल के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय जु-जित्सु चैंपियनशिप में जीते आठ पदक



नोएडा। सेक्टर-31 स्थित प्रेसिडियम स्कूल के खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन खिलाड़ियों ने छठी उत्तर प्रदेश राज्य जु-जित्सु चैंपियनशिप-2026 में कुल आठ पदक अपने नाम किए हैं। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने फाइटिंग सिस्टम श्रेणी में हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए तीन स्वर्ण और पांच रजत पदक जीतकर कुल आठ पदक हासिल किए।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने किया था। इस अवसर पर कार्यक्रम में जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के मुख्य संरक्षक डॉ. यशवीर सिंह चौहान भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रेसिडियम स्कूल की ओर से प्रतियोगिता में भाग लेते हुए मोहम्मद साजिद आलम, अद्वित मौर्य और कियारा रेक्सवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं दूसरी ओर, स्कूल के अन्य खिलाड़ियों खुशांक सिंह, रुद्रांश भारद्वाज, रेयांश चौहान, रुद्र चौहान और युवी भारद्वाज ने रजत पदक हासिल किए।

प्रतियोगिता के समापन पर एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। इस समारोह में प्रेसिडियम स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. मानवता शारदा ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जु-जित्सु जैसे मार्शल आर्ट्स से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, एकाग्रता, शारीरिक फिटनेस और आत्मरक्षा की क्षमता विकसित होती है।

इस अवसर पर जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव अमित अरोड़ा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में जु-जित्सु खेल को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तकनीकी अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए इस तरह के आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने और आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी करने का बेहतरीन अवसर मिलता है।

इस चैंपियनशिप के आयोजन के साथ ही 24 से 26 अक्टूबर 2026 तक एक रेफरी सेमिनार का भी आयोजन किया गया था। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य रेफरी एवं तकनीकी अधिकारियों के ज्ञान, नियमों की समझ और निर्णय लेने की क्षमता को और अधिक बेहतर बनाना था। पूरी प्रतियोगिता एवं इस रेफरी सेमिनार के दौरान रेफरी पवन सिरोही और सिराज अहमद ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पूरे आयोजन के दौरान गौरव सती, मनीष गुलिया, प्रिया शर्मा और निशा भट्ट सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार ने बुजुर्गों के लिए दिल्ली 'वृद्धावस्था पेंशन योजना' की शुरुआत की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों के लिए दिल्ली 'वृद्धावस्था पेंशन योजना' की शुरुआत की है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है, ताकि उन्हें अपनी जरूरतों की पूर्ति के किसी दूसरे पर आश्रित नहीं रहना पड़े।

आमतौर पर देखा जाता है कि बढ़ती उम्र इंसान को बेहसहारा कर देती है। इसी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इस योजना की शुरुआत की है। आइए, आगे इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। इस योजना का लाभ उठाने वाले लाभार्थी की उम्र 60 से 69 साल के बीच होनी चाहिए। इस योजना के तहत 2,000 से लेकर 2500 रूपये तक देने का प्रावधान है।

वहीं, 70 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग के लिए 2500 से लेकर 3,000 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है, ताकि बुजुर्ग को किसी भी प्रकार की आर्थिक दुश्वारियों का सामना नहीं करना पड़े। उधर, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अल्पसंख्यक समुदाय के लाभार्थियों को 500/- रुपये प्रति माह की अतिरिक्त राशि प्रदान की जाएगी। वहीं, इस योजना का लाभ वही उठा सकता है, जो दिल्ली में पांच साल से अधिक समय से रह रहा हो और उसकी वार्षिक



आय 1 लाख रुपए अधिक नहीं हो। अगर किसी बुजुर्ग की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक होगी, तो वो इस योजना का लाभ नहीं उठा पाएगा। इसके इतर, लाभ उठाने वाले बुजुर्ग का आधार कार्ड बैंक से लिंक होना अनिवार्य है। अब आप सोच रहे होंगे आखिर इस योजना का लाभ उठाने के लिए हम आवेदन कैसे करें, तो इसके लिए आपको सबसे पहले ई-डिस्ट्रक दिल्ली पोर्टल पर जाकर आवेदन करना होगा। वहां पर आपसे जो भई जानकारी मांगी गई है, उसे भरना होगा। इसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं, योजना के बारे में हेल्पलाइन नंबर (1031) पर कॉल करके भी जानकारी जुटा सकते हैं। वहां पर आपको इस योजना के बारे में पूरी जानकारी मिल जाएगी।

आवेदन करने के लिए चाहिए ये दस्तावेज

वहीं, आवेदन करने के लिए आपको विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों की आवश्यकता है, जिसमें ये सभी शामिल हैं।

जामिया में 20 साल बाद होंगे छात्रसंघ चुनाव, प्रदर्शन के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन का एलान

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन सोमवार (26 अक्टूबर) को खत्म हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की तीन बड़ी मांगों को मान लिया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्टूडेंट यूनियन गठन के बाद 15 दिन में चुनाव कराने का एलान कर दिया है। वहीं, मांगें मान लेने के बाद छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर ली है। छात्रों की ओर से लिखित में देने पर जामिया प्रशासन ने ऑर्डर जारी किया है। जामिया प्रशासन ने छात्रों की तीन बड़ी मांगों पर सहमति जता दी है, जिनमें सबसे पहली मांग तो छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की है। छात्रों की दूसरी मांग है कि प्रोटेस्ट के दौरान जिन पर छात्रों पर कार्रवाई हुई उसे रद किया जाए। साथ ही तीसरी मांग सिक्योरिटी स्टाफ के कामों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने पर सहमति जताई है। जामिया मिलिया इस्लामिया स्टूडेंट यूनियन का चुनाव, जामिया मिलिया इस्लामिया के स्टूडेंट यूनियन के गठन को मंजूरी मिलने की तारीख से 15 दिन बाद होगा। विरोध के समय स्टूडेंट्स को दिए गए सस्पेंशन और



कारण बताओ नोटिस वापस लिए जाते हैं। विरोध के समय सिक्योरिटी स्टाफ के कामों की जांच के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। विरोध करने वाले स्टूडेंट्स की ओर से कहा गया कि वे यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ विरोध के दौरान दिए गए किसी भी बदनाम करने वाले बयान/कार्रवाई/पोस्ट के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए पब्लिक में माफी मांगेंगे। ऐसे सभी पोस्ट तुरंत सोशल मीडिया पर चैनलों से हटा दिए जाएंगे। यह बात रिकॉर्ड में ले ली गई है और इसे पालन के लिए मॉनिटर किया जाएगा। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर रविवार को गालिब स्टैच्यू लान में साढ़े छह बजे सुरक्षा गार्ड की वर्दी में एक संदिग्ध युवक घुस आया और वह 'फ्री कश्मीर' के नारे लगाने लगा। धरना स्थल पर पहले से मौजूद छात्रों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं दूसरी ओर, परिसर के बाहर गेट नंबर-7 पर आंदोलन के समर्थन में नारेबाजी और हंगामा कर रहे करीब छह प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने मौके से पकड़कर हटा दिया। पुलिस हिरासत में लिए गए संदिग्ध युवक ने खुद को गाजियाबाद का डिलीवरी ब्वॉय बताया है।

संक्षिप्त समाचार

शाम को डाला लेंटर, कुछ देर बाद ढहा; दिल्ली में पिता-पुत्र की मौत, अवैध निर्माण पर सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। हर्ष विहार स्थित मिलन गार्डन में 200 गज में अवैध रूप से किए जा रहे अवैध निर्माण ने दो लोगों की जान ले ली। रविवार शाम मकान का लेंटर गिरने से ठेकेदार व एक कर्मचारी मलबे के नीचे दब गए थे। एनडीआरएफ, दमकल व पुलिस ने रातभर बचाव कार्य चलाया। सोमवर सुबह दोनों के शव बरामद हुए। उनकी पहचान ठेकेदार चंद्रपाल व इनके बेटे विजय कुमार के रूप में हुई है। इस साल यमुनापार में अवैध निर्माण से इस साल नौ लोगों की जान जा चुकी है, इसके बाद भी निगम अवैध निर्माण पर नकेल नहीं कस पा रहा है। मकान मालिक कुलविंदर तंवर के खिलाफ हर्ष विहार थाना लापरवाही से मौत की धारा में केस दर्ज करने की तैयारी कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि रविवार शाम करीब 6.46 बजे सूचना मिली थी कि मिलन गार्डन में 200 गज में अवैध रूप से निर्माण कार्य चल चल रहा था। रविवार शाम तक पहली मंजिल का लेंटर डाला गया था। शाम पांच बजे तक लेंटर डालने के बाद अधिकतर कर्मचारी जा चुके थे। सेटरिंग ठेकेदार व उनका बेटा जो कि कर्मचारी के रूप में कार्य करता था वह रुके हुए थे। अचानक से लेंटर गिर गया और वह दब गए। मलबा बहुत ज्यादा था। एनडीआरएफ व अन्य एजेंसी रातभर लगी रही। दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

एनसीईआरटी के नौवीं से 12वीं के छात्रों के लिए एआई-सीटी आधारित पाठ्यक्रम शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए कंप्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित एक 20 घंटे का इंट्रोडक्टरी मॉड्यूल यानी परिचयात्मक पाठ्यक्रम शुरू किया है। इस मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को केवल तकनीक का इस्तेमाल करना ही नहीं, बल्कि डीपफेक की पहचान, डाटा प्राइवेसी और एआई के नैतिक इस्तेमाल से जुड़ी सीमाओं को समझाना है। इस कोर्स को इस तरह डिजाइन किया गया है ताकि बिना कंप्यूटर या इंटरनेट वाले स्कूलों के छात्र भी इसे आसानी से सीख सकें। एनसीईआरटी ने गतिविधि आधारित यह मॉड्यूल आईआईटी मद्रास और आईआईटी जोधपुर के साथ मिलकर तैयार किया है। इस मॉड्यूल को बनाने के पीछे मकसद विद्यार्थियों को एआई की कार्यप्रणाली समझाना, उसकी सीमाओं का आकलन करने और एआई प्रणालियों के नतीजों की पुष्टि किए बिना उन पर निर्भर रहने के बजाय उनका सावधानीपूर्वक, आत्मविश्वास के साथ, रचनात्मक और जिम्मेदारी से इस्तेमाल व मूल्यांकन करना सिखाना है। इसमें छात्रों को इंटरनेट मीडिया पर फैलने वाली झूठी खबरों और डीपफेक वीडियो/आडियो को पहचानने के तरीके सिखाए जाएंगे। उन्हें सिखाया जाएगा कि वे डिजिटल सामग्री पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

देश के खिलाफ अभियान चला रहे, नसीरुद्दीन शाह पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता नसीरुद्दीन शाह द्वारा सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के छात्रों का समर्थन किए जाने के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से गर्मा गया है। नसीरुद्दीन शाह ने दावा किया था कि भाजपा उन सभी से बदला लेना चाहती है, जो उसकी विचारधारा और नीतियों से सहमत नहीं हैं। इस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि हमारे विरोध की आड़ में शाह भारत के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। इंस्टीट्यूट में अव्यवस्था 27 सितंबर को शुरू हुई, जब प्रदर्शनकारी छात्र विधिवत अनुमति लेकर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य सभागार में घुस गए। इसके बाद मारपीट और तोड़फोड़ हुई। कुलपति पर भी हमला हुआ।

दिल्ली लोक अदालत में 1.76 लाख मामलों का हुआ निपटारा, ट्रैफिक चालान से वसूले गए 2.77 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में रविवार को आयोजित साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में एक ही दिन में करीब 600 करोड़ रुपये की समझौता राशि से 1.76 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया।

दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, कुल 1,76,379 मामलों का निपटारा 599.71 करोड़ रुपये की समझौता राशि से किया गया। इनमें 1.38 लाख मामले सिर्फ ट्रैफिक चालान के थे और इनके निपटारे से 2.77 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। बड़ी संख्या में लोगों को चालान और अन्य लंबित विवादों को मौके पर ही निपटाने में मदद मिली। इस बार की लोक अदालत सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं रही। डीएसएलएसए ने एक अनूठी पहल करते हुए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, एसिड अटैक सर्वाइवर और वरिष्ठ नागरिकों को लोक अदालत की पीठों में सहयोगी सदस्य के रूप में शामिल किया। इन्हें न्याय के साथी के रूप में जजों के साथ बैठाया गया।

जिला अदालतों में सबसे ज्यादा मामलों का



निपटारा लोक अदालत का आयोजन विभिन्न जिला अदालतों, दिल्ली हाई कोर्ट, ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी), उपभोक्ता आयोग और स्थायी लोक अदालतों में किया गया था। इसमें सबसे अधिक मामले जिला अदालतों में निपटे और यहां कुल 1.74 लाख मामलों का समाधान हुआ। इसमें 317.42 करोड़ रुपये की समझौता राशि तय हुई। वहीं, समझौता राशि के लिहाज से सबसे बड़ा आंकड़ा डीआरटी से आया और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में सिर्फ 97 मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन इनमें 252.83 करोड़ रुपये की राशि पर सहमति बनी। दिल्ली हाई कोर्ट में 44 मामलों का निपटारा 10.87 करोड़ रुपये में हुआ, जबकि जिला उपभोक्ता आयोगों में 284 मामलों में 12.31 करोड़ रुपये और बिजली से जुड़ी स्थायी लोक अदालत में 1,502 मामलों में 6.27 करोड़ रुपये की समझौता राशि तय हुई। इसके अलावा मोटर दुर्घटना दावा (एमएसीटी) के मामलों में भी बड़ी राहत मिली और रोहिणी कोर्ट में सारिका क्वात्रा बनाम न्यू त्रिशूल ट्रांसपोर्ट मामले का निपटारा 2.90 करोड़ रुपये के समझौते से हुआ। इस दौरान डिजिटल लोक अदालत की भी व्यवस्था रही, जिसमें चालान का भुगतान होते ही जानकारी तुरंत ट्रैफिक पुलिस पोर्टल पर अपडेट हो गई।

दिल्ली छात्रा सुसाइड केसः स्कूल में सीसीटीवी कैमरा मिला खराब, तीन पन्नों के सुसाइड नोट में एक लड़के का जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर क्षेत्र के स्कूल में 17 वर्षीय छात्रा ने शनिवार को आग लगाकर जान दी थी। पुलिस को जांच में घटना स्थल पर लगा सीसीटीवी कैमरा खराब मिला। यह घटनास्थल पर लगा एकमात्र कैमरा था। कैमरे का रुख दरवाजे की तरफ था, इसलिए उससे घटनास्थल का कितना हिस्सा कवर होता था, यह स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से माचिस और एक बोतल मिली है। बोतल से पेट्रोल जैसी गंध आने के कारण उसमें पेट्रोल होने की आशंका है। बोतल को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) भेजा गया है। पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें एक लड़के का जिक्र है। अपने माता-पिता की इच्छाएं पूरी नहीं कर पाने की बात लिखे होने की जानकारी भी लिखी है। छात्रा ने लड़के को परेशान नहीं करने की बात भी लिखी थी। परिवार का कहना है संबंधित लड़के की पहचान अभी नहीं हो सकी है। वहीं, मृतक के मामा ने कहा कि छात्रा पढ़ाई में अच्छी थी और किसी परेशानी में नहीं थी। उन्होंने सवाल उठाया कि स्कूल में कर्मचारियों की मौजूदगी और सीसीटीवी कैमरे होने के बावजूद घटना का पता कैसे नहीं चला। उन्होंने परिवार को सूचना देने में देरी का आरोप भी लगाया।

आ गया सांसों के इम्तिहान का समयः अगले 15 दिन रहेंगे अहम, एनसीआर में 1 नवंबर से लागू होगा विंटर एक्शन प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर को जिन जहरीली हवाओं से बचाने के लिए साल भर से बैठकें और तैयारियां चल रही थी, आखिरकार अब उसके इम्तिहान का समय आ गया है। मौसम के बदलते मिजाज के साथ ही दिल्ली-एनसीआर में सांसों पर संकट बढ़ने लगा है। इसके 31 अक्टूबर के बाद और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। वहीं छह नवंबर तक इसके गंभीर श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है।

फिलहाल इसे देखते हुए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय व वायु गुणवत्ता आयोग ने दिल्ली सहित एनसीआर में आने वाले चारों राज्यों को अलर्ट किया है। साथ ही एक्शन प्लान के मुताबिक कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

इस बीच दिल्ली में बढ़ने प्रदूषण में वाहनों से होने वाले प्रदूषण की बड़ी हिस्सेदारी को देखते हुए एक नवंबर से ही दिल्ली में आने वाले बीएस-6 से नीचे के पेट्रोल व डीजल से चलने वाले कामर्शियल व निजी वाहनों के संचालन को प्रतिबंधित कर दिया है। माना जा रहा है कि इससे वायु प्रदूषण के स्तर में कमी दिखेगी। वहीं पराली को जलने से रोकने के लिए पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) व राज्यों की तीन सौ से अधिक टीमें भी तैनात की गई है। जो कंट्रोल रूम की निगरानी में 24 घंटे काम करेगी। इस बीच साथ ही प्रदूषण बढ़ने वाले क्षेत्रों में यानी हाट स्पाटों पर 24 घंटे निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भी निगरानी बढ़ा दी है। मंत्रालय के सचिव ने खुद राज्यों के साथ इसे लेकर बैठकें शुरू कर दी है। हाल ही में उन्होंने उत्तर प्रदेश के साथ बैठक की है। वहीं वायु गुणवत्ता आयोग भी जमीनी स्तर पर एक्शन प्लान के अमल को जांचने में जुटी है। इसके साथ ही दिल्ली- एनसीआर में पुराने मकानों के तोड़ने व निर्माण आदि पर रोक लगाई गई है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सहित एनसीआर से जुड़े सभी राज्यों में सर्दियों के लिए अपना एक एक्शन प्लान भी तैयार किया है। जो एक नवंबर से प्रभावी होगा।

एबीवीपी-वामपंथी छात्रों में टकराव

जेएनयू में एसओएस की दीवार पर 'फ्री उमर खालिद' के जवाब में लिखा 'नेवर डोंट फ्री'

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में दीवारों पर विवादित नारे लिखने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब छात्र संगठनों के बीच टकराव तक पहुंच गया है।

नारों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी छात्र संगठनों के छात्रों के बीच मारपीट होने का मामला सामने आया।

वहीं, रविवार को परिसर की दीवारों पर नए नारे लिखे जाने और राजनीतिक तस्वीरें चस्पा किए जाने से विवाद और गहरा गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मामले की पड़ताल कर रहा है। हालांकि, अब तक दीवारों पर नारे लिखने वालों की पहचान नहीं हो सकी है।

परिसर के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (एसओएस) की दीवार पर पहले 'फ्री उमर खालिद' और 'लांग लिव नक्सलबाड़ी' जैसे नारे लिखे गए थे। रविवार को इसी दीवार पर उमर खालिद के नाम पर क्रास का निशान बनाकर उसके आगे 'नेवर डोंट फ्री' लिखा गया। इसके अलावा 'अखंड भारत', 'स्टॉप लव जिहाद' और 'आल हैरासर्स विल बी टेकन डाउन' जैसे संदेश भी सामने आए।



साथ तस्वीरें भी दीवार पर चस्पा की गईं। इसके साथ ही एक छात्र संगठन के नाम के साथ स्कूल के व्याख्यान कक्ष संख्या 335 के दरवाजे के ऊपरी हिस्से पर 'अखंड भारत' लिखा गया है। छात्र संगठनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज विवाद के बीच छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में बर्खास्त प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम की कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के छेड़छाड़ कर उसे विवादित रूप देने की बात भी सामने आई है। इन घटनाओं के बाद परिसर में छात्र संगठनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। शनिवार को एबीवीपी ने वामपंथी छात्र संगठन के सदस्यों पर 'फ्री उमर खालिद' और 'लांग लिव नक्सलबाड़ी' जैसे नारे लिखने का आरोप लगाया था।

बसों के ईंधन मानकों की होगी जांच

दिल्ली-एनसीआर में एक्शन तेजः सर्दियों में बाहरी ट्रकों की नो-एंट्री, पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से गुजरेंगे भारी वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दियों में दिल्ली की हवा बिगाड़ने वाले वाहनों पर लगाम लगाने के लिए एनसीआर की सीमाओं पर सख्ती बढ़ाने की तैयारी है। दिल्ली आने वाली दूसरे शहरों की बसों के ईंधन मानकों की जांच होगी, साथ ही प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई तेज की जाएगी।

दिल्ली के लिए नहीं जाने वाले ट्रकों को शहर में प्रवेश करने से रोकने के लिए पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के इस्तेमाल पर जोर दिया जाएगा। सीमावर्ती इलाकों में लगने वाले जाम को कम करने के लिए यातायात प्रबंधन भी बेहतर किया जाएगा।

इन उपायों को लागू करने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत और बहादुरगढ़ के यातायात पुलिस व पुलिस अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इसमें दिल्ली यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त और परिवहन आयुक्त भी शामिल हुए।



सरकार की योजना के तहत एनसीआर की सीमाओं और जाम वाले मार्गों पर यातायात प्रबंधन बेहतर किया जाएगा। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मी तैनात होंगे, ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारु रहे और जाम में लंबे समय तक खड़े रहने से होने वाला उत्सर्जन कम किया जा सके।

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) की जांच भी सख्त होगी। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को रोकने के साथ नियमानुसार चालान और वाहन जब्त करने जैसी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के लिए नहीं जाने वाले भारी वाहनों को पूर्वी और पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से निकालने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कराया जाएगा। पुराने पेट्रोल-डीजल वाहनों पर लागू प्रतिबंधों को भी सख्ती से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में तय नियमों के अनुसार, दिल्ली सहित एनसीआर में दूसरे शहरों से आने वाली बसों के लिए ईंधन और उत्सर्जन मानकों का पालन अनिवार्य होगा। इलेक्ट्रिक, सीएनजी या बीएस-6 मानक वाली डीजल बसों के अलावा अन्य बसों के संचालन की अनुमति नहीं होगी। सीमावर्ती जांच चौकियों पर प्रतिबंधों की जानकारी देने के लिए बोर्ड लगाए जाएंगे और जनजागरूकता अभियान भी चलेंगे।

मैं तो खुद पीएम मोदी को सत्ता से हटाने की बात कह रहा था..., खरगे के कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता की पिटाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई एक तीखी टिप्पणी को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। खरगे के इस बयान के बाद बीजेपी ने कड़ा विरोध जताया और आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने न केवल प्रधानमंत्री और उनके दिवंगत पिता का अपमान किया है, बल्कि पूरे देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। यह घटना बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह के दौरान हुई। खरगे मंच से भाषण दे रहे थे और चुनावी धांधली के आरोपों का जिक्र करते हुए कह रहे थे कि मोदी जेल जाएंगे। इसी दौरान भीड़ में से एक व्यक्ति ने कुछ कहा, जिससे हॉल में 'मोदी नहीं जाएगा' की आवाज सुनाई दी। इस पर नाराज होकर खरगे ने मंच से पलटवार करते हुए कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा। उन्होंने इस वाक्य को तीन बार दोहराया। इस टिप्पणी के बाद मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया, उसके साथ मारपीट की और उसे कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाल दिया। हॉल से बाहर निकाले जाने के बाद संतोष कुमार ने खुद को हुड़दंगी या विरोधी मानने से इनकार किया और पूरे मामले में एक नया मोड़ सामने आया। संतोष ने दावा किया कि उनकी बात को आधा-अधूरा सुनकर गलत समझ लिया गया। उन्होंने कहा कि वे वास्तव में खुद मोदी को सत्ता से बाहर देखना चाहते हैं। संतोष कुमार ने स्पष्ट करते हुए कहा कि मैं कह रहा था कि जब तक कोई विद्रोह नहीं होगा, तब तक मोदी नहीं जाएगा। लेकिन लोगों ने केवल आधा वाक्य सुना और गलतफहमी पैदा हो गई। उन्होंने बताया कि खरगे जब भाषण दे रहे थे, तभी यह आधी आवाज गूंज गई और इसी वजह से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया। खरगे के इस बयान का वीडियो सामने आते ही बीजेपी नेताओं ने तीखा रुख अख्तियार कर लिया और देशभर में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि खरगे ने राजनीतिक शिष्टाचार और मर्यादा की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं।

चोटिल ईशान किशन तीसरे टी20 मैच से हुए बाहर

● भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से बाहर हो गए हैं क्योंकि वे दाहिनी मांसपेशी में खिंचाव से उबर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को पुष्टि की कि किशन तेजी से ठीक हो रहे हैं, लेकिन 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में होने वाले मैच से पहले उन्हें अभी भी मैच फिटनेस हासिल करनी बाकी है। किशन को पिछले सप्ताह पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान मामूली मोच आ गई थी । वह दूसरा मैच भी नहीं खेल पाए, और उनकी अनुपस्थिति में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की प्रगति पर नजर रख रही है,' और साथ ही यह भी कहा कि अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्रा तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टीम का हिस्सा बने रहेंगे। किशन की अनुपस्थिति का मतलब है कि भारत को इस बाएं हाथ के बल्लेबाज के पूरी तरह फिट होने का इंतजार करना होगा, क्योंकि टीम प्रबंधन ने उन्हें जल्दबाजी में मैदान में उतारने का फैसला नहीं किया है। दाहिनी जांघ की अंदरूनी मांसपेशियों में खिंचाव से खिलाड़ी की गति और विकेटों के बीच दौड़ने में बाधा आ सकती है।

ईशान की सेहत में सुधार?

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि एहतियात के तौर पर किशन तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के अपडेट में यह भी बताया गया कि विकेटकीपर-बल्लेबाज की हालत में सुधार हो रहा है, हालांकि अभी तक वह मैच के लिए आवश्यक फिटनेस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं।
किशन के चोटिल होने के बाद कुशाग्रा को बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया था और वह मंगलवार के मैच में भी टीम के साथ रहेंगे। वहीं, दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सूर्यवंशी ने किशन की जगह ली। भारत वेलिंगटन में सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत 2-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। वेलिंगटन में जीत से मेहमान टीम को अजेय बढ़त मिल जाएगी और दो मैच शेष रहते ही सीरीज अपने नाम कर लेगी। किशन की अनुपलब्धता को देखते हुए, संजू सैमसन से विकेटकीपिंग की भूमिका जारी रखने की उम्मीद है, जबकि वैभव सूर्यवंशी को शीर्ष क्रम में एक और मौका मिलने की संभावना है।

अनौपचारिक टेस्ट

पडिक्कल-सुदर्शन और यश की दमदार पारियों ने कराई वापसी

● भारत ए के नाम रहा तीसरा दिन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेले जा रहे अनौपचारिक टेस्ट मैच का तीसरा दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। बर्ट सटक्लिफ ओवल के मैदान पर दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने शानदार वापसी करते हुए दूसरी पारी में 8 विकेट खोकर 488 रन बना लिए हैं। टेस्ट के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी रही। देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने अपनी 96 रनों की साझेदारी को आगे बढ़ाया और भारतीय टीम को 200 रनों का आंकड़ा पार कराया। सुदर्शन अपने शतक से चूक गए और 184 गेंदों में 91 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 12 चौके लगाए। हालांकि, ध्रुव जुरेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 2 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पडिक्कल और यश राठौड़ ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 142 रनों की अहम साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 248 गेंदों में 199 रनों की यादगार पारी खेली। हालांकि, वह अपने दोहरे शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। पडिक्कल जैक गिब्सन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए। मगर वह अंपायर के फैसले से नाखुश दिखाई दिए। भारतीय बल्लेबाज ने अपनी इस पारी में 24 चौके और 3 छक्के लगाए। यश ने 72 गेंदों का सामना करते हुए 66 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। यश ने अपनी पारी में कुल 8 चौके लगाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और अंशुल कंबोज ने भी मिलकर 41 रनों की अहम पार्टनरशिप की। अंशुल 36 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। कंबोज के आउट होने के बाद वॉशिंगटन को आकिब नबी के रूप में एक और जोड़ीदार मिला और दोनों ने मिलकर 106 गेंदों में 69 रन जोड़े। आकिब ने 63 गेंदों में 38 रन बनाए। वहीं, सुंदर दिन का खेल खत्म होने तक अपना अर्धशतक पूरा कर 51 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वह अपनी इस पारी में अब तक 6 चौके लगा चुके हैं। सुंदर का साथ आकाशदीप बिना खाता खोले निभा रहे हैं। भारत की कुल बढ़त 284 रनों की हो चुकी है और टीम के अभी 2 विकेट शेष हैं। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में जैक गिब्सन और क्रिस्टियन क्लार्क ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने एक विकेट झटका।

100 गोल पूरे करने पर बोले एमबाप्पे

यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं

इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया।

एमबाप्पे ने सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया

उन्होंने आगे कहा, 'इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया। '2024/25 सीजन में अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप फाइनल में रियल मैड्रिड के लिए अपना पहला गोल करने के बाद से एमबाप्पे ने 2024/25 का 'गोल्डन बूट' और दो 'पिचिची ट्रॉफियां' (2024/25 और 2025/26) जीती हैं। इसके अलावा, वह पिछली चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी (टॉप स्कोरर) भी रहे थे।



बार्सिलोना, एजेंसी। रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने के बाद स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे ने कहा कि यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं है, क्योंकि अभी और भी कई गोल आने बाकी हैं। एमबाप्पे ने 'एल क्लासिको' के दौरान रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे किए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जिससे कैंप नोउ में टीम की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। रियल मैड्रिड के लिए उनके 100 गोल इस प्रकार हैं: ला लीगा में 67, चैंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब वर्ल्ड कप में 2, यूईएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिश सुपर कप में 1 गोल। एमबाप्पे क्लब के साथ अपने पहले सीजन में 44 गोल किए, पिछले सीजन में 42 गोल किए, और इस सीजन में अब तक 14 गोल कर चुके हैं। एमबाप्पे ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की मदद करना पसंद है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह बस एक छोटी सी बात है, क्योंकि सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।' 2025 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल करने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

उन्होंने 59 गोल किए। इसके अलावा, पिछले विश्व कप के दौरान फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हुए एमबाप्पे 22 गोल के साथ इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने।



एक मैच क्या जीत गए पूरा देश होश खो बैठा

शहबाज शरीफ ने किया लंबा-चौड़ा पोस्ट, फैंस बोले- वर्ल्ड कप नहीं जीते हो शर्म करो

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्राई सीरीज के चौथे वनडे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की 1 विकेट से मिली रोमांचक और अकल्पनीय जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 154 रन पर 9 विकेट गंवाने के बाद ऑलराउंडर शादाब खान (113) और हारिस रऊफ की रिकॉर्ड 89 रनों की साझेदारी ने पाकिस्तान को हार के मूंह से निकालकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।



शहबाज शरीफ ने की तारीफ

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खिलाड़ियों के साथ-साथ पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी की तारीफ करते हुए लिखा, 'बहुत बढ़िया, टीम पाकिस्तान! शाबाश! लाहौर में इंग्लैंड पर शानदार जीत के लिए हमारे लड़कों को हार्दिक बधाई। हर रन, हर विकेट और हर कैच ने उस धैर्य, अनुशासन और जुझारूपन को दर्शाया जो पाकिस्तान की पहचान है। शादाब और हारिस के बीच आखिरी विकेट की साझेदारी ने मैच का रुख पलट दिया।'

कहा- वेल डन बॉयज

उन्होंने आगे लिखा, 'शादाब का शतक शानदार था। वेल डन बॉयज! आज रात लाहौर की जनता की गर्जना पूरे देश की आवाज थी। आपने करोड़ों दिलों को गर्व और खुशी से भर दिया है। मैं पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत करने और हमारे घरेलू मैदान को विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का गौरवशाली मेजबान बनाने के उनके अथक प्रयासों के लिए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और उनकी पूरी टीम की भी सराहना करता हूं।'

कड़वाहट के साथ 25 साल का रिश्ता खत्म



नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट इतिहास के महानतम तेज गेंदबाजों में शामिल जेम्स एंडरसन का लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ सफर समाप्त हो गया है। क्लब ने 2027 सीजन के लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। एंडरसन 2002 में क्लब का हिस्सा बने थे।

जेम्स एंडरसन अलग होने से खुश नहीं

44 साल के जेम्स एंडरसन ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसके बाद काउंट्री में लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। इस दौरान उन्होंने टीम की कप्तानी भी की। जेम्स एंडरसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं बचपन से लंकाशायर का सपोर्टर करता आया हूं। इसलिए 25 साल तक इस टीम के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा था। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलने के लिए मैदान पर उतरना मेरे लिए हमेशा से ही बहुत खास रहा है।

पहला सेट हारने के बाद मेदवेदेव की दमदार वापसी

अल्माटी ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास

कजाकिस्तान, एजेंसी। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने शानदार वापसी करते हुए अल्माटी ओपन 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने फाइनल में जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाशविली को 6-7 (6), 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने पहली बार अपने करियर में किसी ऐक्टिव टूर टूर्नामेंट का खिताब सफलतापूर्वक बचाने का कारनामा किया।

पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव की शानदार वापसी - अल्माटी ओपन के फाइनल में बासिलाशविली ने आक्रामक शुरुआत करते हुए मेदवेदेव को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले सेट में मुकाबला बराबरी का रहा और फैसला टाईब्रेक में पहुंचा। मेदवेदेव के पास सेट प्वाइंट का मौका भी आया, लेकिन वह उसे भुना नहीं सके और बासिलाशविली ने पहला सेट 7-6 (6) से जीत लिया।

दूसरे सेट में मेदवेदेव ने पलट दिया मैच - पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने अपने खेल में जबरदस्त सुधार किया। उनकी निरंतरता, मजबूत डिफेंस और सटीक शॉट्स के सामने बासिलाशविली की चुनौती कमजोर पड़ने लगी। मेदवेदेव ने दूसरे सेट में पूरी तरह दबदबा बनाते हुए इसे 6-1 से जीत लिया और मुकाबले में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली।



निर्णायक सेट जीतकर बचाया अल्माटी ओपन का खिताब - तीसरे सेट में भी मेदवेदेव ने अपनी लय बरकरार रखी और बासिलाशविली को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने निर्णायक सेट 6-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। एक घंटे 53 मिनट तक चले इस फाइनल में मेदवेदेव की सर्विस भी बेहद प्रभावी रही। वह पूरे मुकाबले में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं गंवाने में सफल रहे और पहली सर्विस पर 78 प्रतिशत अंक हासिल किए।

करियर का 25वां और सीजन का चौथा खिताब - अल्माटी ओपन की जीत मेदवेदेव के करियर का 25वां ऐक्टिव टूर खिताब है, जबकि 2026 सीजन में यह उनकी चौथी ट्रॉफी रही। इससे पहले वह ब्रिस्बेन, दुबई और चेंगदू में भी खिताब जीत चुके हैं। इस सीजन में उनसे ज्यादा ATP टूर खिताब केवल इटली के यानिक सिनर ने जीते हैं, जिनके नाम छह ट्रॉफियां हैं।

अब वियना टूर्नामेंट में खेलेंगे मेदवेदेव - अल्माटी में खिताब जीतने के बाद मेदवेदेव अब वियना में होने वाले ऐक्टिव 500 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुब्लिक के चोट के कारण मुकाबले से हटने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी। बुब्लिक पहला सेट 3-6 से हारने के बाद मैच से हट गए थे।

रणजी ट्रॉफी

सारांश जैन ने झटके 7 विकेट, मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार 99 रन पर आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के तीसरे चरण में मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार की टीम पहले दिन सोमवार (26 अक्टूबर) को पहले ही सत्र में ऑलआउट हो गई। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार की टीम सिर्फ 99 रन बना पाई। मध्य प्रदेश के लिए ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने 7 विकेट झटके। बिहार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उसका यह फैसला गलत साबित हुआ। टीम के केवल दो बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। बिहार के लिए सबसे ज्यादा रन ओपनर मंगल महरौर ने बनाए। उन्होंने 87 गेंद पर 5 चौके की मदद से 42 रन बनाए।

साबिकबुल गनी भी फेल - मंगल के साथी ओपनर नमन गौरव बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। श्रमण निग्रोध भी खाता नहीं खोल पाए।



आयुष लोहारुका 1, कप्तान साबिकबुल गनी 2, आकाश राज बगैर खाता खोले, राघवेंद्र प्रताप सिंह 8, आदित्य राज 4, सूरज कश्यप 15 और हिमांशु 3 रन बनाकर आउट हुए। अमोद यादव 2 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के लिए सारांश जैन ने 13 ओवर में 40 रन देकर 7 विकेट लिए। आवेश खान ने 2 और कुमार कार्तिकेय ने 1 विकेट लिए।